3 बस्तर संभाग
शिक्षक पढ़ई तुंहर द्वार : कोरोना काल में भी छात्रों को घर...

6 अभिमत
नियंत्रण रेखा पर चीन की जिद

10 संस्कारधानी
जुएं की लड़ाई में गई एक और जान, 3 दिन में दूसरी ...

11 न्यायधानी
शासन नियमितिकरण का फैसला जल्द लें, नहीं ...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655
www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 25 सितंबर 2020 पृष्ठ-12 वर्ष-05, अंक- 38 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

आईआईटी में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं से संबंधित याचिका खारिज

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने देशभर में आईआईटी में छात्रों में बढ़ते आत्महत्याओं के मामलों की रोकथाम के लिए छात्र स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश देने संबंधी याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायालय ने इस तरह की याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ता गुराव कुमार बंसल पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। न्यायमूर्ति रोहिंटन एफ नरीमन, न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से अपमानजनक करार दिया।

भारत में 86 प्रतिशत मेडिकल उपकरण आयातित

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश में 86 प्रतिशत मेडिकल उपकरण और मशीन आयात किये जाते हैं और केंद्र सरकार ने देश को इस दिशा में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य के साथ कई योजनाएं शुरु की हैं। ऐसी ही एक योजना, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत देश के पांच राज्यों में मेडिकल उपकरण विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए 148.79 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बुधवार को लोकसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह ब्योरा दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत मेडिकल उपकरणों के विनिर्माण और उनकी जांच के लिए आधारभूत ढांचा निर्माण के लिए 148.79 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं।

बडगाम में आतंकवादी हमले में सीआरपीएफ जवान शहीद

श्रीनगर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में मोटरसाइकिल पर सवार कुछ आतंकवादियों ने गुरुवार सुबह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान पर हमला करके उसकी हत्या कर दी। हमले को अंजाम देने के बाद आतंकवादी जवान की राइफल छीनकर घटनास्थल से फरार हो गए। सूत्रों के मुताबिक बडगाम जिले के चदूरा वादीपोरा केसरमुल्ला में आज सुबह मोटरसाइकिल पर सवार कुछ आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के एक सहायक उपनिरीक्षक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

एसजीपीजीआई-बीआरडी में होगा वैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रॉयल

तीसरे फेज के ट्रॉयल में हर उम्र और वर्ग के लोगों को शामिल किया जाएगा

एजेंसी ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस से शुरू संघर्ष को अंजाम देने को लगातार हो रही कोशिशों के बीच एक अच्छी खबर है। आईसीएमआर और भारत बायोटेक द्वारा तैयार हुआ कोरोना वैक्सीन का ट्रायल अब लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई और गोरखपुर स्थित बीआरडी मेडिकल कालेज में होगा।बता दें कि इस वैक्सीन के दो फेज का ट्रायल हो चुका है।

यह ट्रॉयल गोरखपुर शहर राना हॉस्पिटल में सफलता पूर्वक हुआ है। तीसरे फेज का ट्रॉयल अब बीआरडी मेडिकल कॉलेज में होगा। तीसरे फेज के ट्रॉयल में हर उम्र और वर्ग के लोगों को शामिल किया जाएगा। इसे लेकर शासन की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं।

पहले-दूसरे फेज में सिर्फ 11 लोगों पर हुआ ट्रायल

ध्यातव्य हो कि भारत बायोटेक की ओर से कोरोना के लिए को-वैक्सीन बनाई गई है। इस वैक्सीन का ट्रॉयल देश भर 12 ??संस्थानों में किया गया है। इसमें गोरखपुर के राना हॉस्पिटल को भी शामिल किया गया था। इस हॉस्पिटल में 31 जुलाई को पहले फेज का ट्रॉयल करते हुए 11 लोगों को को-वैक्सीन का डोज दिया गया था। जिन लोगों को वैक्सीन लगाया गया था, उनकी लगातार निगरानी भी की जा रही थी। सभी की सेहत ठीक मिलने पर 14 अगस्त को इन्हीं 11 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई थी। इसकी रिपोर्ट भी भारत बायोटेक और आईसीएमआर को भेजी गई थी। अब तीसरे फेज के ट्रॉयल की तैयारी है।

कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी, मरीजों की संख्या 9.66 लाख

नयी दिल्ली, (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले गत छह दिन से लगातार कम हो रहे हैं और पिछले 24 घंटों के दौरान इन मामलों में 1,995 की कमी दर्ज की गयी जिससे मरीजों की कुल संख्या 9,66,382 रह गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 86,508 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 57,32,519 पर पहुंच गयी है। इसी अवधि में 87,374 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 46,74,988 हो गयी है। संक्रमण के नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 1,995 की कमी आयी है। सक्रिय मामले शनिवार को 3790, रविवार को 3140, सोमवार को 7525, मंगलवार को 27,438 और बुधवार को 7,484 कम हुए थे। छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 2,348 और त्रिपुरा में सबसे कम 48 सक्रिय मामले घटे हैं। इसी अवधि में 1,129 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 91,149 पर पहंच गयी है। देश में सक्रिय मामले 16.86 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.59 फीसदी रह गये हैं जबकि, रोगमुक्त होने वालों की दर 81.55 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 1,074 बढ़कर 2,73,883 हो गये हैं जबकि 479 लोगों की और मौत होने से मृतकों की संख्या 33,886 हो गयी है।

मनरेगा में ग्रामीण परिवारों को साल में मिले अधिकतम रोजगार : भूपेश

- मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित की समिति
- रोजगार उपलब्ध कराने के मामले में छत्तीसगढ़ अन्य राज्यों से बेहतर, फिर भी प्रति परिवार रोजगार उपलब्धता के दिन बढ़ाये जाने की पर्याप्त संभावनायें

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत ग्रामीण परिवारों को साल में अधिक से अधिक रोजगार मुहैया हो। उन्होंने इस हेतु कार्ययोजना बनाने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी दी गयी है। छत्तीसगढ़ राज्य में इसके अतिरिक्त भी 50 दिनों का रोजगार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्य में ग्रामीण परिवारों को औसतन 42 दिन, वर्ष 2017-18 में 52 दिन और वर्ष 2018-19 में 57 दिन रोजगार उपलब्ध कराया गया है। अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन बेहतर रहा है किन्तु छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में जहां अधिकांश क्षेत्रों में एक ही फसल होती है, में प्रति परिवार रोजगार उपलब्धता के दिन बढ़ाये जाने की पर्याप्त संभावनायें है।

मुख्यमंत्री द्वारा मनरेगा के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाने हेतु मुख्यसचिव की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित की गई है। जिसमें अपर मुख्य सचिव वित्त, अपर मुख्य सचिव गृह, प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव वन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और सचिव कृषि को इस समिति का सदस्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने इस समिति को 15 दिवस के अन्दर ग्रामीणों को वर्ष में अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

मोदी का फिटनेस मंत्र फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज

वार्ता ◄ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया आंदोलन के एक साल पूरे होने पर गुरूवार को सभी देशवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए फिटनेस मंत्र दिया...फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज। श्री मोदी ने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट ने अपना एक साल एक ऐसे समय में पूरा किया है जिसमें से करीब-करीब छह महीने अनेक प्रकार के प्रतिबंधों के बीच हमें गुजारा करना पड़ा है। लेकिन फिट इंडिया मूवमेंट ने अपने प्रभाव और प्रासंगिकता को इस कोरोना काल में सिद्ध करके दिखाया है। वाकई, फिट रहना उतना मुश्किल काम नहीं है जितना कुछ लोगों को लगता है।

थोड़े से नियम से और थोड़े से परिश्रम से आप हमेशा स्वस्थ रह सकते हैं। फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज इस मंत्र में सभी का स्वास्थ्य और सभी का सुख छिपा हुआ है। फिर चाहे योग हो या बैडमिंटन, टेनिस हो या फुटबाल, कराटे हो या कबड्डी, जो भी आपको पसंद आए, कम से कम 30 मिनट रोज़ कीजिये। अभी हमने देखा, युवा मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय ने मिलकर फिटनेस प्रोटोकॉल भी जारी किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश को प्रेरणा देनेवाले ऐसे सात महानुभावों का भी मैं विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि आपने समय निकाला और आपके खुद के अनुभवों को बताया। आपने फ़िट्नेस के भिन्न-भिन्न आयामों पर खुद के जो अपने अनुभव शेयर किए वो निश्चित रूप से देश की हर पीढ़ी को बहुत ही लाभकारी होंगे, ऐसा मुझे लगता है। आज की यह चर्चा हर आयु वर्ग के लिए और भिन्न- भिन्न रूचि रखने वालों के लिए भी बहुत ही उपयोगी होगी। फिट इंडिया मूवमेंट की पहली वर्षगांठ पर मैं सभी देशवासियों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

वाह री सरकार,आसान कर दिया अत्याचार : प्रियंका

लखनऊ (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद में मंजूर किये गये तीन श्रम सुधार विधेयकों पर तंज कसते हुये इसे नौकरी पर कुठाराघात करार दिया। श्रीमती वाड्रा ने गुरूवार को ट्वीट कर कहा कि इस कठिन समय की मांग है कि किसी की नौकरी न जाए। सबकी आजीविका सुरक्षित रहे। भाजपा सरकार की प्राथमिकता देखिए। भाजपा सरकार अब ऐसा कानून लाई है जिसमें कर्मचारियों को नौकरी से निकालना आसान हो गया है।

उन्होनें लिखा वाह री सरकार आसान कर दिया अत्याचार। गौरतलब है कि राज्यसभा ने श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों को मजबूत करने वाले सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 और उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता, विधेयक 2020 बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ इन तीन विधेयकों पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी है।

विश्व में कोरोना से 9.75 लाख की मौत, 3.17 करोड़ संक्रमित

वार्ता ◄ वाशिंगटन /रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से अब तक लगभग 9.75 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि लगभग 3.17 करोड़ लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,17,79,835 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,75,104 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 69,33,548 पर पहुंच गयी है और अब तक 2,01,884 लोगों की जान जा चुकी है।

भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के 86,508 नये मामले दर्ज किये गये और इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या 57,32,519 हो गयी। वहीं इस दौरान इस जानलेवा विषाणु के कारण 1129 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 91,149 तक पहुंच गया। ब्राजील में अब तक 45,91,364 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,38,105 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 11,17,487 पहुंच गई हैं तथा 19,720 लोगों ने जान गंवाई है। कोलंबिया ने कोरोना से प्रभावित होने के मामले में पेरू के पीछे छोड़ दिया है। यहां पर इस जानलेवा विषाणु से अब तक 7,84,268 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 24,746 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,76,546 लोग संक्रमित हुए हैं और 31,568 लोगों की मौत हो चुकी है। मेक्सिको में कोरोना से अब तक 7,10,049 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 74,949 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन दक्षिण अफ्रीका को कोरोना संक्रमितों की संख्या में पीछे छोड़कर आठवें स्थान पर आ गया है जहां यह संख्या 6,93,556 पर पहुंच गई है। इस वायरस से मरने वालों की संख्या 31,034 हो गयी हैं।

किसानों को विश्वास में लेना चाहिये था : मायावती

लखनऊ (वार्ता)। संसद में बुधवार को सम्पन्न मानसून सत्र के दौरान पारित कृषि संबंधी विधेयकों पर टिप्पणी करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि केन्द्र सरकार को किसानो को विश्वास में लेकर कोई फैसला करना चाहिये था। मायावती ने गुरूवार को ट्वीट किया कि जैसा कि विदित है कि बीएसपी ने यूपी में अपनी सरकार के दौरान कृषि से जुड़े अनेकों मामलों में किसानों की कई पंचायतें बुलाकर उनसे समुचित विचार-विमर्श करने के बाद ही उनके हितों में फैसले लिए थे। यदि केन्द्र सरकार भी किसानों को विश्वास में लेकर ही निर्णय लेती तो यह बेहतर होता। गौरतलब है कि केन्द्र ने मानसून सत्र के दौरान दो बिल संसद से पारित हुये जिनमे से एक कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020, और दूसरा कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर क़रार विधेयक, 2020 है।

18 सितंबर को बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का टोटल मार्केट कैप 159 लाख करोड़ रुपए था

शेयर बाजार में हाहाकार सेंसेक्स 1,115 अंक लुढ़का

वार्ता ◄ मुंबई
www.dailypioneer.com

कोविड-19 के बढ़ते मामलों और अर्थव्यवस्था में जल्द सुधार की उम्मीद धूमिल पड़ने से दुनिया के तमाम शेयर बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों में भी आज भारी गिरावट देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 1,115 अंक तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 326 अंक का गोता लगाता हुआ 10 सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुआ।

चौतरफा बिकवाली के बीच शेयर बाजार में तीन महीने से अधिक की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। लगातार छठे दिन लुढ़कता हुआ सेंसेक्स 1,114.82 अंक यानी 2.96 प्रतिशत की गिरावट में 36,553.60 अंक पर बंद हुआ जो 16 जुलाई के बाद का निचला स्तर है। निफ्टी 326.30 अंक यानी 2.93 प्रतिशत टूटकर

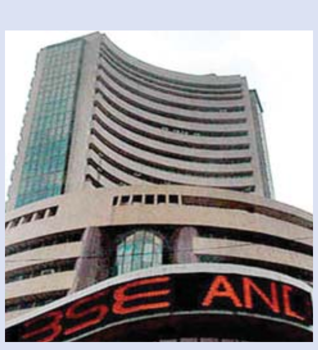

10,805.55 अंक पर रहा। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों में मई के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशक बिकवाल रहे। बीएसई का मिडकैप 2.14 प्रतिशत लुढ़ककर 13,933.21 अंक पर और स्मॉलकैप 2.28 फीसदी टूटकर 14,168.28 अंक पर बंद हुआ।

हिंदुस्तान यूनिलिवर को छोड़कर सेंसेक्स की शेष सभी कंपनियाँ गिरावट में रहीं। इंडसइंड बैंक का शेयर सात प्रतिशत, बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा का छह प्रतिशत तथा टेक महिंद्रा और टीसीएस का शेयर पाँच प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया।

आईटी और टेक समूहों के सूचकांकों में चार प्रतिशत से अधिक क गिरावट रही। ऑटो, बैंकिंग, धातु और रियलिटी समूहों के सूचकांक भी तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे। विदेशी शेयर बाजारों में भी चौतरफा गिरावट रही। एशिया में दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.59 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.82 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.72 प्रतिशत और जापान का निक्केई 1.11 प्रतिशत टूट गया। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.50 फीसदी और जर्मनी का डैक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क गया।

बुधवार को बाजार का हाल

इससे पहले बुधवार को बीएसई 65.66 अंक नीचे 37,668.42 पर और निफ्टी 21.80 अंकों की गिरावट के साथ 11,131.85 पर बंद हुआ था। कल बाजार में मेटल, फार्मा और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली रही थी। एसपी ग्रुप और टाटा समूह में अलगाव की खबर के चलते टीसीएस का शेयर 2 फीसदी और टाटा स्टील का शेयर 3 फीसदी नीचे बंद हुआ था। निफ्टी में भारती एयरटेल और भारती इंफ्राटेल का शेयर 8-8 फीसदी नीचे गिरकर बंद हुआ था।

दुनियाभर के बाजारों में रही गिरावट

बुधवार को ग्लोबल मार्केट में गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी बाजार डाउ जोंस 1.92 फीसदी गिरावट के साथ 525.05 अंक नीचे 26,763.10 पर बंद हुआ था। वहीं, नैस्डैक भी 3.16 फीसदी की टूटकर 353.04 अंक नीचे 10,833.30 पर बंद हुआ था। दूसरी तरफ, एसएंडपी 2.37 फीसदी गिरकर 78.65 पॉइंट नीचे 3,236.92 के स्तर पर बंद हुआ था।

एशियाई बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। चीन का शंघाई कंपोजिट 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ 49.59 अंक नीचे 3230.12 के स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि यूरोपियन शेयर मार्केट ब?त के साथ बंद हुए। यूके, जर्मनी, फ्रांस और रूस का शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुए थे।

स्ट्रीट वेंडर्स को ब्याज मुक्त कर्ज के साथ ही परिचय पत्र भी मिलेंगे : शिवराज सिंह

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश के ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर्स के व्यवसाय को मजबूत आधार देने के लिए उन्हें 10 हजार रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज देने की योजना अमल में लाई गयी है। ये सभी अपना कार्य सम्मानजनक ढंग से कर सकें, इसलिए इन सभी को परिचय पत्र प्रदान किए जाएंगे।

श्री चौहान आज यहां मिंटो हाल में ग्रामीण लघु व्यवसायियों (स्ट्रीट वेंडर्स) के ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का प्रसारण पूरे प्रदेश में किया गया। विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यमों से भी लाखों लोग कार्यक्रम से लाइव जुड़े। इस अवसर पर श्री चौहान हितग्राहियों से संवाद किया। इस

मौके पर मुख्यमंत्री ने पथ विक्रेताओं से कहा कि आपकी मेहनत पर विश्वास है इसलिए वे ऋण की गारंटी ले रहे हैं और इस ऋण का ब्याज भी सरकार ही चुकायेगी। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियों को छोटे व्यवसायियों का व्यवसाय छीनने नहीं देंगे। श्री चौहान ने कहा कि हमारे सब्जी और फल बेचने वाले, चाट की दुकान लगाने वाले, पान की दुकान चलाने वाले, मनिहारी की छोटी दुकान चलाने वाले, मोची, नाई, धोबी और अन्य इसी तरह के कार्य करने वाले लघु व्यवसायी कोविड-19 के कारण आर्थिक दिक्कतों में थे। इनकी समस्याएं इस योजना से हल करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने जुलाई माह में योजना की रूपरेखा बनायी। सिर्फ ढाई माह की अवधि में आज प्रदेश के 20 हजार ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को ऋण राशि मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से मध्यप्रदेश के स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर हो रहे हैं। प्रदेश में 16 सितम्बर से विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए गरीब कल्याण सप्ताह में कार्यक्रम हो रहे हैं। इसके अंतर्गत आज रेहड़ी पटरी वालों को सौगात मिल रही है। प्रदेश के 20 ह?ार हितग्राहियों को यह सौगात मिल रही है जिसमें लाभार्थियों को 10 हजार का ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की गयी है।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने लिखा केन्द्रीय वित्त मंत्री को पत्र

बीमा कंपनियां कोरोना पीड़ितों को नहीं दे रही बीमा की राशि, छग में बीमा कंपनियों की मनमानी से जनता बेहाल

- बीमा नियामक कंपनी इरडा के निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन
- लॉकडाउन के बाद ऐसे बीमा कंपनियों के कार्यालयों में होगी तालाबंदी

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य में कोरोना का कहर अपने चरम पर है, ऐसे में आपातकाल में मदद की आश लिए एक-एक पैसा जोड़कर बीमा कराने वाली जनता अब अपने ही पैसों के लिए तरस रही हैं। बीमा नियामक कंपनी इरडा ने पहले ही निर्देश जारी कर दिया है कि कोरोना को मेडिक्लेम में शामिल किया जाए। बावजूद इसके छत्तीसगढ़ में कार्यरत बीमा कंपनियां मनमानी कर रही हैं और कोरोना पीड़ितों को इस विकट परिस्थितियों में उनका मेडिक्लेम नहीं दे रही है। विकट परिस्थितियों में अपने ही पैसों के लिए तरस रही जनता को उनके हाल पर छोड़कर बीमा कंपनियों ने अपने-अपने कार्यालयों में ताला लगा दिया है। इस बात को लेकर केन्द्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की गई है।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा कोरोना संक्रमण से पीड़ित मरीजों को जरूरत के वक्त मेडिक्लेम न देकर कई बीमा कंपनियां बीमा नियामक कंपनी इरडा के निर्देशों का खुला उलंघन कर रही है। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेज कर ऐसे बीमा कंपनियों पर कार्यवाही करने का आग्रह किया है। विकास उपाध्याय ने बताया बीमा नियामक कंपनी इरडा ने सभी बीमा कंपनियों को इस बाबत निर्देश दिया है कि वे मेडिक्लेम में कोरोना महामारी को भी शामिल करें। इसके बाद सभी कंपनियों ने हेल्थ इंश्योरेंस में इसे शामिल किया है,पर इसका फायदा मिल नहीं रहा है। विकास ने कहा लॉकडाउन के बाद ऐसे बीमा कंपनियों के दफ्तरों में तालाबंदी की जाएगी। विकास उपाध्याय ने जारी बयान में कहा अगर कोरोना मरीज प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होता है तो उसकी इंश्योरेंस पॉलिसी को देखते हुए उसके कैशलेस इलाज का खर्च बीमा कंपनी उठाएगी। लेकिन उसे उतना ही पैसा मिलेगा, जितना उसकी इंश्योरेंस पॉलिसी के अनुसार तय होगा। बावजूद बीमा कंपनियां जरूरत के वक्त पीड़ितों के साथ धोखा कर सही वक्त में पैसा न दे कर पीड़ितों को परेशानी में डाल दी हैं। बीमा कंपनियों द्वारा पीड़ितों को ये कहा जा रहा है कि आप अभी खुद इसका भुगतान कर दो बाद में कंपनी से मिल जाएगा। विकास उपाध्याय ने कहा बीमा इसलिए किया जाता है कि पीड़ित को किसी तरह का नगद अधिभार न पड़े। लेकिन आर्थिक स्थिति से गुजर रहे पीड़ितों के साथ ऐसा कर बीमा कंपनियां धोखा कर रही हैं। विकास उपाध्याय ने ऐसे बीमा कंपनियों के खिलाफ शख्स कार्यवाही करने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेज कर कहा है कि बीमा कंपनियां कोरोना काल में संक्रमित पीड़ितों के साथ धोखा कर रहे हैं। इस हेतु स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किया जाए।उन्होंने कहा बीमा के शर्तों में जो नियम व दिशा निर्देश है, उसमें बीमा धारक को हेल्थ इंश्योरेंस का फायदा उठाने के लिए अस्पताल में कम से कम 24 घंटे भर्ती होना जरूरी है और ऐसे अधिकांश मरीज हैं जो 3-5 दिन तक अस्पताल में भर्ती हैं। जिनका लाखों का बिल बन रहा है पर बीमा कंपनी क्लेम नहीं दे रही है। विकास ने कहा ऐसे भी एक ही परिवार के शख्स हैं जो कोरोना पॉजिटिव पाये जा रहे हैं लेकिन अस्पताल में भर्ती होने के बजाय घर पर इलाज करवा रहे है, जो ईमानदारी से हेल्थ इंश्योरेंस के नियमों का पालन कर कोई क्लेम भी नहीं कर रहे हैं,पर जो सदस्य इसका हकदार है, उसे भी इससे बाहर किया जा रहा है। विकास उपाध्याय ने कहा पीड़ित के सबसे ज्यादा खर्चे नॉन-मेडिकल चीजों के होते हैं। ऐसी करीब 200 चीजें हैं जो हेल्थ इंश्योरेंस में शामिल नहीं हैं। इसका पैसा मरीज को देना पड़ता है। इनमें कंघा, बेबी फूड, फुट कवर, टूथपेस्ट, टूथ ब्रश, टीवी चार्ज, इंटरनेट चार्ज आदि शामिल हैं।

कोरोना के इलाज के दौरान बिल में पीपीई किट, ग्लव्स, मास्क, चादर, कंबल आदि भी नॉन-मेडिकल चीजों में शामिल होते हैं और इसका खर्च मरीज को खुद उठाना पड़ता है। ऐसे में बीमा कंपनियां उनके हक के पैसे को भी समय पर नहीं देगी तो मरीज के परिजन क्या करेंगे। उन्होंने कहा हाल में इरडा ने एक बयान जारी कर हेल्थ इंश्योरेंस जारी करने वाली कंपनियों से कहा है कि वे पीपीई किट के खर्चे को भी हेल्थ इंश्योरेंस में शामिल करें। परन्तु बीमा कंपनियां ऐसा नहीं कर नियमों का खुला उलंघन कर रही हैं।

लॉकडाउन में व्यवस्था देखने निकले मंत्री रविन्द्र चौबे

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी रायपुर सहित जिले में जारी लॉकडाउन का जायजा लेने आज खुद मंत्री रविन्द्र चौबे शहर भ्रमण पर निकले। इस दौरान शहर की जनता द्वारा लॉकडाउन को लेकर बरती जा रही सावधानियों को देख मंत्री श्री चौबे ने कहा कि लॉकडाउन को सफल बनाने में जनता भी अपना सहयोग दे रही है, इसके लिए वे सभी का आभार जताते हैं।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे आज दोपहर शहर भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने लॉकडाउन का प्रत्यक्ष जायजा लिया और शहर में पुलिस के चाक-चौबंद व्यवस्था को देख प्रसन्नता जाहिर की। श्री चौबे अपने शासकीय निवास से निकलकर अनुपम नगर चौक, लोधीपारा चौक से होते हुए पंडरी चौक, फाफाडीह चौक, शास्त्री चौक, एसआरपी चौक तक गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से संक्षिप्त चर्चा करते हुए कहा कि शहर में जिस तरीके से व्यवस्था बनाई गई है। इसके लिए जिला प्रशासन के साथ ही पुलिस प्रशासन बधाई के पात्र हैं। शहर की जनता भी लॉकडाउन को सफल बनाने में अपना सहयोग दे रहे हैं। व्यापारी वर्ग भी अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखते हुए इस लॉकडाउन को सफल बनाने अमूल्य सहयोग दे रहे हैं। इसके लिए वे सभी का आभार जताते हैं।

उन्होंने संसदीय सचिव विकास उपाध्याय के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्री उपाध्याय ने जिस तरह से लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की है और वे लगातार सक्रिय हैं, निश्चित रूप से वे भी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जारी जंग में सहयोग देने वाले सभी सामाजिक संगठनों का भी आभार जताया है।

डॉ. तृप्ति नगरिया बनाई गई सिम्स की प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. पात्रा भेजे गए मेकाहारा

रायपुर। कोरोना संक्रमणकाल में चिकित्सा सुविधा को दुरूस्त करने एक और फेरबदल आज किया गया है। राज्य शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मेडिकल कॉलेजों में पदस्थ प्राध्यापकों का नया तबादला और पदस्थापना आदेश जारी किया है। सिम्स में संचालक सह प्राध्यापक के पद पर पदस्थ डॉ पीके पात्रा को मेकाहारा भेजा गया है। मेकाहारा में पदस्थ प्रसूति एवं स्त्री रोग की प्राध्यापक डॉ कुमारी तृप्ति नगरिया को सिम्स बिलासपुर का प्रभारी अधिष्ठाता बनाया गया है। वहीं अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में पदस्थ डॉ रमेश मूर्ति को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज का प्रभारी अधिष्ठाता नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही डॉ पीके निगम का अंबिकापुर तबादला निरस्त कर दिया गया है वे पहले की भांति मेकाहारा में अपनी सेवाएं देते रहेंगे।

डॉ. आदिले की संविदा नियुक्ति समाप्त दुष्कर्म व दवा खरीदी में गड़बडी के लगे थे आरोप

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

सामान्य प्रशासन विभाग ने आज डॉ. एसएल आदिले का सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया है।

बता दें कि डॉ. एसएल आदिले पर पिछले महीने एक नर्सिंग काउंसलर ने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए महिला थाने में शिकायत की थी। महिला काउंसलर की शिकायत के बाद मामले में एफआइआर दर्ज की गई थी। एफआइआर दर्ज होने के बाद से ही डॉ.आदिले मोबाइल फोन बंदकर शंकर नगर स्थित घर से गायब हो गए थे।पीड़ित महिला का आरोप है कि परीक्षा को लेकर उनका साल 2017 में डॉ.आदिले से संपर्क हुआ था। इस दौरान जब एक बार वह वर्ष जनवरी 2018 में किसी काम से रायपुर आई, तब डॉ.आदिले को कॉल किया था। इसके बाद डॉ. आदिले ने उसे स्कूटी पर बैठाकर अपने घर ले गए थे, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया।इसके अलावा डॉ. एसएल आदिले के खिलाफ दवा खरीदी के मामले में 95 लाख रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। उसके बाद स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने जांच के आदेश दिए थे। आदेशानुसार तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है जो फाइल खंगालने में जुट गई है।

राजधानी पुलिस को मिली बड़ी सफलता, आईपीएल सट्टा के 7 मास्टर माइंड सटोरिये गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। आपको बता दे कि ढ्ढक्क सट्टा के 7 मास्टर माइंड सटोरिये को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।मामले की पूरी जानकारी देते हुए साइबर सेल प्रभारी रमाकांत साहू ने बताया कि जगदीश होटल में 2 दिन पूर्व की गई छापेमारी कार्रवाई में कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जिनसे पूछताछ पर पाया गया कि कान्हा मंडला मध्यप्रदेश से इस पूरे सट्टे के खेल का संचालन किया जा रहा है जिसके बाद लगातार पुलिस सटोरियों के मोबाइल ट्रैक कर उन्हें कान्हा में दबोचने की तैयारी में थी परंतु पुलिस को पता चला कि सटोरी अब घूम घूम कर कार में सट्टे का संचालन कर रहे हैं।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लॉक डाउन होने की वजह से होटल में उन्हें कमरा नहीं मिला व सुरक्षित स्थान नहीं मिलने की वजह से उन्होंने कार में घूम-घूम कर लाइन लेकर सट्टे का संचालन चालू किया था। आरोपी के पास से कुल 22 हड़ार नगदी, 2 लैपटॉप,19 नग मोबाइल व 11 करोड़ से अधिक का सट्टा-पट्टी जब्त किया गया है।

यह पूरी कार्रवाई एसएसपी रायपुर अजय यादव की मार्गदर्शन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पाटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम अभिषेक महेश्वरी व साइबर सेल प्रभारी रमाकांत साहू के नेतृत्व में संपन्न की गई। आरोपियों को तेलीबांधा चौक के पास से कार में सट्टा खिलाते गिरफ्तार किया गया जहां सभी मुंबई कोलकाता के मैच का संचालन हाईटेक तरीके से कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी गौरव सबरवाल, छोटे देवांगन, महेंद्र देवांगन, मोहम्मद रईस, रितेश गोविंदानी, जितेश प्रेमचंदानी, जगजीत सिंह।

ग्रामोद्योग के उत्पाद अब राष्ट्रीय स्तर पर होंगे उपलब्ध : मंत्री गुरु रुद्रकुमार

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार के मार्गदर्शन में अब ग्रामोद्योग के उत्पाद राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने विभागीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामोद्योग की सामग्रियों को राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रामोद्योग विभाग के छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा संघ और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा ट्रायबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्रायफेड) के साथ एमओयू किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक उत्पाद को राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध होगा और प्रदेश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बुनकरों तथा हस्तशिल्पियों को नियमित रोजगार भी मिलेगा।

ग्रामोदय संचालक सुधाकर खलखो ने बताया कि भारत सरकार के उपक्रम ट्रायफेड द्वारा देश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति बुनकरों तथा हस्तशिल्पियों द्वारा उत्पादित सामग्रियों की बिक्री राष्ट्रीय स्तर पर देश के सभी प्रमुख शहरों में स्थित 'ट्राइब्स ऑफइंडिया' शो रूम में की जाती है।

बेजोड़ और बेरोक - न्यू लैंड रोवर डिफेंडर भारत में 15 अक्टूबर को लॉन्च होगी

- भारत में न्यू लैंड रोवर डिफेंडर के आगमन को यादगार बनाने के लिये एक अत्यंत संलग्नतापूर्ण डिजिटल लॉन्च इवेंट आयोजित करने की योजना है

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज घोषणा की है कि आइकॉनिक न्यू लैंड रोवर डिफेंडर को भारत में 15 अक्टूबर, 2020 को शाम 7ञ्30 बजे एक अनूठे डिजिटल लॉन्च इवेंट में लॉन्च किया जाएगा। यह इवेंट मीडिया के सदस्यों, लैंड रोवर के ग्राहकों और इस ब्राण्ड के प्रशंसकों और प्रेमियों के लिये खुला रहेगा।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया लिमिटेड (जेएलआरआईएल) के प्रेसिडेन्ट और मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित सूरी ने कहा, ''हमने भारत में साल 2009 में प्रवेश किया था, जिसके बाद आइकॉनिक न्यू डिफेंडर को पहली बार भारत में लाना लैंड रोवर के लिये गर्व का क्षण होगा। यह भारत के समग्र ऑटो उद्योग के लिये भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी, जो ऐसे वाहन के लॉन्च का गवाह बनेगा, जिसकी दुनियाभर में धाक है। उसी धाक के अनुसार भारत में इसके आगमन को यादगार बनाने के लिये एक संलग्नतापूर्ण डिजिटल लॉन्च इवेंट की योजना है।''

मैट्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिज़नेस स्टडीज ने ऑनलाइन छात्रों के लिए प्रतिभा प्रबंधन पर ऑनलाइन इंटर एक्टिव सत्र का आयोजन किया

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

आज मैट्स यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज ने टैलेंट मैनेजमेंट पर एक ऑनलाइन इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया और कैसे मैट्स यूनिवर्सिटी के सभी सेमेस्टर के छात्र जीवन में सफल हो सकते हैं सत्र श्री दिलीप मोहंती- President (HRM) नेको जायसवाल इंडस्ट्रीज रायपुर द्वारा लिया गया।

सत्र में विशेषज्ञ वक्ता ने सभी प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला कि कैसे एक युवा अपनी प्रतिभा का प्रबंधन कर सकता है और वे सफलता के लिए अपने प्रयासों को कैसे निखार कर सकते हैं, स्पीकर ने छात्रों को मानसिक प्रेरणा के लिए नैतिक कहानियां सुनाई और बड़ी प्रसिद्ध हस्तियों के विभिन्न जीवंत उदाहरणों पर प्रकाश डाला कैसे उन्होंने संघर्ष की शुरुआत और सफल हो गए और उन्होंने अपने मूल्यवान अनुभवों को भी साझा किया

सत्र की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ उमेश गुप्ता ने की और कुलाधिपति मैट्स यूनिवर्सिटी श्री गजराज पगारिया, ऊप कुलपति डॉ.दीपिका ढांड,महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया और कुलसचिव श्री गोकुलानंद पंडा ने आभार व्यक्त किया और विभाग को इंटरएक्टिव सत्र आयोजित करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

सत्र में विभिन्न विभागों के सभी संकाय के प्राध्यापकों के साथ-साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के सभी छात्र उपस्थित थे और प्रश्नकाल सत्र के साथ वार्ता सत्र का समापन हुआ।

बस्तर की युवाशक्ति को मिला यूनिसेफ का साथ

'युवोदय' कार्यक्रम की सहायता के लिए बस्तर जिला प्रशासन और यूनिसेफ के बीच हुआ एमओयू

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

'युवोदय' कार्यक्रम के माध्यम से बस्तर के विकास में योगदान देने को आतुर युवा शक्ति को यूनिसेफ का साथ मिला। बस्तर में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद, आजीविका, कृषि और वनोपज, डिजीटल सामग्री व सूचना तकनीक, जल और स्वच्छता, पंचायती राज संस्थाएं और बाल संरक्षण व लिंग समानता के लिए कार्य करने वाले स्वयंसेवी युवाओं के सहयोग के लिए आज बस्तर जिला प्रशासन और यूनिसेफ के बीच करार किया गया।

बस्तर के विकास में सहयोग के इच्छुक युवाओं को युवोदय कार्यक्रम के माध्यम से मंच उपलब्ध कराने वाले बस्तर कलेक्टर और यूनिसेफ के छत्तीसगढ़ प्रमुख श्री जॉब जकारिया ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर यह करार किया। इसके साथ ही युवोदय के स्वयंसेवकों द्वारा निर्मित एक रैप थीम गीत भी जारी किया गया।उल्लेखनीय है कि युवोदय का उद्देश्य जिले के प्रत्येक गांव में आजीविका, पर्यावरण, संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और कोरोना की रोकथाम में युवा शक्ति की सहायता प्राप्त करना है। कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवकों को सामुदायिक सेवा के लिए कौशल विकास और प्रमाण पत्र के लिए प्रशिक्षण मिलेगा। कार्यक्रम में प्राप्त अनुभव व्यवसाय और उद्योग में उनकी रोजगार क्षमता को बेहतर बनाने में योगदान देगा।

बस्तर कलेक्टर ने कहा, ÷हमारे युवा वालिंटियर्स को उम्र के आधार पर परिभाषित नहीं किया गया है, उनके दिलों में जुनून है। ये ऐसे लोग हैं जो निस्वार्थ भाव से बस्तर के उज्ज्वल और गौरवशाली भविष्य के लिए अपना योगदान देना चाहते हैं। 'युवोदय' के साथ बस्तर सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए जाना जाएगा। यूनिसेफ की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञता 'युवोदय' वालंटियर्स को गांव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने में मदद करेगी।

यूनिसेफके छत्तीसगढ़ प्रमुख श्री जकारिया ने कहा, 'युवोदय एक अभिनव कार्यक्रम है जो देश के लिए एक मिसाल के तौर पर उभर सकता है, जिसका देश के अन्य राज्यों द्वारा अनुकरण किया जा सकता है। युवोदय की सफ्लता वालिंटियर्स के हाथों में है। उनकी प्रतिबद्धता इस पहल को विशिष्ट बनाती है। 'यूनिसेफके संचार विशेषज्ञ अभिषेक सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ने से एक बड़ी शक्ति का निर्माण होगा। सहायक कलेक्टर सुश्री रेना जमील द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर युवोदय कार्यक्रम से जुड़े वालिंटियर्स उपस्थित थे।

ऑनलाइन हिंदी सप्ताह समारोह

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

टेकारी स्थित कोलंबिया ग्लोबल स्कूल में ऑनलाइन हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हिंदी सप्ताह के अंतर्गत अंतर सदन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन तीन श्रेणियों में किया गया। कक्षा 1-2 और 3-5 सुलेख लेखन प्रतियोगिता तथा कक्षा 6-9 निबंध लेखन प्रतियोगिता। तीनों ही श्रेणियों में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह के साथ अपनी लेखन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लेखन प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रथम श्रेणी से कक्षा 1 से स्पार्टन हाउस की हर्षना भारती ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कक्षा 1 से ही सामुराई हाउस के निखिल ध्रुव और नाइट्स हाउस से अक्षत शाह ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय श्रेणी - कक्षा 3 से 5 में समुराई हाउस से कक्षा 3 की छात्रा मिहिका बग्गा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा सामुराईस हाउस से ही कक्षा 5 की आर्या मिश्रा और कक्षा 3 के चिराग कौशल ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

तृतीय श्रेणी कक्षा 6 से 9 में अंतर सदन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत नाइट्स हाउस की माही परगनिहा कक्षा 8 की छात्रा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वाइकिंग्स हाउस की कक्षा 8 की छात्रा साक्षी वर्मा को द्वितीय स्थान तथा तथा सामुराईस हाउस से कक्षा 9 के छात्र अमन साहू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार प्री प्राइमरी के लिए हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके परिणाम निम्नानुसार रहे- **नर्सरी*** - प्रथम - अंश राज, द्वितीय - साध्वी रहांगदले, तृतीय - प्राज्जवल साहू **केजी1*** - प्रथम - दिपाशी चंद्राकर, द्वितीय - ताविशी सोनी, तृतीय - समीक्षा वर्मा, **केजी2*** - प्रथम - आरुष साओ, द्वितीय - हिमाक्षी मेघानी।

शिक्षक पढ़ई तुंहर द्वार : कोरोना काल में भी छात्रों को घर बैठे मिल रही है विषयों की जानकारी

मोहल्ला क्लास एवं वर्चुअल कक्षाओं के माध्यम से छात्रों को पढ़ाने में जुटे शिक्षक

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोरोना के अभिशप्त ग्रहण से सम्पूर्ण सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक कार्यक्षेत्र से प्रभावित हैं, और कोरोना के इस बहुआयामी दुष्प्रभाव से शैक्षणिक क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा है। विदित हो कि कोरोना संक्रमण काल में सभी शैक्षणिक संस्थाएं, शालाएं बंद चल रही है या यूं कहा जा सकता है कि कोरोना संकट के चलते सभी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां 'आईसीयू' में पहुंच गई हैं। परन्तु ऐसी विकट परिस्थिति में बच्चों की शिक्षा को भी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता और इन्हीं नौनिहालों की भविष्य के मद्देनजर कोई न कोई रास्ता निकालना अब अपरिहार्य बन चुका है। सौभाग्य से नई संचार टेक्नोलॉजी की बदौलत अब किसी न किसी माध्यम से बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने में समर्थ है। इस क्रम में जिले के विभिन्न संकुलों में शिक्षकों द्वारा कई प्रकार के शैक्षणिक नवाचार भी किये जा रहे है।

ऐसे ही विकासखण्ड फरसगांव के ग्राम लंजोड़ा के कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षक अचिन्त्य मण्डल द्वारा भी बच्चों को एंड्रायड फोन के माध्यम से वर्चुअल कक्षाएं लेकर उन्हें अंग्रेजी विषय में पारंगत किया जा रहा है। शिक्षक अचिन्त्य मण्डल बताते है कि कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते पिछले 6 महीनो से शैक्षणिक गतिविधिया ठप्प चल रही है, तो इन परिस्थितियों में वर्चुअल क्लास एवं मोहल्ला कक्षायें ही एक मात्र विकल्प रह गया है, प्रारंभ में उन्होंने ग्राम चौपाल एवं हाट बाजार शेड में मोहल्ला क्लास लेने का प्रयास किया, परंतु ग्रामों में बढ़ते कोरोना संक्रमण की आशंका एवं छात्रों की अधिक संख्या को देखते हुए यह व्यवहारिक नही हो पाया, अन्ततः उन्होंने वर्चुअल कक्षाओं का संचालन उपयुक्त प्रतीत हुआ।

इस क्रम में माह जुलाई में उन्होने कक्षा 6वी से 8वी के छात्रों का सोशल मिडिया वॉटसएप ग्रुप बनाकर, ''सिस्को वेवेक्स'' लिंक के द्वारा अंग्रजी विषय को पढ़ाना शुरू किया इस सोशल मिडिया रुप में ग्राम लजोड़ा के अलावा ग्राम सिरपुर, जुगानी, जैतपुरी, सोड़मा, हाई स्कूल के छात्रों को भी कनेक्ट किया गया। इस वर्चुअल क्लास के संचालन में शुरुवात में कुछ दिक्कते भी आई जैसे कई छात्रों के एंड्रायड फोन उनके पालको पास थे। जो दिन भर अपने काम काज के सिलसिले में घर से बाहर रहते थे, ऐसे में वर्चुअल क्लासों का समय प्रबंधन नही हो पा रहा था। ऐसे छात्रों के लिए उनके पालको से चर्चा करके शाम का समय निर्धारण कर कक्षायें ली गई। 'सिस्को वेवेक्स' लिंक के बारे में उन्होंने बताया कि इस लिंक के माध्यम से छात्र विषय संबंधित जानकारी, प्रश्नोतरी, विषय के शंका समाधान भी कर सकते है।

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा नियमित ऑनलाईन कक्षाओं हेतु प्रशस्ति पत्र भी प्रदाय किया गया – यह बताना जरूरी होगा कि अचिन्त्य मण्डल को छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना महामारी के समय छात्रों की अनवरत पढ़ाई जारी रखने में स्वेच्छिक रूप से भागीदारी निभाने के लिए एवं नियमित ऑनलाईन कक्षाओं हेतु प्रशस्ति पत्र भी प्रदाय किया गया है। इस संबंध में श्री मण्डल का मानना है कि कोरोना संकट काल में भले ही स्कूल कॉलेज बंद है परंतु छात्रों तक शिक्षा की पहुँच होनी चाहिए चाहे वह मोहल्ला क्लास हो या फिर वर्चुअल कक्षा ऐसे में हर शिक्षक का यह गंभीर उत्तरदायित्व है कि वे अपने छात्रो के संपर्क में रह कर उनकी शिक्षा संबंधी हर जिज्ञासा का संमाधान तत्परता पूर्वक करे क्योंकि यह हर बच्चे के भविष्य का सवाल है और तो और शासन द्वारा भी इसमें निरंतर सहयोग किया जा रहा है छात्रों के संपर्क में रह कर ही हम शाला के शिक्षा वातावरण को बरकरार रख सकते है। कुल मिला कर यही कहा जा सकता है कि अचिन्त्य मण्डल जैसे शिक्षकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा देने की यह पहल सराहनीय होने के साथ साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा है।

अंगेजी ग्रामर का विडियों बनाकर 'यूट्यूब' में किया अपलोड

अधिक से अधिक छात्रों को वर्चुअल क्लासों से जोड़ने के अपने प्रयासो में तेजी लाने के क्रम में शिक्षक अचिन्त्य मण्डल ने 'यूट्यूब' के माध्यम से अपने विषय संबंधित विडियो को अपलोड करना शुरू कर दिया इसका कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि चूकिं कही कही शालाओं में विडियो अपलोड नही हो पा रहा था जबकी 'यूट्यूब' में अपलोड करने में आसानी हो रही थी। और विशेष बात यह रही कि इन विडियों को जिला कवर्धा एवं राजनान्दगांव जिलों में उनके द्वारा पूर्व में पढ़ाये गए, छात्रों ने भी देखा और उन्हें प्रोत्साहित किया इस प्रतिसाद के कारण उन्होंने इंगलिश ग्रामर के अलग अलग चैप्टर की व्याख्यात्मक जानकारी विडियों के माध्यम से अपलोड किया इस प्रकार इन विडियों शिक्षा के माध्यम से लगभग 150 स्थानीय छात्र जुड़े हुए है। श्री अचिन्त्य न केवल प्रश्नोतरी के माध्यम से अपने छात्रों से जुड़े है बल्कि उनसे 'फीडबेक' लेते हुए अंग्रेजी के कठिन अध्यायों के संबंध में मार्गदर्शन बराबर देते है।

29 सितम्बर तक होगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन

बच्चों को खिलाई जाएगी कृमि नाशक गोली

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार जिले में 23 से 30 सितम्बर तक राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया है। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देश अनुसार जिले में 2.90 हजार बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम में 01 से 19 साल के बच्चों को आंगनबाड़ी, एवं मितानिन कार्यकताओं के माध्यम से एल्बेंडाजोल की गोली घर घर जाकर खिलाई जा रही है। ज्ञात हो कि घातक कोरोना महामारी को देखते हुए पूर्ण सतर्कता बरतते हुए राज्य शासन द्वारा बच्चों को गोली खिलाने के निर्देश दिये गये है। कृमि मुक्ति दिवस अभियान की शुरूवात 22 सितम्बर को स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा ऑनलाइन किया गया था।

इस क्रम में 23 सितम्बर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ टीआर कुंवर द्वारा नगर से लगे उपस्वास्थ्य केन्द्र जोन्दरापदर में विधिवत बच्चों को कृमि नाशक गोली खिलाकर अभियान का श्रीगणेश किया । इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का मुल उद्देश्य बच्चों में होने वाली खून की कमी (एनिमिया), कमजोरी, एवं कुपोषण की रोकथाम करना है, कृमि संक्रमण से बचाव के लिए शौचालय का उपयोग, व्यक्तिगत सफाई, स्वच्छ पेय जल का उपयोग, ढकी हुई खाने पीने की सामग्रियों का सेवन जरूरी है, इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस अभियान हेतु जिला स्तर एवं ब्लाक स्तर पर समस्त आवश्यक तैयारिया कर ली गई है।

बच्चों को कृमि दवाई खिलाकर दवाइयों का किया गया वितरण

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

राजापारा के नदीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में गुरवार को कृमिदिवस मनाया गया। जिसमें मुख्यअतिथि राजापारा पार्षद आनंद चौरसिया ने बच्चों को कृमि की दवा खिलाकर कृमिदिवस का शुभारंभ किया गया।

कृमि दिवस के अवसर पर राजापारा नदीपरा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका वार्ड के पार्षद आनंद चौरसिया मितानिन घर घर जाकर 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि नाशक दवाई खिलाकर बच्चों को कृम मुक्त आंगनबाड़ी बनाने का संकल्प लिया गया । कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शशि पटेल सहायिका नीतू यादव, वार्ड पार्षद आनंद चौरसिया, मितानिन सुनीता चौरसिया, एएनएम प्रमिला उपस्थिति थी।

383 पंचायतों के 1820 आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जा रहा राष्ट्रीय पोषण आहार माह

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिला के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में राष्ट्रीय पोषण आहार माह मनाया जा रहा है। जिसमें प्रतिदिन कार्ययोजना अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमें गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकन करना, गृह भेंट के दौरान गर्भवती माता, शिशुवती माता एवं कुपोषित बच्चे के माता-पिता एवं पालकों को खान-पान, साफ सफाई के बारे में जानकारी दी जा रही है, इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने 23 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों के घर- घर जाकर उन्हें कृमि नाशक गोली भी खिलाये है। पंचायत बैठक में कोविड-19 के संबंध में भी इनको जानकारी दी जा रही है, तथा मास्क लगाना, सैनिटाइज करना, सोशल डिस्टेंस का पालन करना भी इन्हें सिखाया जा रहा है, स्थानीय स्तर पर चयनित महिलाओं एवं बच्चों के लिए गतिविधियां भी कराई जा रही है, जिसमें महिलाएं एवं किशोरी बालिकाओं द्वारा साइकिल दौड़, रस्सा खिंच, प्रतियोगिता में भाग लिया जा रहा है, इस दौरान कृषक बैठक भी किया गया, प्रतियोगिता से पूर्व पोषण आहार संबंधित संवाद किया गया, जिसमें तिरंगा भोजन खाने की सलाह दी गई, साथ ही रेडी टू ईट से बने व्यंजन की प्रदर्शनी लगाई गई, एवं उपस्थित महिलाओं के द्वारा इस संबंध में बताया गया।

स्वास्थ्य एवं पोषण तथा स्वच्छता के बारे में दे रहे जानकारी : ईमरान अख्तर

महिला एवं बाल विकास विभाग कोंडागांव के परियोजना अधिकारी मोहम्मद इमरान अख्तर ने बताया कि कोंडागांव जिला के 383 पंचायतों के 1820 आंगनबाड़ी केंद्रों में मनाया जा रहा है, और जिस गांव में आंगनबाड़ी केंद्र नही खुल पा रहे है, तो घर घर जाकर गृहभेंट या अन्य माध्यम से कार्यक्रम पूरा करवाया जा रहा है। इस दौरान नारा लेखन, रंगोली, चित्रकला निबंध प्रतियोगिता किशोर बालिकाओं के मध्य कराया जा रहा है, पोषण वाटिका निर्माण करवाकर साग सब्जी लगवाये गए।

स्पीड पोस्ट के बजाय संकलन केंद्र बनाकर हो उत्तरपुस्तिका का संकलन : एबीवीपी

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नारायणपुर द्वारा पीजी कॉलेज में कुलपति के नाम से ज्ञापन एवं जिलाधीश को मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन में सौंपा गया । बस्तर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष व अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षाओं तथा प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के वैकल्पिक असाइनमेंट आदि की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है इसके तहत विद्यार्थियों को पूछे गए प्रश्नों के उत्तर घर पर ही अपने सुविधानुसार ए 4 साइज के कागज पर ही लिखकर उत्तरपुस्तिकाओं को स्पीड पोस्ट के माध्यम से महाविद्यालय को प्रेषित करना है ।

इस व्यवस्था की प्रमुख कमी यह है कि ग्रामीण परिवेश के डाक घरों में स्पीड पोस्ट की सुविधा नही है, जिससे विद्यार्थियों को ऐसे डाकघरों तक जाना पड़ेगा जो स्पीड पोस्ट हब है इससे इन डाकघरों में वैसे ही भीड़ होगी जैसी परीक्षा केंद्रों में उत्तरपुस्तिका के समय हुई थी इसके अतिरिक्त स्पीड पोस्ट महंगी अपेक्षाकृत महंगी सुविधा है जिससे विद्यार्थियों को कोरोना संकट काल मे अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ेगा अतः स्पीड पोस्ट से उत्तरपुस्तिका एकत्रित करना एक सही व्यवस्था सिद्ध नही होगी , ह्रद्धक विश्वविद्यालय प्रसासन एवं राज्यसरकार को यह सुझाव देना चाहती है स्पीड पोस्ट के स्थान पर उत्तरपुस्तिकाओ के संकलार्थ प्रत्येक महाविद्यालय व शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को संकलन केंद्र बनाया जा सकता है विद्यार्थी अपने निकटम किसी भी संकलन केंद्र में जमा कर सकेगा इस व्यवस्था से विद्यार्थियों पर ना तो आर्थिक बोझ पड़ेगा न तो एक स्थान पर भीड़ बढ़ने की स्थिति निर्मित होगी ज्ञापन सौंपने में प्रमुख रूप से जिला संयोजक सूरज साहू, नगर मंत्री धनेन्द्रमणी निषाद, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश वर्मा, नरेंद्र शोरी, लिपिन्द्र बेलसरिया, गुनेश चक्रधारी, तरण कुमार, दीपेंद्र राणा, आसाम यादव, रतन यादव, संपत पटेल,संजय कुलदीप अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

शराब से भरा मेटाडोर अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराया

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

बीती रात तकरीबन 3:30 बजे के आसपास नेशनल हाइवे 30 पर स्थित ग्राम नथिया नवागॉव के करीब अपना ढाबा के पास रायपुर की ओर से बचेली जा रही आईसर वाहन सीजी 04 एल डब्ल्यू 1067 तथा सामने से आ रही ट्रक ने आइसर वाहन को पीछे से टक्कर मार दी । जिससे आइसर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई । रात में पेट्रोलिंग वाहन को सूचना मिलते ही मौके पर पहुचकर घायल ट्रक चालक व हेल्पर को गम्भीर चोट के चलते जिला अस्पताल लाया गया । जहां उनका इलाज जारी है।

यातायात पुलिस प्रभारी रोशन कौशिक ने बताया की 24 सितंबर की दरमियानी रात तकरीबन साढ़े तीन बजे के आसपास रायपुर से आइसर वाहन बचेली जा रही थी। जिसे साइड देने के चक्कर मे ट्रक ने पीछे से टक्कर से दोनों वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई । जिसके बाद उक्त दुर्घटना ग्रस्त वाहन के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो चुका था। पेट्रोलिंग वाहन को सूचना मिलते ही मौके पर आकर उक्त दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर दुर्घटना में घायल आइसर ड्राइवर हरीश निषाद 25 वर्ष निवासी रायपुर ट्रक चालक हेमंत धुर्व 24 वर्ष को पेट्रोलिंग वाहन की मदद से 108 को फोन लगाकर बेहतर इलाज् के लिए जिला अस्पताल रवाना किया गया। रात में ही दुर्घटनाग्रस्त वाहनो को हटाकर रास्ते को क्लियर किया गया। यातायात प्रभारी रोशन कुमार कौशिक ने बताया की रायपुर से बचेली जा रही आइसर वाहन की चेकिंग के दौरान अंग्रेजी शराब भरी हुई पाई गई । जिसके बाद उक्त वाहन और शराब को जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है।

लता उसेण्डी ने संविदा कर्मचारी को दिया समर्थन

कांग्रेस ने सरकार बनते ही एनएचएम संविदा कर्मचारी को 10 दिन में नियमतीकरण का वादा किया था उसे पुरा करे : लता उसेन्डी

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ एनएचएम के बेनर तले कोण्डागांव के स्वास्थ्य विभाग मे पदस्थ संविदा कर्मचारीयों के नियमतिकरण की मांग को लेकर अनिश्चीतकालीन हडताल पर हैद्य हडताल पर गये संविदा कर्मचारीयों के समर्थन में पूर्व मन्त्री लता उसेन्डी धरना स्थल पर जाकर धरना मे शामिल हुई।

पूर्व मंत्री लता उसेन्डी ने काग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस सरकार झुठे वादे कर सरकार मे आई है। चुनाव से पहले भूपेश बघेल जी ओर स्वास्थ्य मन्त्री टीएस बाबा ने सविन्दा कर्मचारी से मिटीन्ग कर वादा किया था। कि हमारी सरकार बनाने में सहयोग करे ओर हमारी सरकार बनेगी तो हम 10 दिन मे संविदा कर्मचारीयों को नियमित करेंगे। लेकिन आज सरकार बने 2 साल होने को है, और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल वादा तो दुर अब संविदा क6र्मचारी को धमका रहे है, स्वास्थ्य मंत्री टीएस बाबा के द्वारा सभी 13500 संविदा कर्मचारियों को निकालने कि धमकी तक दिया जा रहा है, ओर आदेश भी सीएमएचओ को जारी कर दिया गया है अगर काम पर नही लोटे तो हटा दिया जायेगा।

कोरोना काल में भी स्वास्थ्य कर्मी लगातार सेवा दे रहे है : पूर्व मंत्री लता उसेण्डी ने कहा इस कोरोना काल में स्वास्थ्य कर्मचारी लगातार अपनी सेवा दे रहे है। जो अपनी जान कि परवाह करे बिना चाहे घर घर जाकर टेस्ट कि बात हो, या असाल मे सेवा कि बात हो लगातार सेवा दे रहे है। उसके बाद भी सरकार इनकी नही सोच रही है, ओर तो ओर इन्हे निकालने मे लगी हुई है द्य प्रदेश काग्रेस अध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक मोहन मरकाम को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारीयों की बर्खास्तगी कि कार्यवाहि को जायज ठहरा रहे है, ओर कह रहे है कि उनकि नासमझी है जो कि गलत मानसिकता को दशाता है। विधायक मोहन मरकाम जब भाजपा कि सरकार थी तो मितानिन व स्वास्थ्यकर्मी के धरना स्थल में पहुच कर धरना मे शामील हो कर चिल्ला चिल्ला कर कहते थे, कि हमारी सरकार बनते ही सभी संविदा कर्मचारीयों को नियमित करेंगे। आज वही सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के आदेश को जायज बता रहे है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना भयावाह रुप ले चुका और सरकार के मंत्री चुप बैठे

आज कोरोना कि स्थिति छत्तीसगढ़ मे भयावाह रुप ले चुकी है सरकार के मन्त्री चुप बैठे है किसी का अता पता नही है कोन्डागाव कि स्थिति भी बहुत ही भयानक होते जा रही है मोहन मरकाम जी प्रदेश ने व्यस्थ है। कोन्डागाव में कोरोना महामारी रोज बढ़ रही है, जिसमें आय दिन जिला अस्पताल कि लापरवाही सामने आ रही है, लेकिन कोन्डागाव के विधायक मोहन मरकाम प्रदेश में व्यस्थ है, मरवाही चुनाव को लेकर मरवाही के दौरा मे लगे हुवे है, और कोन्डागाव कि जनता कि परेशानी को दरकिनार कर दिये है।

जिला अस्पताल में लगातार आ रही लापरवाही की शिकायतें

लता उसेण्डी ने साथ ही जिला अस्पताल पर भी बताया कि कोन्डागाव जिला अस्पताल मे लगातार लापरवाही समाचार पत्र के माध्यम से आ रही है, कि मरीज को सही खाना नही मिल पाना साफ-सफाई कि व्यवस्था नही, पानी कि व्यवस्था नही, कल ही बहुत बड़ी लापरवाही सामने आई है, जानकी यादव जो कि कोरोना पॉजिटिव थी, जो कि जिला अस्पताल मे एडमिट थी, उनके परिवार ने बताया कि 3 घण्टे तक कोई डाक्टर देखने तक नही आया और तो और उसे आक्सीजन सही समय मे नही दिया गया, जिससे उस महीला कि मोत हो गयी। जिला अस्पताल के स्टाफ़ ने भी कहा कि सही खाना नही मिल पाने से लगातार सेवा करने से स्टाफ़ भी कोरोना पाजीटीव हो रहा है।

टाऊन हाल कि स्थिति भी भयावह कोरोना जांच हो रही भीड़ भाड़ में

टाऊन हाल कि स्थिति भी भयावह है कोरोना कि जांच वही हो रही है, पूरे भीड भाड मे जिससे जो मरीज नेगेटिव भी है, तो उन्हे डर बना हुवा रहता है, कि कही पोजीटीव मरीज के टच मे आने से हमे भी कोरोना मत हो जाये । जिला अस्पताल मे डिस्चार्ज्ज मरीज को घर जाने के लिये घन्टो इन्तजार करना पड रहा है द्य मोहन मरकाम जी प्रदेश कि राजनीति को दुर कर कोन्डागाव कि जनता कि सोचे जिन्होंने आप पर विश्वास कर दूसरी बार विधानसभा मे भेजा है।

लॉक डाउन : 10 हजार लीटर दूध के ग्राहक नहीं

280 रुपए किलो वाला पनीर बेचा जा रहा 160 रुपए में

श्याम पुरोहित ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के पहले 280 रुपए किलो। लॉक डाउन के बाद 160 रुपए किलो। यह उस दूग्ध उत्पाद की कीमत है जिसे पनीर के नाम से जाना जाता है। कीमत एक झटके में इतना नीचे आ चुकी है तो इसकी वजह सिर्फ एक है कि होटल बंद है। रेस्टोरेंट्स में ताले लग चुके हैं तो स्वीट कॉर्नर को भी बंद रखने का ओफरमान है। रही सही कसर मिल्क बूथ के खुलने के समय में कटौती ने पूरी कर दी है क्योंकि ब्लाक में कुल उत्पादन में से लगभग 10 हजार लीटर दूध की मात्रा के लिए खरीददार नहीं है।

लॉक डाउन का दूसरा दिन। जो 3 व्यवसायिक संस्थाने कारोबार संचालन में छूट की पात्रता रखती हैं उनमें दूग्ध कारोबार तीसरा ऐसा क्षेत्र है जहां कीमत तो तय है लेकिन लॉकडाउन में सबसे ज्यादा असर के घेरे में आता है। बीते लॉकडाउन के दौर में दुर्गति झेल चुका यह कारोबार इस बार भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा है। दूग्ध उत्पादन में राज्य में अपनी अलग पहचान बना चुके बलौदा बाजार जिले में सबसे ज्यादा उत्पादन वाला भाटापारा ब्लॉक जिस तरह की स्थितियों का सामना कर रहा है उसके बाद असर दूग्ध उत्पाद की जमीन पर आ चली कीमतों के रूप में दिखाई देने लगा है।

ऐसा है बाजार

लॉकडाउन के बीच विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रहे डेयरियों में जो दूध बच रहा है उसकी कीमत तो स्थिर है लेकिन बन रही अन्य दूग्ध उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आ रही है। सबसे पहला असर पनीर पर पड़ा है जिसकी कीमत 160 रुपए किलो पर आ चुकी है। लॉकडाउन के पूर्व 280 रुपए की दर पर बेचा जा रहा था। दही बनाई तो जा रही है लेकिन ग्राहक नहीं है इसलिए इसे बतौर घी उत्पादन के लिए सुरक्षित रखा जा रहा है। चिंता बच रहे 10 हजार लीटर दूध की है जिसके बड़े खरीददार काउंटर बंद हो चुके हैं।

डेयरियों को प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्य रखने की जरूरत है। उत्पादन कम करने का फैसला भविष्य के लिए सही नहीं है। काउंटर का समय बढ़ाने की मांग करने की बजाय इस संकट काल में प्रशासन का सहयोग करें।

- डॉक्टर सी के पांडे, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं बलौदाबाजार

इसलिए जमीन पर

जिले में दूग्ध उत्पादन के मामले में वैसे तो हर ब्लॉक की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है लेकिन प्रतिदिन 65 हजार लीटर उत्पादन वाले जिले में कुल उत्पादन का लगभग 50 फ़ीसदी हिस्सा भाटापारा ब्लॉक के नाम पर दर्ज है। यहां से ना केवल दुर्ग रायपुर और बिलासपुर को आपूर्ति होती है बल्कि राज्य दूग्ध महासंघ को भी दूध बेचा जाता है लेकिन करोना कॉल में लॉकडाउन ने इस बाजार की हालत ख़राब करके रख दी है क्योंकि इन सभी खरीदी क्षेत्रों ने भी खरीदी की मात्रा सीमित कर दी है।

विकल्प को भी बाजार नहीं

जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामले के बाद 1 सप्ताह का लॉकडाउन तो लागू किया जा चुका है साथ ही दवा ,पेट्रोल पंप और दूग्ध कारोबार को छोड़कर सभी व्यापारिक संस्थानों में ताले लगाने के आदेश हो चुके हैं। मिल्क काउंटर का समय घटाने से रही सही कसर भी पूरी हो चुकी है। दुग्ध उत्पादन तो पहले जैसे ही बना हुआ है लेकिन उत्पादन के विक्रय के लिए बाजार नहीं है इसलिए दूध उत्पादक बचा हुआ दूध पनीर बनाकर बेचने के विकल्प पर काम कर रहे हैं लेकिन इसमें भी खरीददार नहीं है। सबसे बड़ा खरीददार होटल रेस्टोरेंट और स्वीट कॉर्नर बंद है।

सही नहीं उत्पादन घटाना

संक्रमण के बढ़ते मामले और लॉकडाउन के बीच कारोबार संचालन में आ रही दिक्कतों के साथ विक्रय का समय बढ़ाने या उत्पादन कम करने जैसी मांग को पशु चिकित्सा विभाग ने पूरी तरह से अव्यावहारिक बताते हुए सलाह दी है कि धैर्य बनाए रखें। उत्पादन घटाने की सलाह इसलिए नहीं दी जा सकती क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो वर्तमान स्तर को फिर से वापस लाने में महीनों लगेंगे। मिल्क बूथ काउंटर का समय बढ़ाने की अनुमति देना वर्तमान परिस्थितियों में संभव नहीं है। इसलिए शेष बच रहा दूध कोविड केयर सेंटरों को देकर अन्य कारोबार जगत की तरह प्रशासन का सहयोग करें।

लॉकडाउन : जिले की सड़कें हुई वीरान

■ जगह-जगह किए गए बैरिकेटिंग से पुलिस की सख्ती का एहसास

पायनियर संवाददाता ‹ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

पूरे जिले में बीती रात 09 बजे से एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन शुरू हो गया है। यह लॉकडाउन अब 30 तारीख तक चलेगा। इधर लॉकडाउन के पहले ही दिन शहर में सन्नाटा पसर गया। चौक-चौराहे वीरान हो गए, जगह-जगह किए गए बैरिकेटिंग से पुलिस की सख्ती का एहसास भी हो गया, वहीं गली-मोहल्लों में पुलिस की पेट्रालिंग वाहन चलने से अधिकांश लोग अपने-अपने घरों में ही रहना ठीक समझा।

जिले में लॉकडाउन का पहला दिन, सुबह दूध आदि लेने निकले लोगों की एक्का-दुक्का भीड़ के बाद सुबह 8 बजे से शहर की सड़कें वीरान हो गई। किराना सहित हरी सब्जियों की दुकानों को भी न खोलने की सख्त हिदायत का असर दिखा और शहर के सभी बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। शहर के प्रमुख चौराहों पर जहां सामान्य दिनों में लोगों की चहल-पहल बनी रहती थी, आज लॉकडाउन के पहले दिन पूरी तरह से वीरान रहा और सड़कों पर कोई नजर नहीं आया। हालांकि पुलिस ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि बिना किसी ठोस कारण के यदि कोई भी सड़कों पर नजर आया तो उसके खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। यही कारण है कि लोग अपने-अपने घरों में ही रहना ठीक समझा। हालांकि शहर के पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर्स, अस्पताल, निजी क्लीनिक आदि अपने तय समय पर ही खुले, लेकिन अपेक्षाकृत लोगों की भीड़ नजर नहीं आई। इधर प्रशासन ने इस बार के लॉकडाउन में पूरी सख्ती बरतने का स्पष्ट आदेश जारी किया है।

पालिका अध्यक्ष ने अपने टीम के साथ निकाली जागरूकता रैली

लॉकडाउन के नियमों के पालन करने नगर वासियों को किया अपील

पायनियर संवाददाता ‹ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के नियमों पूरी तरह पालन हो या सुरक्षित करने आज गरियाबंद पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन अपनी टीम के साथ नगर के प्रत्येक वार्ड के गली मोहल्लों में निकले उन्होंने नगर के लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करते हुए घरों में ही रहने का अपील किया । उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लक्षण आने पर जल्द से जल्द जांच करानी चाहिए ताकि घर में बाकी लोगों को बचाया जा सके । खास बात यह है कि खुद नगर पालिका अध्यक्ष और नगर के पार्षदों ने कारोना से पॉजिटिव होने के बाद अब ठीक हो चुके हैं जो आप नगर वासियों को कोरोना वायरस से बचाने का अभियान चला रहे हैं कल ही नगर पालिका अध्यक्ष ने हजारों से अधिक माक्स वितरण कराया था । गरियाबंद जिला में आज रात 9 बजे से आगामी 7 दिनों के लिए टोटल लॉकडाउन प्रारंभ होने जा रहा है आज जागरूकता रथ के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनटके के वरिष्ठ सभापति आसिफ मेमन विष्णु मरकाम , वंशगोपाल सिन्हा , छगन यादव विशेष रूप से उपस्थित थे।

मरीजों की देखभाल एवं संतुष्टि करने के मामले में जिले 76% के साथ पूरे राज्य में चौथे स्थान पर

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी हुए मरीजो की उचित देखभाल एवं संतुष्टि करने के मामले में जिले को 76 प्रतिशत के साथ पूरे राज्य में चौथे स्थान मिला है। जिस पर कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने स्वास्थ्य विभाग सहित कोरोना ड्यूटी में लगे जिले प्रशासन की पूरी टीम को इसके लिये बधाई दिये है। साथ ही उन्होंने आने वाले समय मे पहले स्थान पर आने के लिए कुछ लक्ष्य भी निर्धारित किये है। उन्होंने आगे कहा की यह आप सभी की मेहनत का परिणाम है की जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण की स्थिति में भी हमारा जिला मरीजो के उचित देखभाल करने में जरा भी कोताही नही बरते जा रही है। कोविड संक्रमित मरीजो की सारी सुख सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा की मरीजो को निर्धारित समय पर दवाइयों से लेकर भोजन उपलब्ध हो रही है। जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया की यह जिले के लिये एक बड़ी उपलब्धि है। जो हमे आगे और अच्छे से मेहनत के लिये प्रेरित करते है। इस उपलब्धि को हासिल करने में स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों सहित अन्य विभागों के कमर्चारियों अधिकारियों का भी योगदान है। जो जी जान से दिन रात कोरोना को हराने के लिये मेहनत कर रहे है। उन्होंने आगे बताया की यह सर्वे स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 7 अगस्त से लेकर 21 सितंबर के मध्य किया गया था। जिसमे मरीजो के फीडबैक के आधार पर ही यह सर्वे रिपोर्ट आज राज्य सरकार ने जारी किये है। जिसमे हमारे जिले का 76 प्रतिशत के साथ चौथे स्थान पर है। पहले स्थान पर गरियाबंद 83 प्रतिशत, कोरिया दूसरे स्थान पर 80 प्रतिशत एवं रायपुर 77 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान बने हुए है।

भोजन की गुणवत्ता एवं कोरोना टेस्टिंग के शिविरों के परिणाम दिखने लगे : कोविड हॉस्पिटल एवं कोविड केयर सेंटरों में मरीजो को मिलने वाली भोजन की गुणवत्ता पर खास नजर रखी जा रही है। भोजन की गुणवत्ता में जरा भी लापरवाही ना हो उसके लिये अन्य विभागों के जिला स्तर के अधिकारियों की अलग से तैनाती किये गये है। जिनके माध्यम से भोजन कि गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखे जा रहे है। इसके साथ ही समय समय पर राजस्व विभाग के अधिकारियों जैसे नायब तहसीलदार, तहसीलदार द्वारा भी भोजन ग्रहण कर उनकी गुणवत्ता को परखते है। ताकि किसी भी मरीज को खाने में तकलीफ ना हो। जिसके चलते अब भोजन संबंधित शिकायते बहुत कम हो गयी है। जिले में बड़ी संख्या पर चलाये गये कोरोना टेस्टिंग अभियान शिविरों का आयोजन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे संक्रमित मरीजो की तत्काल पहचान कर उनका उपचार शुरू किया जा रहा है। जिले में प्रतिदिन लगभग 1हज़ार से अधिक एंटीजन रैपिड टेस्ट के साथ ट्रू नाट एवं आरटीपीसीआर टेस्ट किया जा रहा जो अन्य जिलों की तुलना में काफी अधिक है।

दुर्गा पूजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए दुर्गा पूजन के संबध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये है। जिसके अनुसार मूर्ति की ऊंचाई एवं चौड़ाई 6.5 फिट से अधिक नही होनी चाहिए।

मूर्ति स्थापना वाले पंडाल का आकार 15-15 फिट से अधिक न हो। पंडाल के सामने कम से कम 3 हजार वर्ग फिट की खुली जगह हो। पंडाल व सामने 3 हज़ार वर्गफिट की खुली जगह में कोई भी सड़क अथवा गली का हिस्सा प्रभावित न हो। एक पंडाल से दूसरे पंडाल की दूरी 250 मीटर से कम न हो। मंडप/पंडाल के सामने दर्शकों के बैठने हेतु पृथक से पंडाल न हो, दर्शकों एवं आयोजकों के बैठने हेतु कुर्सी नहीं लगाये जायेगें। किसी भी एक समय में मंडप एवं सामने मिलाकर 20 व्यक्ति से अधिक नही होना चाहिए मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति एक रजिस्टर संधारित करेगी जिसमें दर्शन हेतु आने वाले सभी व्यक्तियों का नाम पता मोबाईल नंबर दर्ज किया जायेगा ताकि उनमें से कोई भी व्यक्ति कोरोना संक्रमित होने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग किया जा सके।

मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति 4 सीसीटीवी लगायेगा ताकि उनमें से कोई भी व्यक्ति कोराना संक्रमित होने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग किया जा सके। मूर्ति दर्शन अथवा पूजा में शामिल होने वाला कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के नहीं जायेगा ऐसा पाये जाने पर संबंधित एवं समिति के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किया जायेगा। मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति द्वारा सैनेटाईजर, थर्मल स्क्रिनिंग, आक्सीमीटर, हेंडवाश एवं क्यू मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था की जायेगी। थर्मल स्क्रिनिंग में बुखार पाये जाने अथवा कोरोना से संबंधित कोई भी सामान्य या विशेष लक्षण पाये जाने पर पंडाल में प्रवेश नहीं देने की जिम्मेदारी समिति की होगी। व्यक्ति अथवा समिति द्वारा फिजिकल डिस्टेंसिंग,आगमन एवं प्रस्थान की पृथक से व्यवस्था बांस बल्ली से बेरिकेटिंग कराकर कराया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति जो मूर्ति स्थापना स्थल पर जाने के कारण संक्रमित हो जाता है,तो ईलाज का संपूर्ण खर्च मूर्ति स्थापना करने वाला व्यक्ति अथवा समिति द्वारा किया जायेगा। कंटेनमेंट जोन में मूर्ति स्थापना की अनुमति नहीं होगी। यदि पूजा की अवधि के दौरान भी उपरोक्त क्षेत्र कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित हो जाता है तो तत्काल पूजा समाप्त करनी होगी।

छुरा नगर की जनता जागरूक है : एडिशनल एसपी राठौर

■ महामारी से लडने के लिये जनता घर पर रहकर सुरक्षित है

पायनियर संवाददाता ‹ छुरा/गरियाबंद
www.dailypioneer.com

जिले के छुरा नगर में लॉक डाउन प्रथम दिन से ही प्रशासन सख्त नजर आयी । आपको बता दे कि कलेक्टर छत्तर सिंह डेहरे व जिले के पुलिस कप्तान भोजराम पटेल के दिशा निर्देश में जिले में 30 सितंबर तक लॉक डाउन किया गया है । जिसका कड़ाई से पालन करने के लिए सभी जिम्मेदार स्थानीय अधिकारियों को कहा गया है । इसी तारतम्य में आज छुरा नगर में भी इसका असर देखने को मिला लोग चौक चौराहों में नजर नही आ रहे है। सन्नाटा पसरा है और लोग घरो में टेलीविजन, मोबाईल के साहरे दिन काट रहे है ।

राजस्व अधिकारी कुसुम प्रधान के द्वारा कहा गया कि लॉक डाउन में बेवजह घूमने वालो का चालान भी काटा जा रहा है । वही थानां प्रभारी राजेश जगत ने बताया कि जिला अधिकारियों के दिशा निर्देश का पालन सख्ती से किया जा रहा है ।

लाकडाऊन का जायजा लेने के लिए जिले के एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर, एडिशनल कलेक्टर जेआर चौरसिया, एसडीएम निर्भय साहू, एसडीओ पी गरियाबंद, थानाप्रभारी राजेश जगत तहसीलदार, नायब तहसीलदार छुरा ने नगर पंचायत छुरा का भ्रमण कर जायजा लिये। सुखनंदन राठौर ने कहा कि छुरा की जनता जागरूक है स्वतः होकर लाकडाऊन का पालन कर रहे है अपने और आसपास के लोगों को सुरक्षित रखने के लिये छुरा की जागरूक जनता घर से बाहर नही निकल रहे है नगर का सडक चौक चौराहे पूरी तरह सूना है ।

अपनी सुविधा के अनुसार वितरण की मिली छूट, हर सामग्री की तस्वीर अनिवार्य

मध्यान्ह भोजन : 63 दिन का सूखा राशन मिलेगा सील बंद पैकेट में

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

इस बार 63 दिन का मध्यान्ह भोजन एक साथ दिया जाएगा। घर- घर जाकर बांटने का फैसला स्वविवेक से लेने की छूट दी गई है तो हर खाद्य सामग्री का अलग-अलग सील बंद पैकेट और उसकी तस्वीर लिए जाने के भी आदेश जारी हो गए हैं। यह पूरा काम कोविड-19 की गाईडलाईन के पालन के साथ करना होगा।

कोरोना संक्रमण के बाद बंद स्कूलों में मध्यान्ह भोजन को सूखा राशन के रूप में दिए जाने का सिलसिला चालू और अगले माह भी जारी रहेगा। कई दिक्कतों के बीच वितरण में आ रही सबसे बड़ी समस्या इस बार दूर की जा रही है।

घर घर जाकर सूखा राशन के रूप में मध्यान्ह भोजन का वितरण का काम स्कूलों के स्वविवेक पर छोड़ दिया गया है। राहत दी गई है कि वे यह काम स्कूल में या घर-घर जाकर भी कर सकते हैं। राहत के साथ एक शर्त भी जोड़ी जा रही है कि हर राशन का सील बंद पैकेट बनाना होगा और बाद में उसकी उसकी तस्वीर लेकर मुख्यालय भेजना होगा जिससे उसकी गुणवत्ता की पहचान की जा सके।

एक साथ 63 दिन का राशन : लोक शिक्षण संचालनालय से जारी आदेश के अनुसार 11 अगस्त से 31 अक्टूबर तक की अवधि का सूखा राशन मध्यान्ह भोजन के रूप में पहली से आठवीं तक के बच्चों को दिया जाना है। इसमें चावल, दाल, अचार, सोया बड़ी, तेल और नमक का अलग-अलग पैकेट बनाकर सभी को एक बड़े पैक में दिया जाएगा। बता दें कि इसके पूर्व 45 दिन का सूखा राशन मध्यान्ह भोजन के रूप में दिया जा चुका है।

राहत के साथ शर्त

संचालनालय ने इस बार राहत देते हुए कहा है कि स्कूलें अपने स्तर पर घर घर पहुंचाने या स्कूल में ही वितरण करने का फैसला ले सकेंगी लेकिन इसकी सूचना संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को देनी होगी। शर्त यह होगी कि सूखा राशन का सील बंद पैकेट बनाया जाना है। पैकिंग पूर्व खाद्य सामग्री पैकिंग के बाद की तस्वीर अनिवार्य रूप से लेनी होगी। सभी सामग्री का एक पूरा पैकेट बना कर देना भी शर्त में शामिल होगा।

इसलिए तस्वीर

संचालनालय ने बीते कुछ महीनों से यह पाया है कि गुणवत्ता हीन खाद्य सामग्री का वितरण किए जाने की शिकायतें बढ़ रही है। इस पर अंकुश लगाया जाना जरूरी है। इसलिए इस बार हर खाद्य सामग्री का अलग-अलग नमूना सैंपल के रूप में रखने के आदेश जारी किया गया है। इसे एक माह तक रखने के भी निर्देश है। इसके पीछे की वजह भी बताई गई है कि इस अवधि में खराब हो जाने पर उसकी गुणवत्ता जांची जा सकेगी।

प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक

प्राथमिक स्कूल के हर छात्र को प्रति दिवस के आधार पर 63 दिन का 6 किलो 300 ग्राम चावल, 1 किलो 620 ग्राम दाल, 500 ग्राम अचार, 630 ग्राम सोया बड़ी, 315 ग्राम तेल, और 400 ग्राम नमक मिलेगा। प्रत्येक छात्र को 63 दिन के सूखा राशन के रूप में 9 किलो 405 ग्राम खाद्य सामग्री मिलेगी। पूर्व माध्यमिक स्कूल में प्रति छात्र को प्रतिदिन के आधार पर 9 किलो 450 ग्राम चावल, 1 किलो 890 ग्राम दाल ,750 ग्राम अचार, 945 ग्राम सोया बड़ी, 500 ग्राम तेल और 600 ग्राम नमक दिया जाएगा। इस तरह मिडिल स्कूल के प्रत्येक छात्र को 63 दिन का जो सूखा राशन दिया जाएगा उसकी कुल मात्रा 14 किलो 135 ग्राम होगी।

लॉक डाउन की अवधि समाप्त हो जाने के बाद 63 दिवस का सूखा राशन वितरण किया जाना है। स्कूलें अपनी व्यवस्था के अनुसार वितरण का काम कर सकेंगी ध्यान रखें कि यह काम संचालनालय और कोविड-19 के नियमों के तहत किए जाएं।

- सी.एस ध्रुव, जिला शिक्षा अधिकारी ,बलोदा बाजार

जिले में कोरोना के 670 मरीज अब हो चुके है स्वस्थ

आईशोलेसन सेंटर एवं कोविड केयर सेंटर में 1485 बेड की सुविधा उपलब्ध है

स्वास्थ्य अमला द्वारा प्रायमेरी हाईरिस्क कांटेक्ट टेऊसिंग कर सेम्पलिंग का कार्य किया जा रहा है

एक्टिव मरीजों की संख्या 250 है

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर महादेव कावरे के मार्गदर्शन में जिले में कोविड-19 के तहत् कोरोना जांच लोगों का प्राथमिकता से किया जा रहा है। जिले में मरीजों के लिए आईसोलेशन सेंटर, कोविड- केयर सेंटर में 1485 बेड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जहां मरीजों का उचित इलाज किया जा रहा है। जिला चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 25800 मरीजों का कोरोना टेस्ट किया गया है। जिनमें से 920 मरीज पॉजिटव आए। इनमें से एक्टिव मरीजों की संख्या 250 है तथा 670 मरीज अब तक स्वस्थ हो चुके है।

कोरोना मरीजों की मदद के लिए होमआईसोलेशन करने वाले मरीजों को आपात स्थिति में प्रत्येक विकासखंडों में 108 एम्बुलेंस की व्यवस्था तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। जिले में एक एडवांस लाईफ सर्पोट गाड़ी की व्यवस्था तथा एक शासकीय एम्बुलेंस है। मास्क एवं सेनेटाईजर की व्यवस्था उपलब्ध है। कोविड केयर सेंटर और आईसोलेशन सेंटर में भर्ती मरीजों को मास्क सेनिटाईजर एवं दवाई का वितरण किया जा रहा है। 1004 सेनिटाईजर तथा 3119 एन-95 मास्क तथा 30276 थ्री लेयर मास्क उपलब्ध है।

होमआईसोलेशन वाले मरीजों के लिए कंट्रोल रूम की व्यवस्था की गई है। जिसमें आयुष, डॉक्टर, स्टाप नर्स, की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके द्वारा होमआईशोलेसन के लिए मरीजों कोदिशा निर्देशानुरूप अंडर टेकिंग किया जा रहा है कोविड-19 नियंत्रण के लिए जिला में मरीजों के बचाव एवं बेहतर इलाज के लिए बेड की संख्या में बढोतरी की गई है साथ ही ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था भी की जा रही है। और सभी प्रायमेरी हाईरिस्क कॉन्टेक्ट की ट्रेसिंग कर सैपलिंग किया जा रहा है।

कोविड-19 टेस्ट की व्यवस्था सभी विकसखंडों एवं दुरस्थ अंचल के स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सैंम्पल कलेक्शन बना लिए गए हैं इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 35 तथा सामुदयिक स्वास्थ्य केन्द्र 7, 01 जिला अस्पताल एवं 259 उपस्वास्थ्य केन्द्र में प्रशिक्षित टैक्नीशियन, स्टाप नर्स एवं स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा सेम्पल कनेक्शन का कार्य किया जा रहा है। कोविड-19 संक्रमण में मरीजों को आपात सेवाएं उपलब्ध कराने टोल फ्री नंम्बर 07763-223732, 07763-223281 एवं मोबाईल नंबर 9131318933 की 24 घंटे व्यवस्था की गई है जिसका व्यापक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत सार्थक पहल से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा, बिरहोर के 67 युवाओं को मिला रोजगार

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, संस्कृति, योजना एवं सांख्यिकी विभाग)एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत के सार्थक पहल से जशपुर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर 67 युवाओं को रोजगार दिया गया है। प्रभारी मंत्री भगत ने विगत दिवस बगीचा में खनिज न्यास निधि की बैठक में अनुमोदन किया था। इसी कड़ी में जशपुर जिला कलेक्टर महादेव कावरे के दिशा निर्देश में 67 पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति के युवकों को पण्ड्रापाठ में अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्त पत्र सौंपा गया है। अतिथि शिक्षक के रूप में इन्हें 10 हजार रुपए का निश्चित वेतन दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति को सरकार द्वारा विशेष जनजाति के श्रेणी में रखा गया है। इन युवकों की नियुक्ति विशेष शिक्षकों के रूप में की गई है और उन्हें जिला खनिज न्यास निधि मद से प्रति माह 10 हजार रुपए का वेतन दिया जाएगा। प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के उत्थान के साथ ही हर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

आरबीसी 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा में प्रभावित 4 परिजनों हेतु 16 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

जशपुरनगर। कलेक्टर महादेव कावरे ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के 4 मामलों में प्रभावित परिजनों के लिए आरबीसी 6-4 के तहत् 16 लाख की सहायता राशि स्वीकृत की है। जिसके तहत् पानी में डूबने से बगीचा के ग्राम सुलेसा निवासी स्व. गुरवंती की मृत्यु 01 मई 2020 को हो जाने पर प्रभावित परिजन विजय कुमार हेतु 4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

कोरोना मरीजों से निजी अस्पतालों में अधिक शुल्क लेने की शिकायत मिलने पर इलाज की अनुमति निरस्त हो सकती है

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

निजी अस्पतालों द्वारा कोविड-19 के मरीजों से इलाज के लिए शासन द्वारा पूर्व में निर्धारित शुल्क से यदि अधिक शुल्क लेने की शिकायत प्राप्त होगी तो आवश्यकता पड़ने पर उस चिकित्सालय को इलाज के लिए प्रदान की गई अनुमति निरस्त की जा सकती है। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं नीरज बंसोड़ ने इस संबंध में सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि निर्धारित शुल्क से अधिक लेने की शिकायत प्राप्त होने पर एपिडेमिक डिसीज एक्ट 1897, छत्तीसगढ़ पब्लिक एक्ट 1949 तथा छत्तीसगढ़ एपिडेमिक डिसीज कोविड 19 रेगुलेशन एक्ट 2020 के तहत कार्यवाही करें। इस आशय की जानकारी जिला कलेक्टर को दी जाए और उनके निर्देशानुसार आवश्यकता पड़ने पर उस चिकित्सालय को कोविड 19के इलाज के लिए प्रदान की गई अनुमति निरस्त की जाए।

राज्य शासन ने 5 सितंबर को आदेश जारी कर निजी अस्पतालों में कोविड-19 मरीजों के इलाज के लिए दर का निर्धारण किया है। निजी अस्पतालों में उपलब्ध सुपरस्पेशियालिटी सुविधाओं के आधार पर इन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है। ए-श्रेणी में रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा और रायगढ़ जिले के अस्पतालों को रखा गया है। बी-श्रेणी में सरगुजा, महासमुंद, धमतरी, कांकेर, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार-भाटापारा, कबीरधाम एवं बस्तर जिले के अस्पतालों को रखा गया है। बेमेतरा सहित शेष जिलों के अस्पताल सी-श्रेणी में शामिल हैं। निजी अस्पतालों में कोविड-19 के इलाज में होने वाला व्यय मरीज को स्वयं वहन करना होगा।

ए-श्रेणी वाले जिलों के एन.ए.बी.एच. मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों में मॉडरेट स्थिति वाले मरीजों के इलाज के लिए प्रतिदिन 6200 रूपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसमें सर्पोर्टिव केयर आइसोलेशन बेड के साथ आक्सीजन एवं पीपीई किट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। गंभीर स्थिति वाले मरीजों के उपचार के लिए रोजाना 12 हजार रूपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसमें वेंटिलेटर केयर के बिना आईसीयू और पीपीई किट शामिल है। अति गंभीर मरीजों के इलाज के लिए 17 हजार रूपए प्रतिदिन की दर निर्धारित की गई है। इसमें वेंटिलेटर केयर के साथ आईसीयू एवं पीपीई किट शामिल है। वहीं एन.ए.बी.एच. से गैर मान्यता प्राप्त निजी अस्पतालों के लिए मॉडरेट, गंभीर और अति गंभीर मरीजों के इलाज के लिए प्रतिदिन 6200 रूपए, दस हजार रूपए एवं 14 हजार रूपए का शुल्क निर्धारित किया गया है।

बी-श्रेणी में शामिल जिलों के सुपरस्पेशियालिटी सुविधा वाले अस्पताल तीनों स्थिति (मॉडरेट, गंभीर और अति गंभीर) के मरीजों के इलाज के लिए ए-श्रेणी के लिए निर्धारित दर का 80 प्रतिशत और सी-श्रेणी वाले जिलों के अस्पताल 60 प्रतिशत शुल्क ले सकेंगे। सभी अस्पताल डायग्नोसिस के लिए आयुष्मान भारत एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत आई.पी.डी. मरीजों के लिए निर्धारित शुल्क ही लेंगे।

जहां ये योजनाएं लागू नहीं है वहां सीजीएचएस दरों के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। सभी अस्पतालों में दवाईयों की कीमत वास्तविक बाजार मूल्य के अनुसार ही लिए जाएंगे।

कलेक्टर ने किया 29 कोरोना वारियर्स का सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से निपटने जिला प्रशासन द्वारा कोरोना वारियर्स के रुप मे उल्लेखनीय योगदान के लिए कलेक्टर शिव अनंत तायल द्वारा सम्मानित किया गया। इनमे कोविड केयर सेन्टर बेमेतरा, लाइवलीहुड कॉलेज चोरभट्ठी (बेमेतरा) मे स्थापित आईसोलेशन सेन्टर मे सेवा देने वाले 29 कर्मचारी जिनमे सफाई कर्मचारी, सुरक्षागार्ड, स्टाफ नर्स, आयुर्वेद फार्मासिस्ट आदि को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। कल शाम जिला पंचायत सभाकक्ष मे आयोजित कार्यक्रम मे जिनका सम्मान किया गया उनमे सफाई कर्मचारी-इन्द्रजीत, नरेश वर्मा, धमेन्द्र वर्मा, मनोज कुमार, भीखम वर्मा, अनिता निषाद, मुनिया साहू, मन्जू साहू, उषा वर्मा, संतोषी यादव, लीला सारथी, पदुम, जयराम चंद्राकर, राम साहू, तुलेश्वर चैहान, रामगोपाल साहू, ओमप्रकाश, राम यादव, गीताराम, लाकेश्वर, राजीव मानिकपुरी, राजा मिर्झा सुरक्षागार्ड-मुकेश कुमार एवं आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट-तुलसी राम देशमुख, डाकेश्वर साहू, स्टाफ नर्स-पूजा देवांगन, दीपा विश्वकर्मा, महेन्द्र वर्मा एवं योगेश्वरी साहू शामिल है। कलेक्टर ने कोरोना योद्धा के रुप मे सेवा देने वाले कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए अपनी बधाई दी।

आयुर्वेद विभाग द्वारा कोरोना से बचने के सुझाए उपाय

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग रायपुर एवं संचालनालय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छ.ग. रायपुर कि निर्देशानुसार जिला आयुर्वेद अधिकारी बेमेतरा डॉ. यशपाल सिंह ध्रुव ने कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोध प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुर्वेदिक उपायों के संबंध मे जानकारी देते हुए बताया कि-पूरे दिन गर्म पानी पीना, प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान करना, हल्दी, जीरा, धनिया एवं लहसुन आदि मसालों का भेजन मे प्रयोग करना। साथ ही 40 ग्राम तुलसी, 10 ग्राम काली मिर्च, 20 ग्राम सोंठ, 20 दालचीनी इन सभी को सुखाकर पाउडर बनाकर हवा बंद डिब्बे मे बंद रख लें और 03 ग्राम पाउडर को 150 मिली. पानी मे उबालें और आधा शेष रहने पर गुनगुना सेवन करें। या फिर 05 ग्राम त्रिकुट पाउडर, 3 से 5 पत्तियां तुलसी 01 लीटर पानी मे डालकर उबालें और आधा शेष रहने पर गुनगुना सेवन करें।

जिला आयुर्वेद अधिकारी ने बताया कि मात्रा-व्यस्क हेतु-30 से 40 मिली मीटर. दिन मे दो बार, बच्चों हेतु (5 वर्ष से अधिक)-10 से 15 मिली. दिन मे दो बार सेवन करें। काढ़ा बनाने मे उपयोग होने वाले घटक द्रव्य शुंठी, मरीच, पिप्पली, गुडुची आदि सम्मिलित है। काढा बनाने की विधि-एक चम्मच क्लाथ मिश्रण को एक कप पानी (100 मिली.) में धीमी आंच पर उबालें। पानी आधा बचने पर छान कर पीयें। स्वाद हेतु आधा चम्मच गुड़ का प्रयोग भी कर सकते है।

पुलिस ने ढाबे पे मारा छापा, जप्त की अवैध शराब

बेमेतरा/नवागढ़। अवैध शराब के विरूद्ध थाना नवागढ पुलिस की कार्यवाही करते हुए ढाबे में छापेमारी किया। थाना प्रभारी अम्बर सिंह भारद्वाज के नेतृत्व में नवागढ़ क्षेत्र में अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा पर लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत बुधवार को थाना नवागढ पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मुंगेली रोड नवाग़ढ़ में ढाबा संचालित कर रहा है, जहाँ बिना अनुज्ञप्ति पत्र के अपने कब्जे में शराब रखकर धन अर्जित करने के नियत से शराब बेच रहा है। सूचना पर थाना नवागढ स्टाफ गवाहो के साथ मौके में पहुच कर रेड कार्यवाही किया गया। जिससे ढाबा संचालक आरोपी अनमोल सिंह गांधी नवागढ थाना नवागढ जिला बेमेतरा के कब्जे से 21 पौवा देशी प्लेन, 08 पौवा अंग्रेजी, 01 बोतल अंग्रेज़ी रोयल विसकि, 04बाटल सिंबा बीयर कुल (8420 मिलो) कीमती करीबन 4940 /- को 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ़्तार कर न्यायालय जयूडिसियल रिमांड पर भेजा गया।

राज्य स्तरीय स्तयापन दल के द्वारा गिरांग, बोकी फरसाबहार खरकट्टा, बांसबहार दुलदुला में किया जा रहा है सत्यापना का कार्य

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर महादेव कावरे जी के निर्देशन एव जिला पंचायत सीईओ के एस मंडावी के मार्गदर्शन पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत राज्य स्वच्छता पुरस्कार 2 अक्टूबर 2020 हेतु राज्य स्तरीय सत्यापन दल के द्वारा जशपुर जिले के ग्राम पंचायत में जिनमे गिरांग, बोकी, फरसाबहार, खरकट्टा, बांसबहार दुलदुला में राज्य स्वच्छता पुरस्कार हेतु जिले से किए गए आवेदनों का सत्यापन किया सत्यापन के दौरान ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य ,गोवर्धन योजना अंतर्गत बायोगैस प्लांट का निरीक्षण, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण, दिव्यांग शौचालयों का निरीक्षण कर उनकी ग्रेडिंग की विदित हो कि जशपुर जिले में 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले राज्य स्वच्छता कार्यक्रम हेतु आवेदन राज्य की ओर भेजा गया था। इस अवसर पर सत्यापन दल में राज्य से राजकुमार वर्मा एवं उज्जवला नागवंशी ने प्राप्त आवेदनों का सत्यापन एवं ग्रेडिंग की।

कोरोना जांच के डाटा एंट्री कार्य में प्रगति लाने के सख्त निर्देश-कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर महादेव कावरे ने आज अपने निवास कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली उन्होंने लोगों का प्राथमिक से कोरोना जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ के एस मंडावी अपर कलेक्टर आई एल ठाकुर डिप्टी कलेक्टर आकांक्षा त्रिपाठी मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी श्री डॉ पी सुधार जिला चिकित्सालय की सिविल सर्जन डॉ. ममता खाखा डीपीएम गनपत नायक और जिला चिकित्सालय के सलाहकार राजेश कुरील उपस्थित थे।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य अधिकारियों से कोविड 19 और कोरोना जांच के ब्लाक वार डाटा एंट्री के संबंध में जानकारी ली उन्होंने धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए। डाटा एंट्री के कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डाटा एंट्री का कार्य महत्वपूर्ण है प्रतिदिन विकास खंड वार कोरोना जांच का एंट्री करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि जिन विकास खंड में डाटा एंट्री का कार्य धीमी प्रगति पर उन विकास खंड के बीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन विकास खंड ग्राम पंचायत और शहर क्षेत्रों के वार्ड में कोरोना पाजिटिव निकले हैं उन आस पास के घरों के लोगो का भी प्राथमिकता से कोरोना जांच करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बैंक पोस्ट आफिस में भी कैम्प लगाकर कोरोना जांच करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी सुधार ने बताया कि जिले में और आठ विकास खंड में कोरोना जांच के लिए 42 टिम बनाई गई है जिनके माध्यम से कोरोना जांच किया जा रहा है ।अब तक लगभग 25 हजार 800 लोगों का कोरोना जांच किया गया है जिनमें से 920 लोगों का टेस्ट में पाजिटिव आया इनमें से 250 एक्टिव केस है और बहुत से मरीज ईलाज के बाद ठीक हो गए हैं।

शिक्षक बच्चों की शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे

वर्चुअल एवं मोहल्ला क्लास नियमित रूप से लेने के शिक्षकों को दिए निर्देश : कलेक्टर

कलेक्टर ने शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को नोटिश जारी करने के दिए निर्देश

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

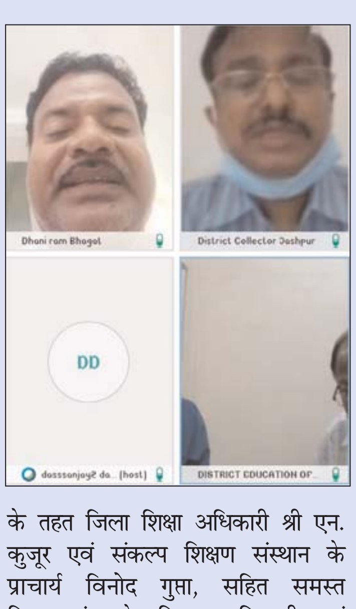

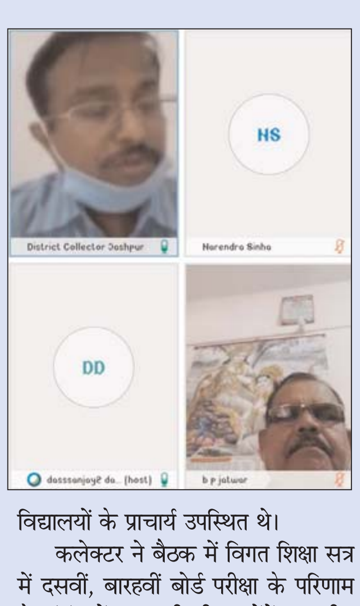

कलेक्टर महादेव कावरे ने आज मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से लॉकडाउन के दौरान जिले मे बच्चों की शिक्षा व्यवस्था एवं विगत शिक्षा सत्र के बोर्ड परीक्षा परिणाम के संबंध में शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर यशस्वी जशपुर के तहत जिला शिक्षा अधिकारी श्री एन. कुजूर एवं संकल्प शिक्षण संस्थान के प्राचार्य विनोद गुप्ता, सहित समस्त विकासखंड के शिक्षा अधिकारी एवं विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में विगत शिक्षा सत्र में दसवीं, बारहवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम के संबंध में जानकारी ली। उन्होंनें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घटमुंडा, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर सहित अन्य ऐसे विद्यालय जिनका परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं रहा वहां के प्राचार्यों से जवाब तलब करके परीक्षा परिणाम के संबंध में जानकारी ली। उन्हों ने 50 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम आने वाले विद्यालयों के प्राचार्यों को स्पष्टीकरण के लिए कारण बताओ नोटिश जारी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए एवं विभाग की गुगलशीट में प्रविष्ट त्रुटिपूर्ण जानकारी को सुधार कर सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

कलेक्टर ने जिला में लॉकडाउन के दौरान बच्चों की नियमित शिक्षा जारी रखने के लिए आयोजित वर्चुअल क्लासेस एवं मोहल्ला क्लास के संबंध में जानकारी ली और जिले के मोबाईल नेटवर्क विहीन क्षेत्रों एवं स्मार्ट फोन की सुविधा नहीं होने वाले बच्चों की शिक्षा के लिए मोहल्ला क्लास नियमित रूप से लेने के निर्देश दिए। उन्होनें जिले के शत प्रतिशत बच्चों के पास शिक्षा पहुंचाने के लिए मोहल्ला क्लास में बच्चों की पूरी उपस्थिति दर्ज कराने की कहा गया है। ग्रामीण बच्चो एवं उनके पालकों को इस संबंध में जागरूक एवं प्रोत्साहित करने लिए भी कहा गया है।

वर्चुअल क्लासेस के माध्यम से 15 प्रतिशत से कम पाठ्यक्रम पूर्ण कराने वाले शिक्षकों को भी नोटिश जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए पुस्तक वितरण का कार्य प्राथमिकता से करने के लिए कहा है एवं पुस्तकों की कमी होने पर मांगपत्र जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

आइसोलेशन सेंटर में स्वस्थ हुए मरीजों ने घर जाने से पहले परिसर में रोपें फलदार एवं छायादार पौधे

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के आइसोलेशन सेंटर खलारी में मंगलवार को स्वस्थ हुए 16 मरीजों ने उपचार एवं देखभाल पश्चात् पूर्णतः स्वस्थ होकर डिस्चार्ज के समय अपने घर जाने से पहले आइसोलेशन सेंटर परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। एसडीएम भूपेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि पौधारोपण पश्चात् उन्हें 108 वाहन से उनके निवास स्थान तक पहुंचाया गया।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था में अविश्वास, कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या

भारत में कोविड-19 संक्रमितों की बढ़ती संख्या तथा पश्चिमी देशों में दूसरी संभावित लहर को देखते हुए अर्थव्यवस्था में अविश्वास का माहौल है। चीन भले ही संक्रमण का केन्द्र रहे वूहान में सब कुछ सामान्य दिखाने का प्रयास करते हुए समुद्र तट पर बड़ी पार्टी का आयोजन कर रहा हो, पर दुनिया की जनता तथा विश्व अर्थव्यवस्था की सांसें फूल रही हैं। यूरोप में नए नियंत्रणों के कारण दुनिया भर के शेयर बाजार एक बार लुढ़कने लगे हैं। इससे तेज होती आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी पड़ी है। हालांकि, भारतीय शेयर बाजारों में मार्च की गिरावट के बाद लगभग 50 प्रतिशत उछाल आया है, पर यह अभी अस्थिर हैं। ब्रिटेन जैसे बड़े देशों तथा अमेरिका के अनेक शहरों में 'दूसरी लहर' की विभीषिका से बचने के लिए फिर लाकडाउन घोषित करने पड़े हैं। हालांकि, भारत में संक्रमितों की संख्या थोड़ी स्थिर हुई है और अधिकांश शहरों में इसे जीवन का हिस्सा मानने की प्रवृत्ति सामने आई है। केरल में राज्य सरकार ने बिना लक्षण वाले कामगारों को अलग-थलग कार्यस्थलों में काम की अनुमति दी है, लेकिन अभी कामकाज को पूरी गति मिलने में समय लगेगा। आने वाले त्योहारों व इंडियन प्रीमियर लीग-आईपीएल शुरू होने से गतिविधियां तेज हुई हैं, पर ये पिछले वर्षों के स्तर से बहुत दूर हैं। बिजनेस भले ही धीरे-धीरे खुल रहे हों और गैर-नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उनके पूरी तरह काम की अनुमति हो, पर वे राज्यों की वितरण श्रृंखलाओं से पूरी तरह जुड़े हैं। इस कारण राज्य के एक प्रभावित हिस्से वाले बिजनेसों का प्रभाव अन्य पर भी पड़ता है जिससे अंततः पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। नियंत्रणों के कारण कर्मचारियों की उपस्थिति व उत्पादन प्रभावित हुआ है तथा कुछ क्षेत्र अधिकतम स्तर पर सक्रिय नहीं हो सके हैं। उदाहरणार्थ बैंगलुरू के अधिकांश आईटी कामगार लाकडाउन की श्रृंखलाओं के कारण शहर छोड़ चुके हैं और वे धीरे-धीरे ही वापस लौटेंगे। ऐसी समस्याओं से पुनर्जीवित हो रही अर्थव्यवस्था को मिली थोड़ी उपलब्धियां भी संकट में हैं। कार्पोरेट के पास पैसे की कमी बनी रहने के कारण बिक्री ने गति नहीं पकड़ी है तथा मांग कमजोर बनी हुई है। इस कारण एमएसएमई के लिए बेलआउट हेतु निर्धारित धनराशि भी पूरी तरह खर्च नहीं हो सकी है। कुछ लोग 2020 को खोया हुआ वर्ष मानते हैं। ये समस्यायें अगले वर्ष थमने की उम्मीद है, लेकिन अर्थव्यवस्था में पूर्ण बहाली की प्रक्रिया 2022 के पहले नहीं शुरू होगी। लेकिन इसके उलट कुछ लोगों को विश्वास है कि अर्थव्यवस्था में पुनः उछाल आएगा और आंकड़े भले ही पहले जैसे न हो सकें, पर वे काफी अच्छे होंगे। अनेक लोगों को शेयर बाजार में उछाल की उम्मीद है। कुछ चीजों के शेयरों में शुरुआती गिरावट के बाद अब स्थिरता आई है और दीर्घावधि में इनके और सुधरने की उम्मीद है। कोविड-19 के कारण मांग और सप्लाई श्रृंखला में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। यही स्थिति अनेक क्षेत्रों में होगी और समग्र रूप से अर्थव्यवस्था को स्थिर होने में थोड़ा समय लगेगा। सरकार के दीर्घकालीन ढांचागत सुधारों तथा आरबीआई द्वारा सहायता व स्टीमुलस पैकेजों के बाद अनेक निवेशक दीर्घकालीन दृष्टिकोण से लाभ उठाने के प्रयास में परिसंपत्तियों का आबंटन कर रहे हैं। हालांकि, अधिकांश भारतीयों ने वायरस के साथ रहने की तैयारी कर ली है, पर कुछ देशों की प्राथमिकतायें अलग हैं। उनका कहना है कि वायरस बार-बार लौटता रहेगा। 1919-1920 की स्पैनिश फ्लू महामारी से यही सबक मिलता है कि इसे समाप्त होने में थोड़ा समय लगेगा। उस समय भी वैक्सीनों का अस्तित्व नहीं था। लेकिन संक्रमण समाप्त होने में ज्यादा समय लगने के साथ अर्थव्यवस्था की समस्यायें भी बनी रहेंगी। क्या 2021 भी संघर्ष करते हुए बीतेगा? वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने अनुमान लगाया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2020-21 में 10.5 प्रतिशत सिकुड़ सकती है। लेकिन भारतीय उद्योग संघों को उम्मीद है कि लगातार सरकारी समर्थन से आर्थिक वृद्धि हो सकती है।

नियंत्रण रेखा पर चीन की जिद

एक परिदृश्य यह हो सकता है कि पीएलए डेपसांग को छोड़ कर टकराव के अधिकांश बिंदुओं पर पीछे हट जाए, लेकिन शायद इसके लिए वह चुशुल पहाड़ियों से भारतीय सेनाओं के हटने की शर्त पर जोर दे।

अशोक के मेहता
(लेखक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

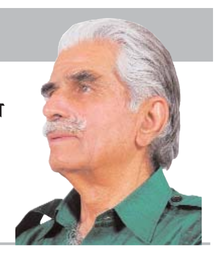

सात सप्ताह के गतिरोध के बाद सोमवार को भारत-चीन के बीच टकराव दूर करने की प्रक्रिया-डीडीपी एक नए सैनिक-राजनयिक फार्मेट में बहाल हुई। अप्रैल-मई में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए ने एलएसी पर अनेक स्थानों पर घुसपैठ का प्रयास किया। चीन ने 40,000 सैनिक एकत्र किए और भारत ने भी उसका मुकाबला करने के लिए इतने ही सैनिक तैनात किए। शुरुआती डीडीपी के बावजूद गलवान में टकराव के पश्चात और सैनिकों को लामबंद किया गया। चीन की इच्छा वाली डीडीपी से भारतीय सेनाओं को नुकसान होता, उनको बफर क्षेत्र बनाना पड़ता तथा गलवान, हाट स्प्रिंग-घोघरा, डेपसांग व पैगांग झील क्षेत्रों में अपनी गश्त छोड़नी पड़ती। लेकिन भारत ने पैगांग झील के दक्षिण और उत्तर में कैलाश पहाड़ी को केन्द्र बना कर मुखपारी में कार्रवाई की जिसमें निर्वासित तिब्बतियों वाली स्पेशल फ्रंटियर फोर्स ने प्रमुख भूमिका अदा की। इसके साथ ही फिंगर्स क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर कार्रवाई की गई। इससे पीएलए घबरा गई क्योंकि चीनी और भारतीय विदेश मंत्रियों के बीच मास्को में पांच बिंदुओं वाली सहमति लागू होने के पहले ही मुखपारी टकराव का नया बिंदु बन चुका था। कुछ दिन पहले इसी मंच पर दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच बातचीत हुई थी। पिछले 45 वर्षों में पहली बार बिना हथियारों के दोनों देशों के सैनिकों के बीच टकराव से सैनिक हताहत हुए तथा चेतावनी के रूप में गोलीबारी हुई।

एलएसी की स्थिति पर संसद के दोनों सदनों में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएलए घुसपैठ के आंकड़ों की चर्चा नहीं की। उन्होंने यह संकेत दिया कि खुफिया सूचनाओं व सीमा पर सैनिक निगरानी के कारण चीन का आक्रमण या घुसपैठ रोकी जा सकी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 जून को बयान दिया था कि चीनी सैनिकों ने घुसपैठ नहीं की है और भारतीय भूमि पर कोई चीनी सैनिक नहीं हैं। बीजिंग ने भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान का लाभ उठाने का प्रयास किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लाकडाउन में भारतीय सैनिकों को पीएलए ने गश्त करने से रोकने का प्रयास किया था। हालांकि, उनके बयान में यथास्थिति बहाल करने -आरएसक्यूए व डेपसांग का कोई उल्लेख नहीं था। यह स्थान रणनीतिक रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथा घुसपैठ की आशंका वाला बना हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह भी स्वीकार किया है कि वे सैनिक कमांडरों के बीच बातचीत के सकारात्मक परिणाम की गारंटी नहीं दे सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह संकेत दिया कि वार्ता की पिछली अंतिम तिथि 2 अगस्त को डीडीपी लगभग ध्वस्त हो चुकी थी।

ऐसा लगता है कि भारत की बातचीत की रणनीति में गंभीर कमी है। दोनों पक्षों द्वारा जारी किए बयानों में चीन ने कभी आरएसक्यूए की बात नहीं कही और केवल सीमा क्षेत्रों में शांति और सद्भावना बहाल करने की बात करता रहा। उसने कभी एलएसी शब्द का प्रयोग भी नहीं किया है। भारतीय पक्ष ने भी औपचारिक बयानों में आरएसक्यूए की बात नहीं कही है, बल्कि उसने टकराव को पूर्ण रूप से समाप्त करने पर जोर दिया है। डेपसांग के उल्लेख से भी बचा गया है। चीन ने सीमा संबंधी सभी प्रोटोकाल, खासकर 1993 व 1996 के समझौतों का उल्लंघन किया तथा एलएसी की अवधारणा बदली क्योंकि इसका जमीन पर सीमांकन नहीं हुआ था। इसके बजाय उसने नवंबर 1959 में दावा की गई रेखा को पश्चिम की ओर और खिसकाने का काम किया। मजबूत सैनिक शक्ति के कारण उसने अपरिभाषित एलएसी का फायदा उठाने के लिए राजनयिक रूप से दबाव डाला। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने बार-बार कहा है कि भारत को पहले 1959 की चीनी दावा रेखा माननी होगी और ऐसा न होने पर उसे युद्ध का सामना करना पड़ेगा।

मास्को में विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले पीएलए ने भारत को चुशुल पहाड़ियों की चोटियों से हटाने का प्रयास किया। इसमें 30 किलोमीटर लंबी कैलाश रेखा पर अनेक महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं जिनके निकट पीएलए की मोल्डो गैरिज़न व स्पैंगुर गैप स्थित है। पहाड़ों की ये चोटियां एलएसी के भारतीय पक्ष में हैं और चीन द्वारा भारतीय सेना पर घुसपैठ के आरोप गलत हैं। इस प्रकार पीएलए ने पठार पर टकराव का नया बिंदु बनाया है जो मुखपारी से 300 मीटर दूर तथा 200 मीटर नीचे है जो किनारे का सबसे ऊंचा बिंदु है। सवाल है कि स्पेशल फ्रंटियर फोर्स-एसएफएफने पूरे पठार पर कब्जा क्यों नहीं किया। दोनों पक्षों के बीच वार्ताओं में मुखपारी डीडीपी में टकराव का नया बिंदु बन गया है। पिछले पांच महीनों से पूर्वी लद्दाख के पठार पर स्थिति अस्थिर बनी हुई है। ऐसे में तार्किक रूप से चीन का इरादा समझा जा सकता है कि उसने भारतीय क्षेत्र पर सैनिक कब्जे की योजना बनाई थी। अब वह टकराव समाप्त करने तथा सैनिक रूप से लाभ की स्थिति से पीछे हटने से इनकार कर रहा है। अतीत में उसने 1986 में सोमडांग छू, 2013 में डेपसांग, 2014 में चुमार तथा 2017 में डोकलाम में यही किया है। भारत को अभी विश्वास है कि आखिरकार चीन पीछे हट जाएगा और उसके सैनिक छावनियों में लौट जाएंगे।

लगता है कि भारतीय सैनिकों द्वारा चीन व भूटान के बीच विवादित डोकलाम में सीमा पार कर पीएलए को चुंबी घाटी में भारत-भूटान-चीन के बीच विवादित त्रिकोण पर सड़क बनाने से रोकने के कारण चीन नाराज है। चीन ने भारत के इस साहस को आक्रामकता तथा चीन को चुनौती के रूप में देखा। चीनी मीडिया ने उसी समय उल्लेख किया था कि बीजिंग भारत को अपमानित करने का मौका तलाश रहा है। डोकलाम के साथ ही चीन ने एक और घटना को अपने लिए चुनौती समझा। भारतीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में अक्साई चिन को मुक्त कराने की जो प्रतिज्ञा की उससे चीन को गहरा धक्का लगा। इसका अर्थ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का 'चीनी सपना' टूटना था। भारत को मिंग राजवंश के समय की काल्पनिक भारत-चीन सीमा पुनर्जीवित करने का शी जिनपिंग का सपना अवश्य तोड़ना चाहिए। उसे एक न्यायोचित व परस्पर स्वीकार्य सीमा समझौते की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। दोनों देशों की शक्तियों व क्षमताओं में असमानताओं को देखते हुए यह काम कठिन लगता है। चीन ने भारतीय सेना की तीन अतिरिक्त डिवीजनों की तैनाती को मजबूर कर भारत के लिए समस्या बढ़ाई है। लद्दाख के ऊंचे स्थानों में एलएसी पर इस लगातार तैनाती पर भारी खर्च होगा।

चीन अपने दावों और तैनाती के माध्यम से भारत पर दबाव डालने तथा उसकी असावधानी की प्रतीक्षा कर रहा है। उसने अपनी पांच थियेटर कमांडों में से चार की तैनाती पूर्वी चीन सागर, दक्षिण चीन सागर, ताइवान व जिनजियांग तथा भारतीय सीमा के निकट तिब्बत के शत्रुतापूर्ण मोर्चों पर की है। पीएलए की सैनिक शक्ति तथा उसके जमे रहने का गलत अनुमान लगाना ठीक नहीं होगा। उसकी ऊंचे पहाड़ों में युद्ध करने की क्षमता है तथा वह आवश्यकता होने पर भारतीय सैनिकों के मुकाबले 6 गुना सैनिक तैनात कर सकता है। वह पहाड़ियों की चोटियों पर कब्जावर भारतीय सैनिकों को वहां से हटाना चाहता है।लेकिन चीन युद्ध शुरू नहीं करना चाहता है। वह क्षेत्रों पर अपने द्वारा किए कब्जों से संतुष्ट है। भारत ने कहा है कि वह आत्मरक्षा में आक्रमण कर सकता है। चीफ आफ डिफेंस-सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने राजनय विफल होने पर सैनिक विकल्प की धमकी दी थी। डीडीपी से एक परिदृश्य यह उभरता है कि पीएलए डेपसांग को छोड़ कर अधिकांश टकराव बिंदुओं पर मूल स्थितियों तक लौटने के लिए तैयार हो सकती है, लेकिन इसके लिए वह भारतीय सैनिकों द्वारा चुशुल पहाड़ियां खाली करने की शर्त लगा सकती है। अभी पूर्ण आरएसक्यूए की संभावना नहीं है। इसकी संभावना नवंबर में रियाद में जी20 बैठक के समय तीसरी शी-मोदी शिखर वार्ता के बाद हो सकती है। ऐसा न होने पर टकराव लंबे समय तक जारी रहेगा, जब तक कि शी जिनपिंग अपना लद्दाख सपना छोड़ने पर मजबूर न हो जाएं।

संकट काल में योगी की विकासोन्मुख पहल

अनिल सिंह
(लेखक एक स्तम्भकार हैं)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब राज्य में फिल्म सिटी बनाने की घोषणा की तो तमाम फिल्मी हस्तियों ने बेहद उत्साह दिखाया। उत्तर भारत की बड़ी आबादी की उम्मीद योगी आदित्यनाथ से जुड़ गई है। इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने बाकायदा वीडियो जारी कर योगी आदित्यनाथ का आभार जताया, और ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि बॉलीवुड की एक बड़ी आबादी अंडरवर्ल्ड और ड्रग माफिया की घुसपैठ से तबाही एवं दहशत की आगोश में है। अब उसे भी एक ऐसे विकल्प की तलाश है, जहां माफिया और दशहत की गुंजाइश कम से कम हो। बीते तीन साल में योगी ने उत्तर प्रदेश के संगठित अपराध को जिस तरीके से खत्म किया है, उसने बॉलीवुड को भी भरोसा दिया है कि उत्तर प्रदेश उनके लिये सुरक्षित वर्क प्लेस बन सकता है।

बीते तीन दशक में यूपी में राजनीतिक दलों के आंखों के तारे बनकर अपराध के जरिये अरबों का अवैध साम्राज्य खड़ा करने वाले मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद समेत तमाम अपराधियों का काली कमाई का किला जिस तरीके से ढहाया जा रहा है, वैसा योगी आदित्यनाथ के सीएम बनने से पहले सपने में भी नहीं सोचा जा सकता था। पिछले तीन साल में यूपी की छवि में जो सुधार दिखा है, उसका उदाहरण है कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी दूसरे पायदान पर खड़ा हो गया है। इस तथ्य से शायद ही कोई अंजान हो कि आतंकी दाऊद इब्राहिम समेत अंडरवर्ल्ड के कई नामचीन माफियाओं का कालाधन बॉलीवुड में लगा हुआ है। आफगानी अब्दुल करीम शेर खान उर्फ करीम लाला से शुरू हुआ यह सफर अब दाऊद इब्राहिम के चंगुल में है, जिससे बाहर निकलने की छटपटाहट निर्माता-निर्देशकों को आतंकमुक्त यूपी में खींच सकती है। आजादी के बाद के दशक में हेलन के पैसे लेकर भागने वाले पीएन अरोड़ा से पैसे दिलाने के नाम पर तस्कर करीम लाला बॉलीवुड के संपर्क में आया फिर, यहीं से शुरू हुई बॉलीवुड में माफिया की घुसपैठ। करीम लाला दिलीप कुमार का भी करीबी बन गया। उसने फिल्मों में पैसा लगाना शुरू किया, लेकिन यह असंगठित था।

करीम लाला को तब इतनी समझ भी नहीं थी कि वह अपने काले धन को फिल्मों के जरिये सफेद कर सकता है। अंडरवर्ल्ड और बॉलीवुड के नेक्सस को संगठित तरीके से तैयार करने का काम हाजी मस्तान ने किया। अपराध से आये धन को सफेद करने के लिये उसने फिल्मों में पैसे लगाने शुरू किये। अभिनेत्री सोना के प्यार में वह बॉलीवुड के और अधिक नजदीक आ गया। हाजी मस्तान से तमाम फिल्मी सितारों के दोस्ती की चर्चा आम लोगों के जुबान पर थी। फिल्म उद्योग को भी समझ में आ गया कि सिनेमा बनाने के लिये अंडरवर्ल्ड से मनचाहा पैसा मिल सकता है, माफिया भी समझ गये कि उनका काला धन फिल्मों के जरिये सफेद हो सकता है। दोनों की जरूरतें इन्हें साथ ले आईं और इस तरह शुरू हो गया अंडरवर्ल्ड का बॉलीवुड में हस्तक्षेप। इस नेक्सस ने फिल्म उद्योग को पैसा तो मिला लेकिन उन पर माफिया हावी हो गये। दाऊद इब्राहिम के उभरने के बाद तो माफिया का असर केवल पैसों तक ही सीमित नहीं रह गया। दाऊद ने अपना हस्तक्षेप फिल्मी स्क्रिप्ट से लगायत कलाकार के चयन तक बढ़ा दिया। फिल्मों के जरिये अपराधियों एवं एक खास वर्ग का महिमामंडन तक किया जाने लगा।

सोची समझी रणनीति के तहत भारतीय संस्कृति पर भी सिनेमा के माध्यम से हमले किये जाने लगे। दाऊद ने अपना नेटवर्क इतना संगठित कर लिया कि उसके निर्देश के बिना फिल्म उद्योग में एक पत्ता तक नहीं हिल सकता था। पिछले दरवाजे से फिल्म वितरण पर भी उसने एकाधिकार कर लिया। इसी का परिणाम है कि कई सितारे गाहे बगाहे देश विरोधी बातें करते रहते हैं। कई फिल्मी हस्तियां उसके एक इशारे पर उसके दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचती रहीं। दाऊद का नाम मंदाकिनी और अनिता अयूब से भी जुड़ा। मुंबई बम धमाकों के बाद देश छोड़कर भागने को मजबूर हुए दाऊद की पकड़ इसके बाद भी बॉलीबुड पर कमजोर नहीं पड़ी। उसने बॉलीवुड नेटवर्क संभालने का काम अबू सलेम, छोटा शकील जैसे गैंग अन्य सदस्यों को सौंप कर, खुद ड्रग्स, असलहों और रीयल इस्टेट के धंधे में व्यस्त हो गया। बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड के दशहत के बीच कई अभिनेत्रियों के नाम भी अपराधियों से जुड़े। मोनिका बेदी पुर्तगाल में अबू सलेम के साथ पकड़ी गई तो ममता कुलकर्णी काम नाम ड्रग्स माफिया विक्रम गोसवई उर्फ विक्की गोस्वामी से जुड़ा।

एक दौर के बाद बॉलीवुड अंडरवर्ल्ड के चंगुल से निपटने के लिये छटपटाने लगा। टी सीरीज के गुलशन कुमार भी इसी प्रयास के तहत नोएडा में फिल्म सिटी स्थापित करने की योजना बनाई, लेकिन 1997 में उनकी निर्मम हत्या ने उनके सपनों को खत्म करने के साथ ही फिल्म जगत को हिलाकर रख दिया। इस हत्याकांड से फिल्म उद्योग उरबने का प्रयास कर ही रहा था कि 21 जनवरी 2000 को राकेश रोशन पर हुए हमले ने बुरी तरह झकझोर दिया। दो गोलियां लगने के बावजूद राकेश रोशन बच गये, लेकिन सिनेमा उद्योग बुरी तरह दहशत में आ गया। ऐसे ही एक जांच में सामने आया था कि क्लैप ब्वॉय का काम करने वाले नाजिम रिजवी ने 12 करोड़ की लागत से सलमान खान और प्रीति जिंटा के साथ चोरी चोरी चुपके चुपके फिल्म बनाई थी, जिसमें दाऊद के सहयोगी छोटा शकील का पैसा लगा है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जो फिल्मी चकाचौंध और चमक के पीछे की कलई खोलते हैं। देश के बाहर रहकर भी ये माफिया मुंबई के फिल्म उद्योग को संचालित कर रहे हैं, और कोई सरकार इनके नेटवर्क को खत्म करने का साहस नहीं दिखा पा रही है, क्योंकि इस खेल में कई राजनीतिक दल और राजनेताओं की गोटियां भी बिछी हुई हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद जब नामचीन कलाकारों का ड्रग्स का कनेक्शन सामने आने लगा है, तब बॉलीवुड की एक भयानक तस्वीर उभरती दिखती है। मायानगरी में दाऊद के हस्तक्षेप का अंदाजा इसी बात से लगता है कि अनुपम खेर को 2016 में कहना पड़ा कि उन्हें राष्ट्रवाद की बात करने पर इंडस्ट्री में भेदभाव का शिकार होना पड़ रहा है। वह राष्ट्रवाद का तमगा लगने के बाद एक तरह से जॉबलेस हो गये हैं।

फरमाया

तनाव बढ़ने का खतरा है क्योंकि भारत पाक के खिलाफ आक्रामकता को सही ठहराने के लिए नए सिरे से कार्रवाई कर सकता है।

– शाह महमूद कुरेशी
पाक विदेश मंत्री

पेय जल उपलब्ध कराने के आवरण तले प्रस्तावित मिकीदातू जलाशय जल के प्रवाह को अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएगा।

– एम के स्टालिन
द्रमुक प्रमुख

सुधार जितनी मजबूती से हो सके तथा अर्थव्यवस्था को नुकसान सीमित हो यह सुनिश्चित कराने के लिए हम सभी उपाय करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

– जेरोम पावेल
फेडरल रिजर्व अध्यक्ष

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पेरिस जलवायु सम्मेलन का जिक्र करते हुए भारत को अगले 10 सालों में कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में कमी करने और साथ ही साथ कोयला उत्पादन में कमी करने को कहा है। बताते चलें कि जी-20 देशों में भारत सबसे कम प्रति व्यक्ति प्रतिशत उत्सर्जन करता है। आगे के बीच 30 सालों में बिजली उत्पादन में भारत के पारंपरिक स्त्रोत मुख्य रोल अदा करेंगे। अभी भारत कार्बन स्थिरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। नए-नए ऊर्जा स्त्रोतों से 2030 तक 50त्न बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। लॉकडाउन के समय हमने देखा था कि कई रिपोर्टों के अनुसार भारत में कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में काफी कमी आई थी लेकिन जैसे-जैसे लॉक डाउन खुलता गया तो उत्सर्जन की मात्रा में इजाफा देखने को मिला। अगर भारत 2020 के बाद कोयला उत्पादन में कोई निवेश नहीं करेगा तो वह कहीं ना कहीं भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। इससे एक घाटा और होगा कि भारत में औद्योगिकीकरण की रफ्तार में कमी आएगी। भारत अभी एक विकासशील देश है, और आगे के सतत विकास के लिए भारत को नवीनीकरणीय ऊर्जा विकल्प को अपनाना होगा।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

फिल्म जगत का परिष्करण जरूरी

कोई 7 साल पहले एक प्रमुख टीवी चैनल ने स्टिंग ऑपरेशन द्वारा ये सत्य देश के सामने ला दिया था कि अभिनेता शक्ति कपूर और अमन वर्मा कास्टिंग काउच (चलचित्र/ टीवी धारावाहिक में अभिनय का मौका देने के बदले यौन शोषण) में शामिल थे। उस समय पूरा फिल्म उद्योग गुस्से में लाल-पीला होकर उस चैनल पर बरसा था। कहा गया था कि यह फिल्मों को बदनाम करने की साज़िश है। आत्म-निरीक्षण के स्थान पर प्रत्याक्रमण करने के इस प्रयास ने अपने घर को साफ करने की कोशिश शुरू ही नहीं होने दी। कास्टिंग काउच वैसे ही चलता रहा। बाद में एक-एक कर कई महिला कलाकारों ने वही आरोप दोहरा। कई वरिष्ठ फिल्म निर्माताओं/ एक्टरों आदि की पोल खोली गई। किन्तु सामान्य लोगों को विश्वास हो गया कि दाल में काला अवश्य है। जिन कलाकारों को वे अपना रोल मॉडल मानते आये थे, उनकी नज़रों से गिरने लगे। मी टू अभियान द्वारा कई महिला कलाकारों ने बड़े और स्थापित नामों की कलई खोली। कुछ मामले अदालत में भी गए। किन्तु पुष्ट साक्ष्यों के अभाव में तमाम बड़े लोग छूट गए। इस कारण इंडस्ट्री और अधिक मुहफट और बेशर्मी से खुद का बचाव करने वाली बन गई है।

– **आस्था गर्ग**, बागपत रोड, मेरठ

कृषि को मजबूती मिलेगी!

नवीनतम कृषि विधेयकों की देश में चर्चा हो रही है। विपक्षी दल इसके विरोध में किसानों को बरगला कर देश के कुछ राज्यों में अशांति का माहौल पैदा करने की जुगत में है। एनडीए के घटक दल के एक मंत्री ने तो इसके विरोध में अपने मंत्री पद से इस्तीफा भी दे दिया है। हमारे देश में स्वतंत्रता के बाद भी ब्रिटिश कालीन किसानों के हर स्तर पर शोषण की नीति ही कमोबेश जारी है। हालांकि पंचवर्षीय योजनाओं, हरित क्रांति और श्वेत क्रांति जैसे प्रयोगों से हालात में सुधार हुए पर छोटी जोत के सूखी भूमि वाले किसानों को कोई विशेष राहत नहीं मिल सकी। उनके लिए तो कृषि कार्य आज भी मानसून का जुआ ही साबित हो रहा है। प्राकृतिक आपदा और कीट पतंगों के प्रकोप से जो उपज बचती है उसमें से आढ़तियों, दलालों, व्यापारियों का कमीशन एवं मंडी टैक्स अदा करने के बाद उपज की जो कीमत किसान को मिलती है उसे देखकर अपने भाग्य को कोसने के सिवाय उसके पास कोई चारा नहीं रह जाता। समर्थन मूल्य पर अपनी उपज को बेच पाना भी सभी काश्तकारों के लिए संभव नहीं हो पाता है।

– **ललित महलकारी**, इंदौर

जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल कई स्वास्थ्य केन्द्रो के साथ साथ कई गांवो मे स्वास्थ्य सेवाए बुरी तरह प्रभावित

स्वास्थ्य कर्मियों के हडताल | **विधायक ने संविदा कर्मचारियो के मांग का समर्थन कर नियमितिकरण के लिए मुख्यमंत्री भुपेश को लिखा पत्र**

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छ.ग. प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ प्रांतीय आव्हान पर जिले से एनएचएम व एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी एक सूत्रीय मांग छ.ग. राज्य के 13000 स्वास्थ्य कर्मियों के नियमितिकरण को लेकर लगातार हडताल मे है। बुधवार को भी जिले के स्वास्थ्य संविदा कर्मचारी बडी संख्या मे जिला मुख्यालय पहुच हडताल किये तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगो के लिए हल्ला बोला। तथा जिले के समस्त संविदा कर्मचारी नियमितिकरण मांग एवं हड़ताल को दबाव बनाके समाप्त करने के उद्देश्य से संघ के प्रांताध्यक्ष की बर्खास्तगी एवं एफआईआर की कार्यवाही के विरोध मे अपना सामूहिक त्याग पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के आवक-जावक शाखा मे दिए। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के त्याग'पत्र दे देने से ऐसा लग रहा है कि इनका आंदोलन लंबा चलने वाला हैं। इनके हड़ताल के कारण जिले मे स्वास्थ्य सेवाए बुरी तरह से प्रभावित है। आम जनता को स्वास्थ्य सेवाए नहीं मिल पा रही हैं। जिले के जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रो मे लोगो को स्वास्थ्य सेवाए नही मिल पा रही हैं। लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटक रहे हैं। जिले के कई स्वास्थ्य केन्द्रो मे ताला लगा हुआ है । लोग टीकाकरण एवं गर्भवती महिला जांच जैसे मुख्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटक रहे है। संविदा कर्मचारियो के बेमियादी हडताल से जिले मे कोरोना जांच लगभग ठप हो गया है जिसके कारण कोविड-19 पाजीटीव केस मे कमी आई है। जांच कम होने से जिले मे कोरोना विस्फोट होने की संभावना है। कलेक्टर के बर्खास्तगी पत्र का भी जिले के कर्मचारियों पर कोई असर नही हुआ। जिला ईकाई के संघ अध्यक्ष पुरन दास एवं उपाध्यक्ष डॉ प्रीति ठाकुर , संजय तिवारी ने बताया कि हम पुरे छ.ग. प्रांत मे शांतिपूर्ण ढंग से अपनी एक सूत्रीय मांग नियमितिकरण के लिए हडताल कर रहे है। शासन द्वारा हमारे हडताल को शिथिल करने के लिए हमारे संघ के प्रांताध्यक्ष एवं कई जिलो के कार्यकारिणी सदस्यों को सेवा से बर्खास्त कर दण्डात्मक कार्यावाही की गई है जिसके विरोध मे हमने सामुहिक त्याग-पत्र दे दिया है। हमारी मांग नियमितिकरण को जब तक सरकार पुरा नही करती तब तक हडताल जारी रहेगा।

इधर विभिन्न अधिकारी/कर्मचारी संघ के साथ-साथ विभिन्न संगठनो का समर्थन स्वास्थ्य संविदा कर्मचारियों को मिल रहा है। सोमवार को स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ छत्तीसगढ. के बेमेतरा जिला अध्यक्ष छ.ग.प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष को पत्र लिख नियमितिकरण मांग के लिए समर्थन दिया है। वही छत्तीसगढ संयुक्त अनियमित कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष नरेश साहू ने संघ जिलाध्यक्ष को पत्र लिख मांग को जायज बताते हुए समर्थन दिया है साथ ही जरूरत पडने पर नियमितिकरण के लिए मैदान मे कुदने की बात कहा हैं।

बुधवार को संघ के जिला अध्यक्ष पुरन दास एवं उपाध्यक्ष संजय तिवारी के साथ डॉ ब्रजेश दुबे, डॉ डोमन यादव, डॉ प्रकाश रातडे, डॉ. तेज साहू, चंद्रकुमार देवांगन, सुनील पात्रे, यशवंत भारद्वाज, दीपक वर्मा, बलवंत बंजारे आदि ने बेमेतरा विधायक आशिष छाबडा से मिलकर अपनी मांगो से अवगत कराया। विधायक द्वारा संविदा स्वास्थ्य कर्मचारीयो की मांग नियमितिकरण के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा गया।

खर्रा और सोड़ में भारी भरकम बिजली बिल आने से परेशान ग्रामीण, एकल बत्ती का 2 हजार तक बिल आना दुःखद

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेमेतरा जिला में लगातार भारी भरकम बिजली बिल आने से आम नागरिक परेशान है। संकट के इस दौर में लोगो का गुजारा मुश्किल से चल रहा है। उसमें से भारी भरकम बिजली बिल नागरिकों का जीना दूभर कर दिया है। बेमेतरा जिला में भारी बिजली बिल आने की शिकायत लगातार मिल रही है।

अंकुर समाज सेवी संस्था के प्रदेश संयोजक एवं जिला पंचायत बेमेतरा सभापति राहुल योगराज टिकरिहा ने बताया कि आज वो अपने दौरा के दौरान बेरला विकासखण्ड के ग्राम खर्रा और सोड़ पहुंचे जहां ग्रामीणों ने उन्हें भारी भरकम बिजली बिल आने से हो रही समस्या से अवगत कराया।

सभापति टिकरिहा ने जानकारी देते हुए बताया कि गॉव में 2 हजार रुपया से लेकर 20 हजार तक का बिजली बिल आया हुआ है। यहां तक कि जिसका एकल बत्ती है उनका भी बिजली बिल 2 हजार तक आया है। बेमेतरा जिला के विभिन्न गॉवो में भारी बिजली बिल आने की सूचना लगातार मिल रही है।

पिछ्ले बार कुसमी व आसपास के गॉव के बिजली बिल को अधिकारियों को वापस भी करवाया गया था। जिसमें सुधार किया गया था। आज ग्राम खर्रा और सोड़ के बिजली को एकत्रित कर बिजली विभाग को सुधार के लिए वापस भेजना है।

इस दौरान बहल राम, भागवत यादव, रोहन साहू, सूरज साहू, बलदाऊ निर्मलकर, सनत साहू, रवि कुमार साहू, बोधन कुमार, मोहित राम साहू, परमानंद साहू, मोहन लाल, बरसाती साहू, विनोद साहू, सनत, चिंता, बसंत, युवराज साहू, रूपन पात्रे, यशवंत साहू, मनहरण वैष्णव, डोमार साहू सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लगातार बेमेतरा जिला के गाँवों में भारी भरकम बिल थमाया जा रहा है, अभी मैं सोंड और खर्रा के ग्रामीणों से मिलकर उनके बिल को विद्युत विभाग में जमा करने कहा है। और कुछ बड़े बिल स्वयं एकत्रित किया हूँ बीसे विभाग को सौंपा जायगा।

- राहुल योगराज, टिकरिहा

निगम ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर, शिकायत के दूसरे दिन ही लिया एक्शन, शासकीय जमीन पर डंप की गई मुरम को किया गया जब्त

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई की टीम ने आज जुनवानी रोड स्थित शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध प्लाटिंग के लिए मार्ग संरचना तैयार करने वाले के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई की साथ ही दुखन बाई , धनीष, बुधारू, दुरगाहीन, मैना बाई, मानबाई, मनिका बाई बहोरिक के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही के लिए थाना प्रभारी स्मृति नगर को पत्र प्रेषित किया गया है, एफआईआर के लिए निगम के भवन निर्माण अधिकारी हिमांशु देशमुख ने थाना में शिकायत की है। भवन निर्माण अधिकारी ने थाना प्रभारी को प्रेषित पत्र में उल्लेख करते हुए लिखा है कि दुखन बाई एवं अन्य द्वारा खसरा नंबर 115/2 का अभिन्यास अनुमोदन सक्षम स्वीकृति प्राप्त किए बिना अवैध रूप से विखंडन कर विक्रय किया गया है, जोकि निगम अधिनियम में उल्लेखित धाराओं का उल्लंघन है! भूमि खसरा नंबर 47/2 दुखन बाई एवं अन्य के नाम से दर्ज है, इस खसरा पर अवैध प्लाटिंग कर भूमि विक्रय करने की मंशा से अभिन्यास तैयार किया गया है! इसलिए इनके विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए! इसके अतिरिक्त शंकराचार्य कॉलेज रोड जुनवानी की शासकीय जमीन पर रोड बनाने के लिए डंप की गई मुरम को जब्त किया गया। राजस्व विभाग के सहयोग से शासकीय जमीन का सीमांकन कर आधिपत्य में लिया जाएगा। एफआईआर दर्ज कराने के लिए प्रेषित पत्र के बाद शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करने वाले दोषियों के खिलाफ संपूर्ण जांच के पश्चात कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने एमआईसी सदस्य की शिकायत पर मंगलवार को जोन-1 आयुक्त सुनील अग्रहरि को शासकीय जमीन पर अवैध प्लाटिंग के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। जोन एक की टीम दुर्ग के तहसीलदार प्रीतम सिंह चौहान की मौजूदगी में भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख, सब इंजीनियर अरविंद शर्मा और एआरओ शरद दुबे के साथ मौका मुआयना किया।

पीड़ित लोगों ने गृह मंत्री व आई जी से की जांच की मांग। जांच अधिकारी बदलने की मांग

मारो अस्पताल का कारनामा उजागर होते ही पांच के खिलाफ अपराध दर्ज

पायनियर संवाददाता ◄ नवागढ़
www.dailypioneer.com

नवागढ़ ब्लाक के सरकारी कार्यालयों में यदि घोटाला हो रहा है तो मुंह बंद रखे अन्यथा यंहा की न्यायप्रिय पुलिस आपके खिलाफ अपराध दर्ज कर लेगी। नवागढ़ ब्लाक के मारो स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ आरएमए प्रीतिमा जांगडे ने मारो चौकी में यह अपराध दर्ज कराया है कि दस सितंबर को जितेंद्र तिवारी, लालाराम साहू विनय ठाकुर, कैलाश गायकवाड़ व पीटर खरे द्वारा मारो अस्पताल में जबरन घुसकर जातिगत गालीगलौज कर सरकारी कागजात इधर उधर फेंककर गोपनीय कागजो की फोटो ली। आरएमए की इस रिपोर्ट पर धारा 294 506 186 34 के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा के तहत अपराध बाईस सितंबर को दर्ज हो जाता है। इस मामले की गवाह है भोलाराम यादव राजेन्द्र टण्डन गणेश घृतलहरे बेनलाल कुर्रे भागवत भारती सभी को मारो नगर का निवासी बताया गया है।

यह है सच्चाई

मारो स्वास्थ केंद्र में दस सितंबर को नवागढ़ बीएमओ की उपस्थिति में जीवन दीप समिति की बैठक थी, इस बैठक में एक पुराने चौकीदार को रखने के लिए सभी सहमत थे, पर आरएमए सहमत नही थी। इसके बाद जीवनदीप समिति के मद से व्यय हुए कुछ पुराने बिल सामने आए, जिसमे यादव होटल मारो के बिल , खण्डसरा से कपड़ा खरीदी के बिल मारो के आसपास बहुत समूह होने के बाद भी देवगांव की समूह से छेवारी लड्डू खरीदी के बिल पर सवाल हुए। कुछ तस्वीर सार्वजनिक हुए सोलह सितंबर को विभाग के कर्मचारी सीएमएचओ से लेकर कलेक्टर तक शिकायत करने गए कि आरएमए की ड्यूटी नियमित नही है। सत्रह सितंबर को विभिन अखबारों में खबर प्रकशित हुई फिर दामन बचाने अंतिम उपाए आजमाने थाने में पांच के खिलाफ शिकायत हुई। नांदघाट पुलिस स्वतंत्र गवाहों से प्रेरित होकर पांच लोगो के खिलाफ मारो चौकी में अपराध दर्ज कर सीना चौड़ा कर लेती है। पूरे घटना को जिसने भी नजदीक से देखा उसे पता है।

चशमदीदों की जुबानी

' दस सितंबर को मारो अस्पताल में जीवमदीप सनीति की बैठक हुई जिसमें मैं था। किसी ने न गालीगलौज की न किसी को अपमानित किया। आरएमए को चौकीदार रखने समझाइश दी गई पर उसने उच्च अधिकारियों की भी नही सुनी।'
- डॉ एल डी ठाकुर, बी एम ओ नवागढ़

' मैं बैठक में था जो बाते एफआईआर में लिखी गई है यह सफेद झूठ है। इस एफआईआर से जनाक्रोश बढ़ेगा, किसी ने यह उम्मीद नही की थी हम आहत हैं।'
- माधो सिंह ठाकुर

फर्जी एफआईआर के खिलाफ गृह मंत्री और आईजी को पत्र

आरोपी बनाए गए जितेंद्र तिवारी, विनय ठाकुर, लालाराम साहू, कैलाश गायकवाड़ व पीटर खरे ने गृह मंत्री ताम्रध्वज साहु, आईजी दुर्ग, कलक्टर बेमेतरा एवं एस पी बेमेतरा को आवेदन देकर पूरे मामले की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है। तिवारी ने बताया कि जिन तीन लोगों को गवाह बनाया गया है वे तो बैठक में थे ही नही। अस्पताल की सीसी टीवी की जांच हो, तत्काल जब्त किया जाए। बीएमओ से पूछताछ किया जाए। सात दिन किसके सलाह पर शिकायत नही की गई।

झाल सोसायटी में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत, 16 लाख की हेरफेर का मामला

पायनियर संवाददाता ◄ बेमेतरा/नवागढ़
www.dailypioneer.com

नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम झाल स्थित सेवा सहकारी समिति पंजीयन मांक 1270 शाखा नवागढ़ में समिति अध्यक्ष सुखसागर साहू द्वारा मिलीभगत कर शासन के लाखों रुपए का नुकसान करने की शिकायत संयुक्त पंजीयक दुर्ग को की गई है । इसमें फर्जी बिल लगाकर शासन के लाखों रुपए की अनियमितता की शिकायत की गई है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिछले वर्ष 2019-20 में धान खरीदी के दौरान 8 लाख रुपए का रंग व सूतली , 5 लाख रुपए का तिरपाल खरीदा गया, इसकी भी जांच होनी चाहिए । धान खरीदी को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के नाम पर 17 दैनिक कर्मचारियों के नाम से 2.91 लाख रुपए का आहरण किया गया। शिकायत में बताया गया है कि सिर्फ 5 दैनिक कर्मचारी काम में लगाए गए थे। 4 महीने चले इस धान खरीदी में 80 हजार रुपए का चाय - नाश्ता भी किया गया। यानी सोसायटी में प्रतिदिन हजार रुपए का नाश्ता किया गया। क्योंकि वर्ष 2019-20 में हर महीने 18 से 20 ही धान खरीदी हुई है । शेष बचे 10 से 12 दिन रविवार और शनिवार व बारिश होने से धान खरीदी बंद थी। इस तरह से धान खरीदी केंद्र झाल में बीते साल 16.71 लाख रुपए खर्च किया गया। इसकी शिकायत विभागीय अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन इसकी जांच नहीं की गई है।

शिकायतकर्ता अश्वनी बाई ने बताया कि सेवा सहकारी समिति झाल में वित्तीय अनियमितता व भारी गड़बड़ी को लेकर बीते अगस्त महीने की 11 तारीख को संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं दुर्ग को लिखित में शिकायत की जा चुकी है लेकिन डेढ़ महीने गुजरने के बाद भी अब तक कोई जांच या कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतकर्ता अश्वनी बाई ने बताया कि सेवा सहकारी समिति झाल के समिति प्रबंधक व अध्यक्ष ने आपसी मिली भगत कर अनियमितता की है। फर्जी बिल लगाकर सोसायटी के सेविंग एकाउंट से लाखों रुपये का आहरण किया गया है। उपसरपंच रामचन्द्र साहू ने बताया कि झाल सोसायटी में वित्तीय अनियमितता का यह पहला मामला नहीं है।

सुपेला बाजार क्षेत्र के तीन दुकानों को निगम की टीम ने किया सील, 37 लोगों के खिलाफ की चालानी कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम की टीम ने चौथे दिन बुधवार को लाकडाउन के नियमों का उल्लंघन वाले 37 लोगों के खिलाफ 19800 रुपए की चालानी कार्रवाई की। आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर लॉक डाउन का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, अब टोटल लॉकडाउन पर भी निगम की पैनी नजर होगी, मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉक पर निकलने वालों पर भी कार्यवाही की जाएगी!

आज निरीक्षण के दौरान सुपेला बाजार क्षेत्र में तीन दुकानों को खुला पाए जाने पर सील बंद कर दिया गया। राकेश किराना, संजय मसाला और एक अन्य किराना लाकडाउन में दुकान खोलकर व्यावसाय कर रहे थे। जिसे जोन-1 आयुक्त सुनील अग्रहरि के निर्देश व भिलाई नगर तहसीलदार की उपस्थिति में सीलबंद करने की कार्रवाई की गई। जोन-1 के एआरओ शरद दुबे ने बताया कि सुपेला बाजार के राकेश किराना, संजय मसाला सहित एक अन्य किराना दुकान को सील बंद किया गया। तीनों दुकानदार को पहले भी लाकडाउन में दुकान न खोलने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद उन्होंने दुकान खोलकर व्यापार जारी रखा।

आज जोन आयुक्त के निर्देशानुसार पंचनामा तैयार कर तीनों दुकान को सील किया गया। पुलिस के जवानों के साथ संजय नगर सुपेला बाजार को बंद कराया गया। वहीं बिना मास्क के घूम रहे पांच लोगों से 1000 रुपए जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा नेहरू नगर में निर्धारित समय के बाद भी अंडा दुकान खुला पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई, यहां शिकायत यह भी थी कि अधिक दाम पर सामग्री का विक्रय किया जा रहा है। वेलमुगन किराना दुकान खुला पाए जाने पर 5 हजार अर्थदंड की कार्रवाई करते हुए दुकान को बंद कराया गया! जोन-4 वीर शिवाजी नगर की टीम ने वार्ड-34 स्थित मछली मार्केट को बंद कराया। छूट प्राप्त 11 दुकानदारों से मास्क नहीं पहनने पर 4800 रूपए जुर्माना वसूला किया गया। जोन-2 वैशाली नगर की टीम ने 5 लोगों से 8800 रुपए, जोन-3 की टीम ने 9 लोगों से 3700 रुपए और जोन-5 सेक्टर-6 की टीम ने सिविक सेंटर क्षेत्र में 7 लोगों से 1500 रुपए जुर्माना वसूला किया। टोटल लॉकडाउन पर निगम प्रशासन की रहेगी नजर।

कोरोना की जांच के लिए एंटीजन रैपिड टेस्ट की दर 900 रूपये रू आर टी पी सी आर की भी दरें निर्धारित

निजी पैथोलॉजी लैबों/अस्पतालों को पालन अनिवार्य

बेमेतरा। राज्य शासन ने निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में कोविड-19 की जांच के लिए आरटीपीसीआर तथा एंटीजन रैपिड टेस्ट की दरें तय कीं हैं। निजी लैबों और अस्पतालों में रैपिड एंटीजन टेस्ट के लिए 900 रूपए का शुल्क तय किया गया है। इसमें जांच, कन्जुमेबल्स, पीपीई किट इत्यादि शुल्क शामिल हैं। प्रदेश के लैबों/अस्पतालों में आर टी पी सी आर जांच के लिए 1600 रूपए की दर निर्धारित की गई है। जांच के लिए संभावित मरीज के घर से सैंपल संकलित किए जाने पर 1800 रूपए लिए जाएंगे।

राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 16 सितंबर को इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश के बाहर स्थित लैबों के लिए आरटीपीसीआर जांच की दर दो हजार रूपए निर्धारित की गई है। घर से सैंपल कलेक्शन किए जाने पर 2200 रूपए लिए जाएंगे। इन शुल्कों में सैंपल कलेक्शन, परिवहन, जांच, कन्जुमेबल्स, पीपीई किट इत्यादि सभी शुल्क शामिल हैं।

दोनों विभाग में तालमेल का आभाव

वन विभाग व वनविकास निगम की निष्क्रियता के चलते जंगल में लगातार हो रही सागौन पेड़ों की कटाई

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

विकासखंड के बैगा आदिवासी अंचल ग्राम मुनमुना, बंदौरा, जामूनपानी सहित आसपास क्षेत्र में सागौन सहित अन्य इमारती पेड़ों की अवैध कटाई जोरों पर है। सालों से हो रही अवैध कटाई पर वन विभाग व वनविकास निगम का मौन रहना आश्चर्यजनक है। एक ओर तो कृषक वन भूमि पर कटाई कर अवैध कब्जा कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर लकड़ी तस्कर इमारती लकड़ी विशेषकर सागौन की लकड़ी की अवैध कटाई कर उसे चोरी छुपे फर्नीचर बनाकर बेचने में निरंतर बेखौफ लगे हैं। यह भी सही हैं कि अवैध कटाई से लेकर फर्नीचर के निर्माण व बिक्री का पूरा कार्य खुलेआम चल रहा है। फिर भी वन विभाग व वन विकास निगम के अधिकारियों का आंख मूंदकर बैठना यह साबित करता है कि जंगलों की अवैध कटाई वन विभाग की सरपरस्ती पर खुलेआम चल रही है। जंगलों के संरक्षण संवर्धन तथा वनों की सुरक्षा के लिए केंद्र व राज्य सरकार प्रतिवर्ष क्षेत्र में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है किंतु पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने में वन विभाग व निगम पूरी तरह असफल रहा है या यूं कहें कि वन विभाग व वनविकास निगम अवैध कटाई व वन तस्करों के संरक्षण को लेकर कार्य कर रहा है।

वन सुरक्षा समितियां पंगु

शासन ने पर्यावरण को बढ़ावा देने वनों की सुरक्षा करने गांव-गांव में वन सुरक्षा समितियों का गठन भी किया है जो वनों की सुरक्षा के साथ साथ पर्यावरण जागरूकता के लिए भी कार्य करती हैं किंतु यहां तो वन सुरक्षा समिति सिर्फ कागजों में बनी हुई है।

रहमानकापा–गोंदवा गोडान के बीच जंगल में जारी है पेड़ों की अवैध कटाई

रहमान कापा, और कोदवा गोडान के बीच व आगे जंगल में पहाड़ी तक सैकड़ों नहीं हजारों की तादाद में सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की गई है। जिसके चलते वनों की हरियाली गायब होती नजर आ रहा है जिन पर वन विभाग ने कोरम पूर्ति है। इससे वन तस्करों के हौसले बुलंद हैं और अब वे सड़क किनारे के पेड़ों को काटकर परिवहन करने में लगे हैं।

दोनों विभाग में तालमेल का आभाव

वन विभाग व वन विकास निगम होने के कारण वन तस्वीरों को कोई दिक्क त नही हो रहा है वन विभाग निगम का क्षेत्र है करके चुप बैठा रहता है तो वनविकास निगम वन विभाग का क्षेत्र है करके कार्यवाही नही करता जो समझ से परे है बल्कि दोनों विभाग को तालमेल बैठाकर संयुक्त कार्यवाही करना चाहिए।

विद्यार्थियों के प्रतियोगी एवं अन्य परीक्षाओं के एडमिट कार्ड इत्यादि दस्तावेजों की सहायता के लिए, निगम में खुला अस्थाई काउंटर, टोटल लॉकडाउन के दौरान मिलेगी मदद

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने विद्यार्थी एवं परीक्षार्थियों को टोटल लॉकडाउन के दौरान सहायता पहुंचाने के लिए कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर निगम के जनसंपर्क विभाग में अस्थाई काउंटर की व्यवस्था कराई है! इस बाबत उपायुक्त अशोक द्विवेदी ने आयुक्त रघुवंशी के निर्देश पर आदेश जारी किया है जिसके मुताबिक प्रतियोगी एवं अन्य परीक्षाओं हेतु एडमिट कार्ड, इंजीनियरिंग कॉलेज एडमिशन की दशा में उनका कॉल लेटर, विधि मान्य परिचय पत्र इत्यादि की फोटोकॉपी की सुविधा/ऑनलाइन इंटरनेट प्रिंट आउट की सुविधा निगम के जनसंपर्क विभाग के द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी, इसके लिए जनसंपर्क अधिकारी पीसी सार्वा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है! टोटल लॉकडाउन के दौरान परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र इत्यादि की समस्या न हो इसके लिए निगम के जनसंपर्क विभाग में अस्थाई काउंटर स्थापित किया गया है! जहां कंप्यूटर से नेट प्रिंट एवं फोटो कॉपी की निशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी!

क्विक न्यूज

नगर निगम 24 से 30 तक रहेगा बंद

रायगढ़। जिला कलेक्टर के आदेशानुसार नगर पालिक निगम रायगढ़ के आयुक्त ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक के लिये कार्यालय बंद कर दिया है। ज्ञात हो कि जिला कलेक्टर भीमसिंह के आदेशानुसार कोविड 19 के मद्देनजर नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने जानकारी दिया कि दिनांक 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक के लिए कार्यालय बंद करा दिया गया है।

निधन

सीताराम शर्मा

सक्ती। शहर के प्रतिष्ठित मारवाड़ी रेस्टोरेंट एवं भोजनालय के संचालक एवं भाजपा नेता अभिषेक शर्मा गोलू एवं अक्षय शर्मा के पूज्य पिता श्री सीताराम का 24 सितंबर को आकस्मिक निधन हो गया,जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मारवाड़ी मुक्ति धाम शक्ति में किया गया, सीताराम शर्मा काफी मिलनसार एवं धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे, एवं उनके निधन पर लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है, सीताराम शर्मा अपने पीछे भरा पूरा परिवार बिलखता छोड़ गए, तथा वे पूर्व भाजपा शक्ति नगर मंडल अध्यक्ष पंडित नारायण प्रसाद शर्मा के अनुज भ्राता थे।

घनश्याम अग्रवाल

सक्ती। शहर की प्रतिष्ठित फर्म बालाजी ट्रेडर्स के संचालक जुगमंदर अग्रवाल के इकलौते सुपुत्र घनश्याम अग्रवाल पप्पू का दिल्ली में उपचार के दौरान आकस्मिक निधन हो गया,जिन्हें हवाई जहाज से रायपुर एवम रायपुर से सक्ति लाया गया, उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मारवाड़ी मुक्ति धाम शक्ति में 24 सितंबर को किया गया तथा घनश्याम अग्रवाल पप्पू के निधन पर लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए संवेदनाएं व्यक्त की है, एवं घनश्याम अग्रवाल पप्पू अपने पीछे भरा पूरा परिवार बिलखता छोड़ गए,घनश्याम अग्रवाल पप्पू के निधन पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश एवं जिला सहित स्थानीय पदाधिकारियों ने भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।

लॉकडाउन के पहले दिन सड़कें सूनी, दुकाने बंद

- **शहर के सभी चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात, बेवजह घर से निकलने वालों पर चालानी कार्रवाई के साथ साथ होगा एफआईआर दर्ज, सड़के सुनी व दुकानें रही बंद**

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिला कलेक्टर ने 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नगरीय निकाय क्षेत्रों को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। जहां आज पहले दिन लॉकडाउन में शहर की सड़के सूनी नजर आयी और जो बिना वजह घर से निकले उन्हें पुलिस ने रोक लिया। शहर के सभी चौक चौराहों पर पुलिस बल तैनात थे, जो हर किसी के पहचान पत्र को देखने के बाद ही आगे जाने दे रहे थे। पुलिस प्रशासन का यही कहना था कि लॉकडाउन के नियमों का पालन किया जाए। रायगढ़ जिले में हर दिन कोरोना संक्रमित मरीजों का आकड़ा बढ़ते ही जा रहा था, जो रायगढ़ जिले के लिए चिंता का विषय बन गया था। हालांकि प्रशासन की ओर से इस संक्रमण को रोकने के लिए जिले में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यही नहीं मरीजों की संख्या में कमी लाने के लिए मास्क व सेनेटाइजर का नियमित इस्तेमाल के लिए लोगों को जागरूक भी कर रहे थे, पर इसके बाद भी संक्रमित लोगों की संख्या में कमी नहीं देखी गई, तो प्रशासन ने फिर से लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया और जिले के समस्त नगरीय निकायों को दिनांक 24 सितंबर की प्रातः पांच बजे से दिनांक 30 सितंबर की रात 12 बजे तक की अवधि के लिए पूर्ण रूप से कंटेनमेंट जोन घोषित करते हुए दवाई दुकान, पेट्रोल पंप व कुछेक अन्य जरूरत की चीजों के लिए नियम व शर्तो के साथ निर्धारित अवधि तक संचालित किए जाने की छुट दी गई। इसके पहले तीन दिन का समय भी शहरवासियों को जरूरत की वस्तुए लेने के लिए दिया गया। अब आज सुबह पांच बजे से जिले के समस्त नगरीय निकायों में लॉकडाउन लग गया। ऐसे में सुबह से प्रशासनिक व पुलिस के अधिकारी लॉकडाउन का पालन कराने के लिए शहर की सड़कों पर उतर आए। लॉकडाउन का सख्ती से पालन हो सके, इस वजह से शहर के हर चौक चौराहों पर पुलिस के अधिकारी व जवान तैनात थे, जो हर आने जाने वालों से घर से निकलने का कारण पुछ रहे थे और आईकार्ड (पहचान पत्र)देखने के बाद ही उन्हें आगे जाने दे रहे थे। जो किसी बीमारी व दवाई के लिए अस्पताल व दवाई दुकान जा रहे थे, उनसे जानकारी लेने के बाद उन्हें जाने भी दिया गया। इस दौरान कुछेक ऐसे लोगों को भी पुलिस ने रोका, जो बिना कारण ही घर से निकले थे, जिन्हें पुलिस ने वापस घर जाने की सलाह देते हुए लॉकडाउन के नियमों का पालन करने की बात कही।

एसपी व कलेक्टर ने लिया जायजा

लॉकडाउन के पहले दिन शहर की सड़के सूनी रही। पुलिस बल जगह जगह तैनात थे। इसी बीच कलेक्टर भीम सिंह व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह भी लॉकडाउन की व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। पहले सतीगुड़ी चौक फिर केवड़ाबाड़ी बस स्टैंड, बाईपास रोड व शहर के कई मुख्य चौका चौराहों पर पहुंचे और लॉकडाउन का पालन कराने के लिए यहां तैनात बल को विशेष दिशा निर्देश भी दिए।

आज से लॉकडाउन लगाया गया है और बिना कारण कोई भी बाहर न निकले। कोई दुकान अगर निर्धारित समय अवधि से अधिक समय खुलती है, तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इधर उधर बिना कोई कारण से निकलता है तो उस पर भी कार्रवाई होगी। लॉकडाउन का पालन करे, तभी हम इस शहर में कोरोना पर काबू पा सकेंगे।
-भीम सिंह, कलेक्टर, रायगढ़

लॉकडाउन का पालन कराने के लिए पूरे जिले में बल तैनात किया गया है। बिना कारण घर से निकलने वालों की बड़ी संख्या में गाड़ियों का चालान काटा जा रहा है और गाईडलाईन का उल्लघंन करने एफआईआर भी दर्ज किया जा रहा है।
-संतोष कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, रायगढ़

नगर पंचायत खरौद ने दो सप्ताह में 83 हजार की गोबर खरीदी किया

पायनियर संवाददाता शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

गोधन न्याय योजना के तहत राज्य सरकार व्दारा स्थानीय निकायों के माध्यम से पूरे प्रदेश में गोबर खरीदी का कार्य किया जा रहा है इसी योजना के तहत नगर पंचायत खरौद व्दारा भी गोधन न्याय योजना शुभारंभ होने के बाद से नगर के किसानों से लगातार गोबर खरीदी कर रहे हैं। नगर पंचायत खरौद के लेखापाल अमित श्रीवास ने बताया की पिछले दो सप्ताह में नगर पंचायत ने 55 किसानों से कुल 83 हजार रूपये की गोबर खरीदी किया है और इसकी भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। वहीं किसानों का कहना है कि शासन व्दारा गोबर खरीदी करने से हम किसानों को मवेशी पालन में काफी राहत मिली है हम लोग गोबर बेचने से जो राशि प्राप्त होती है उसे हम लोग मवेशी के चारा पानी और देखभाल आदि व्यवस्था में खर्च करते हैं इससे हमारे मवेशी भी तंदरुस्त है और हम पर कोई अतिरिक्त आर्थिक भार भी नही पड़ रहा है। शासन की महत्वकांक्षी गोधन योजना की किसानों व्दारा काफी सराहना की जा रही लेकिन खरौद नगर में इस योजना का लाभ नगर के सभी किसानों को नही मिल पा रहा है, इस संबंध में नगर का एक किसान भूपेन्द्र यादव ने बताया कि खरौद नगर एक बहुत बड़ी बस्ती है जो पांच पारा में बटा हुआ है। शासन व्दारा खरौद नगर में गोबर खरीदी के लिए केवल एक केन्द्र सुकुल पारा में खोला गया है इस केन्द्र की दूरी अन्य पारा से अधिक होने के कारण अन्य पारा के किसान वहां पर गोबर बेचने नही पहुंच पा रहे है खरौद नगर यादव बाहुल्य बस्ती है और यहां के 80 प्रतिशत यादव परिवार के घरों में मवेशी है लेकिन शासन के गोधन योजन का लाभ केवल सुकुल पारा के किसानों को ही मिल पा रहा है नगर के अन्य पारा के किसानों को नही। भूपेन्द्र यादव का कहना है कि यदि शासन व्दारा खरौद के तिवारी और माझा पारा में और गोबर खरीदी केन्द्र खोलवाया तो नगर के सभी किसानो को गोधन न्याय योजना का लाभ मिलेगा।

13 गाय पर गाड़ी चढ़ाने वाले पर भाजयुमो नेता नामदेव ने कराया एफआईआर

पायनियर संवाददाता अकलतरा
www.dailypioneer.com

दिनांक 22-09-2020 को जांजगीर की ओर से आ रही ट्रेलर क्रमांक सीजी 04 एनए 6372 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अमरताल नहर के पास सड़क में बैठी गायो पर चढ़ा दिया, जिसकी सूचना भाजयुमो के अध्यक्ष पुरुषोत्तम नामदेव को ?ोन पर मिली,सूचना मिलते ही भाजयुमो अध्यक्ष पुरुषोत्तम नामदेव अपने साथी पिंटू बरेठ,रोहन साहू व अन्य के साथ घटना स्थल पर पहुचे,112 व अकलतरा थाना स्टाफ के सहयोग से वाहन चालक को घटना स्थल पर से सीधे थाना लाया गया,जहां पर पुरुषोत्तम नामदेव की रिपोर्ट पर वाहन चालक सुरेश पटेल के ऊपर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 279,429 के तहत कार्यवाही कर गा?ी और ड्राइवर को अकलतरा थाने में रखा गया है भाजयूमो नेता ने हमारे संवाददाता अतुल सिंह से कहा कि तेज गति से चलने वाले भारी वाहनों से रोजाना कई गौवंश शिकार होते है,वाहन चालकों द्वारा सड़क पर बैठी गायो को भगाने का प्रयास करने के बजाय तेज गति से गाड़ी चलाते हुए गाड़ी निकालना उचित समझा जाता है जिस वजह से ऐसी घटनाएं होते रहती है,हमने मामले पर कठोर कार्यवाही व गौ वंशो के उचित व्यस्थापन की मांग व भारी वाहनों के तेज गति से चलाने की शिकायत थाना प्रभारी से की है।

लॉकडाउन के पहले दैनिक श्रमिकों को कलेक्टर ने बांटे राशन पैकेट

- **राशन व मूलभुत सुविधाओं के लिये नगर निगम में बनाया गया है कंट्रोल रूम**

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के विस्तार के रोकथाम के लिए 24 सिंतबर से 30 सिंतबर तक जिले के नगरीय निकायों में कन्टेनमेंट घोषित किया है। इस अवधि में रायगढ़ नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत दैनिक मजदूरों को आगामी एक हफ्ते के लॉक डाउन के दौरान खाने पीने की समस्या न हो इसको ध्यान में रखते हुए कलेक्टर भीम सिंह ने जूटमिल बस स्टैंड में श्रमिकों को राशन पैकेट वितरित किया। नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय भी इस दौरान वहां मौजूद रहे। कलेक्टर भीम सिंह के निर्देश पर लॉकडाउन के दौरान दैनिक श्रमिकों को काम न मिल पाने की स्थिति में उनके सामने खाने का संकट न हो। इसके लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा दैनिक श्रमिकों को चिन्हांकित कर राशन पैकेट वितरण की व्यवस्था की गई। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि तकरीबन 250 लोगों को राशन बांटा गया है। जिसमें उन्हें चावल, दाल, आलू, प्याज, हल्दी, मिर्ची, मसाला, तेल, चना, सोया बड़ी के पैकेट बनाकर दिए गए। जो श्रमिकों के परिवार के लिए एक हफ्ते की आवश्यकता के अनुसार तैयार किये गए हैं। इस दौरान कलेक्टर भीम सिंह ने श्रमिकों से कहा कि कन्टेनमेंट जोन के घोषित नियमों का पालन करें। उनके लिए राशन व अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जाएगी। श्रमिकों के लिए मेडिकल कैम्प भी लगवाए जाएंगे। साथ ही शासन की अन्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें जोड़कर लाभान्वित किया जाएगा।

श्रमिकों ने भी जताया आभार- राशन प्राप्त करने दैनिक मजदूरों ने कलेक्टर भीम सिंह की इस पहल को सराहा और उनका आभार जताया। लोगों ने कहा कि राशन मिलने से एक बड़ी चिंता दूर हुई है।

जुआ फड़ पर पुलिस ने मारी रेड

- **10 जुआरी काट पत्ती खेलते पकड़ाये, 11,200 फड से बरामद**

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

खरसिया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो अलग-अलग जुआ फड़ पर कार्रवाई करते हुए 10 जुआरियों पकड़कर उनसे नगदी रकम के अलावा ताश पत्ती बरामद किया है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन थाना खरसिया की गस्त पार्टी द्वारा बीती रात 01.30 बजे मुखबिर सूचना पर ग्राम द्वारा ग्राम घघरा के लव कुमार राठौर के घर के सामने रोड़ लाईट के प्रकाश में काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे जुआरियों के दो फड़ की घेराबंदी कर जुआरियों को पकड़े। एक जुआ फड़ से जुआड़िआन गंगाधर राठौर पिता रामकृष्ण राठौर उम्र 30 वर्ष पुरानी बस्ती खरसिया, अजीत जायसवाल पिता संतोष जायसवाल उम्र 20 वर्ष निवासी अटल आवास खरसिया, चुणामणी राठिया पिता भूषण सिंह उम्र 36 वर्ष निवासी नहरपाली थाना भूपदेवपुर, नंदकुमार साहू पिता ईश्वरी लाल उम्र 25 वर्ष निवासी बसनाझर, लव कुमार राठौर पिता विश्वनाथ उम्र 41 वर्ष निवासी घघरा तथा दूसरे जुआ फड से जुआड़िआन अनिल उर्फ टिकेश्वर राठौर पिता धनेश्वर राठौर उम्र 27 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती वार्ड नं. 07 खरसिया, सियाराम भारद्वाज पिता रामकुमार उम्र 26 वर्ष निवासी तेलीकोट, संजय केंवट पिता सिंघारीलाल उम्र 26 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती खरसिया, लोचन साहू पिता गुलाब साहू उम्र 34 वर्ष निवासी खर्रा थाना छाल, अजय महंत पिता भगवान दास उम्र 36 वर्ष निवासी तेलीकोट को पकड़ा गया है।

जानकी काट्जू ले रही है सफाई कर्मियों की अनुपस्थिति का संज्ञान

- **वार्ड पार्षदों के शिकायतों पर महापौर हुई सक्रिय**

पायनियर संवाददाता रायगढ़
www.dailypioneer.com

नगर निगम रायगढ़ महापौर जानकी काट्जू ने वार्डो का सघन निरीक्षण कर पार्षदों से मुलाकात कर वार्ड की समस्याओं को जाना जिसमें अधिकतर शिकायतें सफाई कर्मियों की कमी बताई गई।

ज्ञात हो कि बुधवार को नगर पालिक निगम की महापौर जानकी अमृत काटजू ने वार्डो में लगातार आ रही शिकायतों को संज्ञान में लेकर प्रातः निरीक्षण करने निकले। वार्ड 45 एवम 41 के पार्षदों से मुलाकात कर समस्याओं की जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि सफाई कर्मी जिनकी ड्यूटी वार्डो में लगाई गई है अधिकतर अवकाश में रहते हैं वार्ड 45 के पार्षद नारायण पटेल ने बताया कि हमारे वार्ड में सफाई कामगार के अनुपस्थिति के कारण वार्ड की हालत बद्तर हो गई है। मैंने कई बार शिकायत की है महापौर ने सफाई कामगार को समझाइस भी दी हैं। साथ ही डायरी मेंटेन करने कहा। वहीं वार्ड 41 के पार्षद शांति सिदार एवम नवनियुक्त एल्डरमेन चंद्रेशेखर चौधरी ने भी सफाई कर्मी के छुट्टी मारने की वजह से सफाई में कमी बताई साथ ही एक सफाई कर्मी को बार बार अनुपस्थिति की समझाइस देने के बाद भी बाज नहीं आने पर हटा दिया गया।

महापौर ने बताया कि वार्ड 45 एवम 41 का निरीक्षण किए। उस दौरान सफाई दरोगा एवं सुपरवाइजर को सफाई व्यवस्था सही एवम नियमित करने तथा डायरी मेंटेन करने कहा गया। निरीक्षण दौरान एमआईसी सदस्य कमल पटेल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष शाखा यादव, अमृत काट्जू शामिल रहे।

सक्ती के भारतीय स्टेट बैंक में नहीं मिलती ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं

पायनियर संवाददाता सक्ती
www.dailypioneer.com

पूरे भारत देश में भारतीय स्टेट बैंक जहां अपने ग्राहकों एवं बैंक में आने वाले नियमित व्यापारियों को भी लेनदेन के दौरान बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं देने की बातें कहता है, किंतु जांजगीर-चांपा जिले के शक्ति शहर के भारतीय स्टेट बैंक शाखा में ऐसा कुछ नजर नहीं आता, तथा शक्ति शहर के बाराद्वार रोड में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा में जहां बैंक कर्मचारियों की हठधर्मिता के चलते अनेकों मर्तबा छोटे बड़े व्यापारियों तथा शहर तथा ग्रामीण अंचल से आने वाले बैंक के खाताधारकों से विवाद की स्थितियां निर्मित होती है,तो वहीं बैंक कर्मचारियों से होने वाले विवाद के बाद जब मामला शाखा प्रबंधक तक पहुंचता है तो शाखा प्रबंधक द्वारा मामले की स्थिति को देखते हुए संबंधित बैंक कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए जाते हैं, किंतु यह दुर्भाग्य ही है कि भारतीय स्टेट बैंक शक्ति शाखा के कर्मचारी शाखा प्रबंधक के दिशा निर्देशों का भी ऐसा लगता है कि सख्ती से पालन नहीं करते एवं विगत महीनों भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में छोटे बड़े व्यापारियों को होने वाली समस्याओं को देखते हुए व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने तत्कालीन शाखा प्रबंधक से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं से अवगत करवाया था, जिस पर तत्कालीन शाखा प्रबंधक द्वारा व्यापारियों के लिए बैंक परिसर में सेवाओं के नाम में कुछ अतिरिक्त व्यवस्थाएं लेनदेन के दौरान देने की भी बात करी थी, तथा इन सभी व्यवस्थाओं की वर्तमान समय में स्थिति देखा जाए तो व्यापारियों को भी आम खाता धारकों की तरह ही लंबी कतारों में लगकर लेनदेन करना होता है, जिससे जहां व्यापारियों को असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है एवं जब इन बातों से बैंक के कर्मचारियों को अवगत कराया जाता है तो वह पल्ला झाड़ लेते हैं। एवं आपको यदि कोई शिकायत है तो शाखा प्रबंधक के पास जाइये ऐसा कह कर अपनी जिम्मेदारियों की इतिश्री कर लेते हैं, जिससे बैंक के ग्राहकों एवं व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, उल्लेखित हो कि भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में प्रारंभ से ही व्यवस्थाओं के नाम पर कुछ न कुछ कमियां देखी जाती हैं। किंतु इसके बावजूद क्षेत्र की जनता एवं बैंक के खाता धारक बैंक अधिकारी, कर्मचारियों का सहयोग करते हुए परिस्थितियों के अनुकूल अपना लेनदेन करते हैं।

जनता ने मुझे जनपद सदस्य चुनकर भेजा है तथा लोगों की समस्याओं का निराकरण मेरी पहली प्राथमिकता : धर्मेंद्र सिंह

- **कुमार धर्मेंद्र सिंह ने पत्रकार वार्ता के माध्यम से बताई अपनी कार्य योजना**

पायनियर संवाददाता सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति रियासत के कुमार धर्मेंद्र सिंह ने 23 सितंबर को राजमहल शक्ति में एक पत्रकार वार्ता में कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें जनपद सदस्य के रूप में चुना है, तथा जनपद सदस्य के रूप में वे क्षेत्र की जनता तथा पूरे जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करेंगे तथा आम जनता एवं ग्राम पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार की दिक्कतें ना हो यह उनकी पहली प्राथमिकता है,तथा कुमार धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि विगत कुछ दिनों से शक्ति जनपद पंचायत क्षेत्र में पंचायतों के जनप्रतिनिधियों से निर्माण कार्यों के एवज में कमीशन मांगे जाने की जानकारियां उन तक आ रही थी, तथा इसके लिए उन्होंने निरंतर छत्तीसगढ़ शासन के वरिष्ठजनो तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को भी अवगत कराया है, एवं जनपद पंचायत क्षेत्र में आम नागरिकों तथा जनप्रतिनिधियों का कार्य बिना किसी बाधा के हो यही छत्तीसगढ़ शासन की भी मंशा है, एवं शक्ति राज परिवार ने भी निरंतर क्षेत्र के विकास एवं आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया है एवं आने वाले समय में भी शक्ति राज परिवार अपनी इसी कार्यशैली को कायम रखते हुए जनता के हित में काम करेगा, कुमार धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि वे जब जनपद पंचायत जाते हैं तो वहां बहुत से पंचायतों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि उनके पास आकर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं तथा छोटी-छोटी बातों को लेकर अपने काम ना होने की समस्याएं बताते हैं, जिससे वह काफी चिंतित हैं एवं आने वाले समय में वे निरंतर सकारात्मक प्रयासों के माध्यम से इस व्यवस्था को सुधारने में तथा जनप्रतिनिधियों के कामों में किसी भी प्रकार की बाधा ना हो इस हेतु पहल करेंगे,तथा जनपद पंचायत क्षेत्र में कमीशन खोरी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे चाहे उन्हें मुख्यमंत्री के पास जाना पड़े या कि प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय के पास, वह इस मामले में कहीं भी पीछे नहीं हटेंगे, कुमार धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल जी की सरकार निरंतर ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास तथा जनप्रतिनिधियों को उनके अधिकारों के साथ मजबूती प्रदान कर रही है एवं ग्रामीण जनप्रतिनिधियों को सारी सुविधाएं भी दे रही है।

दावा आपत्ति 28 सितम्बर तक आमंत्रित

मुंगेली। कलेक्टर पी.एस.एल्मा के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी जी.पी.भारद्वाज ने आज जिला मुख्यालय के दाऊपारा स्थित अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्याख्याता, शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक तथा व्यायाम शिक्षको की संविदा नियुक्ति हेतु पात्र-अपात्र अभ्यार्थियों की सूची जारी कर दी है। संविदा नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की परीक्षण एवं सत्यापन पश्चात् पात्र-अपात्रों की सूची जारी की है। सूची का अवलोकन वेबसाइट पद पर किया जा सकता है। कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए अभ्यार्थियों द्वारा अपना दावा-आपत्ति केवल पर स्व प्रमाणित साक्ष्य सहित 28 सितम्बर को शाम 5 बजे तक पीडीएफ फार्मेट में प्रेषित किया जा सकता है। अन्य माध्यम से प्राप्त दावा-आपत्ति स्वीकार नही होगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भाटापारा (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन का उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विधुतमण्डल की एक उत्तरवर्ती कंपनी)

बिजली बंद की सूचना

छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमिटेड भाटापारा संभाग के अंतर्गत संबंधित समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 132/33 केव्ही उपकेन्द्र सिमगा (दुलदुला) में अति आवश्यक सुधार कार्य किया जाना है जिसके कारण विद्युत आपूर्ति दिनांक 25.09.2020 समय सुबह 10.00 बजे से दोपहर 04.00 बजे तक 33/11 केव्ही सबस्टेशन IPDS सिमगा, 33/11 केव्ही सबस्टेशन दामाखेड़ा, 33/11 केव्ही सबस्टेशन टेकुना, 33/11 केव्ही सबस्टेशन मनोहरा से निकलने वाली सभी 11 केव्ही तथा 33 केव्ही बेमेतरा 1 फीडर 11 केव्ही बैकुंठ फीडर, 11 केव्ही OLD लिमतरा फीडर, 11 केव्ही हथबंद फीडर के अंतर्गत समस्त निम्नदाब उपभोक्ता तथा उच्चदाब उपभोक्ता मेसर्स निरज पावर एवं इण्डस बेस्ट मेगा फूड पार्क की विद्युत आपूर्ति पूर्णत बंद रहेगी। उपभोक्ता को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन संभाव्य है।

"स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें"
"समयावधिमें देयक का भुगतान करें, लाईन विच्छेदन से बचें।"

(जी.पी.अनंत)
कार्यपालन अभियंता (सं/सं) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमिटेड भाटापारा
कर्मचारी क्रमांक 05331110

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग महासमुन्द

मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम बार)

क्रमांक/14/अंकेक्षक/ग्रा.यां.से./2020-21 महासमुन्द, दिनांक 05.09.2020

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न निर्माण कार्यों से संबंधित मैन्युअल निविदा आंमत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
1.	2.	3.
1.	नेशनल हाइवे के समीप सामुदायिक शौचालय निर्माण झलप वि.ख. महासमुन्द	4.61 लाख
2.	नेशनल हाईवे के समीप सामुंदायिक शौचालय निर्माण टेमरी वि.ख. बागबाहरा	4.61 लाख

(टीप - सभी कार्यों के निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 08.10.2020)

उपरोक्त निर्माण कार्यों के निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारियां विभागीय वेबसाईड http//cg.nic.in/resworks में दिनांक 22.09.2020 से डाउनलोड की जा सकती है।

जी.83863/3 कार्यपालन अभियंता

न्यायालय तहसीलदार जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-20 (1)/2019-20

// ईश्तहार //

एतद द्वारा ग्राम-जशपुर प.ह.नं.-07 के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री पंकज जैन, पिता श्रीपाल जैन, जाति-जैन निवासी जैन मोहल्ला कॉलेज रोड, जशपुर नगर तहसील व जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा नजूल नगर जशपुर अंतर्गत मुहल्ला जशपुर स्थित भू-खण्ड क्रमांक 331/1 रकबा 0.06 हे. में से रकबा 0.008 हे को स्वयं के नाम पर व्यवस्थापन कर भूमि-स्वामी अधिकार दिये जाने हेतु कलेक्टर महोदय, जशपुर के समक्ष आवेदन पत्र पेश किये जाने पर प्रकरण जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 4-07/सात-1/2019 दिनांक 11 सितम्बर 2019 की कंडिका 5 (5.3) में दिये गये प्रावधान अनुसार किसी भी शासकीय भूखण्ड के दो या दो से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्रचलित गाईड लाइन की दर से निर्धारित की गई प्रब्याजि को आफसेट मूल्य मानते हुए नीलामी के माध्यम से अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को आबंटित किया जाना है। चूंकि आवेदित भूमि जशपुर स्थित प्लाट नम्बर 331/1, रकबा 0.06 हे. भूमि में एक से अधिक कई आवेदन प्राप्त हुए है।

उपरोक्त मामले की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 07.10.2020 को नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.09.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर जशपुर (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-20 (1)/2019-20

// ईश्तहार //

एतद द्वारा ग्राम-जशपुर प.ह.नं.-07 के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीपाल जैन, पिता गुलाब चन्द जैन, जाति-जैन निवासी जैन मोहल्ला कॉलेज रोड, जशपुर नगर तहसील व जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा नजूल नगर जशपुर अंतर्गत मुहल्ला जशपुर स्थित भू-खण्ड क्रमांक 331/1 रकबा 0.06 हे. में से रकबा 0.008 हे को स्वयं के नाम पर व्यवस्थापन कर भूमि-स्वामी अधिकार दिये जाने हेतु कलेक्टर महोदय, जशपुर के समक्ष आवेदन पत्र पेश किये जाने पर प्रकरण जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 4-07/सात-1/2019 दिनांक 11 सितम्बर 2019 की कंडिका 5 (5.3) में दिये गये प्रावधान अनुसार किसी भी शासकीय भूखण्ड के दो या दो से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्रचलित गाईड लाइन की दर से निर्धारित की गई प्रब्याजि को आफसेट मूल्य मानते हुए नीलामी के माध्यम से अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को आबंटित किया जाना है। चूंकि आवेदित भूमि जशपुर स्थित प्लाट नम्बर 331/1, रकबा 0.06 हे. भूमि में एक से अधिक कई आवेदन प्राप्त हुए है।

उपरोक्त मामले की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 07.10.2020 को नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.09.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर जशपुर (छत्तीसगढ़)

न्यायालय तहसीलदार जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-20 (1)/2019-20

// ईश्तहार //

एतद द्वारा ग्राम-जशपुर प.ह.नं.-07 के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राजकुमार जैन, पिता श्रीपाल जैन, जाति-जैन निवासी जैन मोहल्ला कॉलेज रोड, जशपुर नगर तहसील व जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा नजूल नगर जशपुर अंतर्गत मुहल्ला जशपुर स्थित भू-खण्ड क्रमांक 331/1 रकबा 0.06 हे. में से रकबा 0.008 हे को स्वयं के नाम पर व्यवस्थापन कर भूमि-स्वामी अधिकार दिये जाने हेतु कलेक्टर महोदय, जशपुर के समक्ष आवेदन पत्र पेश किये जाने पर प्रकरण जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर के आदेश क्रमांक एफ 4-07/सात-1/2019 दिनांक 11 सितम्बर 2019 की कंडिका 5 (5.3) में दिये गये प्रावधान अनुसार किसी भी शासकीय भूखण्ड के दो या दो से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्रचलित गाईड लाइन की दर से निर्धारित की गई प्रब्याजि को आफसेट मूल्य मानते हुए नीलामी के माध्यम से अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति/संस्था को आबंटित किया जाना है। चूंकि आवेदित भूमि जशपुर स्थित प्लाट नम्बर 331/1, रकबा 0.06 हे. भूमि में एक से अधिक कई आवेदन प्राप्त हुए है।

उपरोक्त मामले की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 07.10.2020 को नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.09.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर जशपुर (छत्तीसगढ़)

कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य अध्यादेश 2020 किसानो के हित में किसान मोर्चा

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

जिला किसान मोर्चा ने कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य अध्यादेश 2020 का स्वागत किया है। इस अध्यादेश के माध्यम से राज्य सरकारों को मंडियों के बाहर कृषि उपज की ब्रिक्री करने की छूट के साथ टैक्स की बाध्यता ख़त्म की गई है। जिससे किसानो को अपनी उपज बेचने के लिए बहु विकल्प तैयार होंगे।

साथ ही किसानो को फसलों का सही दाम मिल पाएगी। इस अध्यादेश का स्वागत करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्णकांत पवार ने कहा की यह विधेयक किसानो के हित में है विपक्ष द्वारा इतना हो हल्ला मचाने के पीछे कारण यह हैं कि किसान विरोधी चेहरा कही बेनकाब न हो जाये। पूर्व विधायक प्रीतम साहू ने कहा की इस विधेयक को लेकर विपक्ष द्वारा राज्यसभा में अमर्यादित आचरण के लिए याद किया जाएगा।

संसद में विपक्ष का आचरण देख कर जनमानस समझ गया है कि विपक्ष का एक सूत्रीय एजेंडा स्वार्थ व सुविधा की राजनीती करना है। उनका समाज निति से कोई सरोकार नहीं है। भाजपा जिला महामंत्री किशोरी साहू ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। यह हम सब किसानो के लिए गौरव की बात है नरेंद मोदी जी ने कृषि व किसानो को उसी गौरवशाली स्थान तक ले जाने का काम कर रही है।
वरिष्ठ भाजपा नेता पवन साहू ने कहा की प्रधानमंत्री ने जय जवान जय किसान जय विज्ञान का जो नारा दिया है। उस नारे के अनुरूप किसान सम्मान निधि, किसान बीमा योजना, जैसे लाभकारी प्रावधानों के बाद किसानो को गलत नीतियों की जंजीरो से मुक्त कर उन्हें कृषि उत्पादन बेचने की आजादी दिलाने का काम किये है। जिला महामंत्री किसान मोर्चा तोमन साहू ने कहा कि देश के अन्नादाता किसानो के सम्मान और उनकी समृद्धि के लिए कटिबद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानो की आय दोगुनी करने के लिए हर उस बंद रास्ते को खोलने का काम कर रहे है।

जिससे देश का किसान आत्मनिर्भर बन सके। यह विधेयक एक-राष्ट्र, एक-कृषि बाजार बनाने हेतु क्रेन्द्र सरकार का मजबूत प्रावधान है। निश्चित ही यह विधेयक हम सब किसानो के लिए राम बाण साबित होगा।

इस विधेयक का स्वागत करने वालो में पुर्व जिला अध्यक्ष भाजपा लेखराम साहू, वीरेंद्र साहू, छ्गन देशमुख, यादराम साहू, देवेंद्र जायसवाल, प्रमोद जैन, होरीलाल रावटे चमनलाल साहू, सोमेश साहू, चेमन देशमुख, रमेश सोनवानी, ठाकुर राम चन्द्राकर, त्रिलोकी साहू, मनोहर सिन्हा, प्रकाश आर्य, पुरन साहू, राकेश यादव, दुर्जन साहू, प्रेम साहू, दुष्यंत सोनवानी, लीला राम सोनबेर, सुरेश निर्मलकर, छ्गन साहू, शशि साहू तथा भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी पदाधिकारी गण शामिल है।

पॉलीटेक्निक प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय आनलाइन कांउसलिंग 25 सितम्बर से

कांकेर। शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर में डिप्लोमा इंजीनियरिंग कोर्स में प्रथम वर्ष एवं लेटरल एंट्री द्वारा द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय ऑनलाइन कांउसलिंग के प्रथम चरण की प्रक्रिया 25 सितम्बर से प्रारंभ होगी। इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 25 सितम्बंर से 03 अक्टूबर तक की जाएगी। सीटों का आबंटन 07 अक्टूबर को किया जायेगा एवं आबंटित सीट पर प्रवेश लेने की प्रक्रिया 07 से 13 अक्टूबर तक की जाएगी।

इसके उपरांत रिक्त सीटो में प्रवेश हेतु द्वितीय चरण के ऑनलाइन काउंसिलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक किया जायेगा एवं सीटो का आबंटन 24 अक्टूबर को की जायेगी। आबंटित सीटो पर 24 से 31 अक्टूबर तक प्रवेश लिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए संचालनालय तकनीकी शिक्षा रायपुर छत्तीसगढ़ के वेबसाइट ूण्बहकजमतंपचनतण्बहेजंजमण्हव अण्पद का अवलोकन किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में शासकीय पॉलीटेक्निक कांकेर में मेकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एंव इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के डिप्लोमा कोर्स संचालित है।

24 घंटे के भीतर अंधे कत्ल की सुलझाई गुत्थी

फरसाबहार पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

हत्या की अनसुलझी गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया और आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक 21 सितंबर को मित्रो भानु पात्रे ग्राम तुबा की रिपोर्ट कि ग्राम बरहाबद तुबा नाला पुलिया के पास किसी अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है पर अपराध कायम कर थाना फरसाबहार में पंचनामा कार्यवाही में लिया गया । अज्ञात शव का शिनाख्त शिव प्रसाद उर्फ छोटू पिता दिलेश्वर उम्र 28 वर्ष साकिन हर्राबहार पेमला थाना बागबहार का होना पाया। पीएम रिपोर्ट में डाक्टर द्वारा किसी ठोस वस्तु से सिर में चोट पहुँचाने की वजह से मृत्यु होना एवं मृत्यु की प्रकृति हत्या का होना लेख किया गया। रिपोर्ट के आधार पर केस को विवेचना में लिया गया। जिसमे पुलिस अधीक्षक महोदय बालाजी राव के दिशा निर्देशन व मार्गदर्शन में फरसाबहार पुलिस तत्काल अज्ञात आरोपी की पता साजी में जुट गई विवेचना दौरान पता चला कि 20 सितंबर को देवकुमार उर्फ लालू एवं मृतक शिवप्रसाद उर्फ छोटु को शाम को एक साथ देखा गया था जिससे संदेही देवकुमार उर्फ लालू ग्राम ऊपरघीचा चौकी डोकड़ा के सकुनत में घेरा बन्दी कर दबिस दिया गया जो पुलिस को देखकर पीछे दरवाजे से भाग रहा था जिसे दौड़ाकर पकड़ा गया।

उसे हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ करने पर शिवप्रसाद उर्फ छोटु के साथ आपसी विवाद के कारण हत्या करना बाद मोटर सायकल को ले कर घर के अंदर छिपा कर रखना बताने पर मृतक के मोटर सायकल को आरोपी के घर से मेमोरेण्डम कथन के आधार पर जप्त किया गया। आरोपी देवकुमार उर्फ लालू पिता दिलेशवर यादव उम्र 21 वर्ष पता ऊपर घिंचा चौकी दोकड़ा थाना कांसाबेल के विरुद्ध अपराध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से 23 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा जा रहा है।सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक किरणेश्वर प्रताप सिंह ,प्रधान आर. नरेंद्र कुमार भगत, रामसागर नायक, शोभित साय पैंकरा, नीलम साय पैंकरा, सुरेश एक्का मुकेश सिंह , शैलेंद्र भगत का विशेष योगदान रहा।

स्वास्थ्य विभाग के प्रदेशव्यापी सर्वे में गरियाबंद पहले स्थान पर

कोविड मरीजों की देखभाल और सुविधाओं में 83 प्रतिशत मरीज सन्तुष्ट

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

छतीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये गए प्रदेशव्यापी एक सर्वे में जिला ने पहला स्थान हासिल किया है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच जिले वासियों के लिए यह राहत की खबर है। जिले में कोविड डेडिकेटेड हॉस्पिटल द्वारा मरीजों की उचित देखभाल और उन्हें दी गयी सुविधाओं के मामले में जिले को 83 प्रतिशत के साथ पूरे राज्य में पहला स्थान मिला है। कोविड केयर सेंटर को भी 83 प्रतिशत मरीजों की संतुष्टि के साथ राज्य में सरगुजा जिले के साथ सयुंक्त रूप से द्वितीय स्थान मिला है । इस उपलब्धि पर कलेक्टर छतर सिंह डेहरे ने स्वास्थ्य विभाग सहित कोरोना ड्यूटी मे समर्पित कोरोना वारियर्स और जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी है ।उन्होंने कहा की यह टीम वर्क का नतीजा है। सबकी मेहनत का परिणाम है की जिले में कोरोना के बढ़ते संक्रमण की स्थिति में भी जिला मरीजो के उचित देखभाल करने में पूरी सवेंदनशीलता और समर्पित भाव से सेवा में जुटी है। कोविड संक्रमित मरीजो की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा की मरीजो को निर्धारित समय पर दवाइयों से लेकर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो रहा है। जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ नेतराम नवरत्न ने कहा की यह जिले के लिये एक बड़ी उपलब्धि है। जो हम सबके मनोबल को बढ़ाने वाला परिणाम है। इस उपलब्धि में स्वास्थ्य विभाग के सभी डॉक्टर, कर्मचारियों,अधिकारियों सहित अन्य विभागों के कमर्चारियों अधिकारियों का भी योगदान है। गौरतलब है कि यह सर्वे राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा 7 अगस्त से लेकर 21 सितंबर की अवधि के मध्य किया गया था। मरीजो के फ ीडबैक के आधार पर ही यह सर्वे रिपोर्ट जारी किया गया है, जिसमे 83 प्रतिशत मरीजों की संतुष्टि के साथ जिला पहले पायदान पर है। कोविड हॉस्पिटल एवं कोविड केयर सेंटरों में मरीजो को मिलने वाली भोजन की गुणवत्ता पर खास नजर रखी जा रही है। भोजन की गुणवत्ता में लापरवाही ना हो इसके लिये अन्य विभागों के जिला स्तर के अधिकारियों की अलग से तैनाती किया गया है। जिनके माध्यम से भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसके साथ ही समय समय पर जिला अधिकारियों, राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा भी भोजन की गुणवत्ता को परखा जा रहा है। जिसके कारण भोजन संबंधित शिकायते कम ही मिलती है। कलेक्टर डेहरे ने इस उपलब्धि के लिये स्वस्थ हो चुके मरीजों, आम नागरिक सहित जनप्रतिनिधियों को भी धन्यवाद दिए हैं ।उन्होंने कहा कि हम सब को कोरोना के खिलाफ लड़ाई को जीतना है। उहोने जिले में लागू सम्पूर्ण लॉकडाउन का पूर्ण रूप से पालनकरते हुये कोरोना चैन को तोड़ने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने सबसे आग्रह किया है।

कलेक्टर ने कोविड केयर सेंटर पाकुरभाट में मरीजों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की ली जानकारी

कलेक्टर ने कोविड केयर सेंटर परिसर पाकुरभाट में भोजन चखकर गुणवत्ता परखी

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने गुरुवार को दोपहर जिला मुख्यालय बालोद के समीप ग्राम पाकुरभाट के कोविड केयर सेंटर परिसर पंहुचे। वहां उन्होंने मरीजों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मरीजों ने कलेक्टर को बताया कि डॉक्टर और नर्स प्रतिदिन आते हैं। दवाई का किट मिला है। गरम पानी भी मिलता है। भोजन, नाश्ता व चाय मिलता है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कोविड केयर सेंटर में ब्लड प्रेशर, आक्सीमीटर, थर्मामीटर, पल्सरेट जांचने का किट तथा दवाईयाँ उपलब्ध है। कलेक्टर ने कोविड केयर सेंटर के शौचालयों का प्रतिदिन सफाई कराने के निर्देश मौके पर उपस्थित मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए। कलेक्टर महोबे ने कोविड केयर सेंटर पाकुरभाट में भर्ती मरीजों के दोपहर का भोजन चखकर गुणवत्ता परखी। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता अच्छी है। दोपहर के भोजन में चावल, दाल, रोटी, आलु-गोभी और मटर-टमाटर की सब्जी दिया गया था।

कलेक्टर ने दोपहर का भोजन प्रतिदिन 1 बजकर 30 मिनट तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने तीन समय चाय तथा काढ़ा भी देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मरीजों से कहा कि कोविड केयर सेंटर्स में बेहतर व्यस्था हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है। किसी भी समस्या से एसडीएम या तहसीलदार को अवगत कराएं। इस अवसर पर एसडीएम सिल्ली थामस, तहसीलदार रश्मि वर्मा, खण्ड चिकित्सा अधिकारी एसके सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रोहित साहू, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता धनंजय आदि मौजूद थे।

एनएचएम के आंदोलन का 6वां दिन कोरोना योध्दा का लौटा रहें प्रशस्ति प्रत्र

कर्मचारी संघ की जिला जशपुर इकाई ने छठवाँ दिन भी जारी रखा हड़ताल

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

एक तरफ सरकार एन एच् एम कर्मचारियों के हड़ताल को संजीदा नही ले रही और जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बद से बदतर होती जा रही है। एक तरफ कोरोना का कहर जिले में बढ़ता ही जा रहा है ऊपर से एन एच् एम कर्मचारियो में शासन के इस अड़ियल और तानाशाही रवये से रोष वयाप्त है जिसके कारण आज जिन एनएचएम कर्मचारियो को कोरोना काल मे अपनी उत्कृष्ट सेवा के लिए विभाग/प्रशासन के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था, उसे उनके द्वारा ये कहते हुए वापस कर दिया गया की जब शासन को हमारे द्वारा इस भीषङ कोरोना काल मे जब एक रिश्तेदार अपने ही रिस्तेदार दूरी बना रहा तब

हमने अपनी जान की परवाह न करते हुए तत्परता के साथ दिन रात उनकी देखभाल की उन्हें उत्तम स्वास्थ्य सुविधायें दी और परिणाम स्वरूप शासन ने बर्खास्तगी का तोहफा दिया। ऐसे में प्रशस्ति पत्र रखना हमारे स्वाभिमान के खिलाफ है। ये कहते हुए कर्मचारियों के द्वारा अपने अपने विकासखण्डों से खंड चिकित्सा अधिकारियों को अपना अपना प्रशस्ति पत्र वापस कर दिया गया। इसी के साथ उनके द्वारा यह भी कहा गया कि यदि शासन के द्वारा उनकी नियमितीकरण की मांग पर जल्द कार्यवाही नही की गई तो एन एच् एम कर्मचारी संघ अन्य कर्मचारी संघ के सहयोग से उग्र आंदोलन करने को तत्पर होगा। अब देखना ये है कि एन एच् एम कर्मचारियो का आंदोलन उग्र रूप लेता है कि शासन द्वारा उनकी जायज मांग पर विचार करते हुए वार्ता की पेशकश की जाती है।

स्वच्छता दीदी द्वारा अपने कार्य को बखूबी अंजाम दिया जा रहा है

किरंदुल। जहां एक ओर बचेली किरंदुल में लॉकडाउन लगाया गया है समस्त जनता अपने-अपने घर में सुरक्षित है दूसरी ओर इस कोरोना काल भंयकर महामारी और लॉकडाउन में भी नगरपालिका सफाई कर्मचारी स्वच्छता दीदी द्वारा अपने कार्य को बखूबी अंजाम दिया जा रहा है। कोरोना संक्रमण भय को पीछे छोड़ यह सफाई कर्मी नगर के वार्ड क्रमांक 02,03,04 और 05 के मुख्य गली के मार्ग पर नालों में सफाई कर रहे हैं और बढ़ रहे घास तथा झाड़ियों को कांटा जा रहा है। सफाई कर्मी जिस तरह अपने कायज़ को कतज़्व्य परायणता से कर रहे हैं वो काबिले तारीफहै क्योंकि एक सफाई कर्मी ही है जो हमें और आपको सिखाते हैं कि अपने आसपास क्षेत्र को स्वच्छ रखें और गंदगी ना फैलाएं सफाई दरोगा प्रमोद सिंह का कहना है कि कैसी भी परिस्थिति हो सफाई कर्मी हमेशा अपने कार्य में ईमानदारी से लगे रहते हैं।

सिमगा नेशनल हाईवे में ट्रक लूटने वाले विधि से संघर्षरत एक बालक सहित 5 आरोपी 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

प्रार्थी संतराज कुमार पिता भुनेश्वर प्रसाद द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह रवि गैस एजेंसी भिलाई का ट्रक चलाता है कि दिनांक 22 सितम्बर को भारत गैस कंपनी का 450 गैस सिलेण्डर अपनी टाटा ट्रक क्र. सीजी 07 बीएन 3413 में भरकर जय अम्बे बीपी गैस एजेंसी विश्रामपुर जिला सूरजपुर जा रहा था। कि रात्रि करीबन 3.30 बजे ग्राम चंदेरी के पास एक डस्टर वाहन सिल्वर कलर द्वारा जिसमें 04 लोग सवार थे, मेरे वाहन को ओवरटेक कर रोका गया। इसके बाद मुझे नीचे उतारकर डस्टर सवार एक आरोपी ट्रक में सवार हो गया तथा मुझे चाकू अड़ाकर जान से मारने की धमकी देते हुये अपनी डस्टर वाहन में बैठा लिया। इसी बीच ट्रक एवं डस्टर वाहन को आरोपियों द्वारा बहुत ही तेजी गति से चलाकर बिलासपुर की ओर भागने लगे। इसी बीच ग्राम किरना सरगांव के पास के पास साईड से आ रही एक अन्य टैकर गाडी से डस्टर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे वाहन में बैठे सभी व्यक्ति घायल हो गये। तब मैं मौका देखकर गाडी से उतरकर पास ही खड़े एक अन्य गैस सर्विस की गाड़ी से बैठकर भोजपुरी टोल नाका गया तथा घटना के संबंध में पूरी जानकारी अपने साथ काम करने वालों को बताया। कि रिपोर्ट पर थाना सिमगा में अपराध क्र. 307/2020 धारा 341,363,392,34 भादवि पंजीबद्ध किया गया। घटना की सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक आईके एलेसेला को देकर तथा उनसे मार्गदर्शन प्राप्त कर निरीक्षक नरेश चौहान थाना प्रभारी सिमगा एवं उपनिरी रोशन राजपूत थाना प्रभारी सुहेला के नेतृत्व में पुलिस टीम को आरोपियों की धरपकड़ हेतु रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल पहुंच हालात का निरीक्षण किया गया। दुर्घटना के बाद आरोपीगण डस्टर वाहन को वही छोड़कर भाग गये थे। जिसमें डस्टर वाहन तथा आसपास निवासरत लोगो से घटना के संबंध में पतासाजी किया गया। जिसमें आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग एवं जानकारी हासिल होने पर आरोपीगणों का चिन्हाकन कर उनके सकूनत में दबिश देकर पकड़ा गया।

ट्रक के वाहन चालक के साथ मारपीट कर उसका कर लिया गया था अपहरण

इस दौरान घटना में सक्रिय भूमिका निभाने वाले चारों आरोपियों एवं उनके अपराधिक षडयंत्र में शामिल एवं सहयोगी एक अन्य आरोपी विधि से संघर्षरत बालक को भी गिरफ्तार किया गया। जिसमें नवीन प्रकाश मिश्रा, उज्जवल सिंह, शिवकुमार उर्फ राजू, सैयद शहनवाज अली, विधि से संघर्षरत बालक कुल 05 आरोपियों को पकड़ा गया।

मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति द्वारा सैनेटाइजर थर्मल स्क्रिनिंग, आक्सीमीटर, हैंडवॉस एवं क्यू मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी

कोरोना के मद्देनजर कड़े नियमों के साथ नवरात्र पर्व के संबध में कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जारी किए निर्देश

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले में नवरात्र पर्व के संबध में निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देश मे कहा गया है कि नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए तथा वर्तमान में जिले में कोरोना पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसे रोकने एवं नियंत्रण में रखते हेतु सभी संबधित उपाय अमल में लाया जाना उचित एवं आवश्यक हो गया है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए नवरात्र पर्व के संबध में निर्देश प्रसारित किए गए हैं। मूर्ति की ऊंचाई एवं चौड़ाई 6म5 फिट से अधिक न हो। मूर्ति स्थापना वाले पंडाल का आकार 15म15 फिट से अधिक न हो। पंडाल के सामने कम से कम तीन हजार वर्ग फिट की खुली जगह हो। पंडाल एवं सामने तीन हजार वर्ग फिट की खुली जगह में कोई भी सड़क अथवा गली का हिस्सा प्रभावित न हो। एक पंडाल से दूसरे पंडाल की दूरी 250 मीटर से कम न हो। मंडप/पंडाल के सामने दर्शकों के बैठने हेतु पृथक से पंडाल न हो, दर्शकों एवं आयोजकों के बैठने हेतु कुर्सी नहीं लगाए जाएंगे। किसी भी एक समय मे मंडप एवं सामने मिलाकर बीस व्यक्ति से अधिक न हो। मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति एक

रजिस्टर संधारित करेगी जिसमें दर्शन हेतु आने वाले सभी व्यक्तियों का नाम पता मोबाईल नंबर दर्ज किया जाएगा, ताकि उनमें से कोई भी व्यक्ति कोरोना संक्रमित होने पर कांटेक्ट टेसिंग किया जा सके। मूर्ति स्थापित करने वाले अथवा समिति चार सीसीटीवी कैमरा लगाएंगे, ताकि उनमें से कोई भी व्यक्ति कोरोना संक्रमित होने पर कांटेक्ट ट्रेसिंग किया जा सके। मूर्ति दर्शन अथवा पूजा मे शामिल होने वाला कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के नहीं जाएगा। ऐसा पाए जाने पर संबधित एवं समिति के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किया जाएगा। मूर्ति स्थापित करने वाले व्यक्ति अथवा समिति द्वारा सैनेटाइजर थर्मल स्क्रिनिंग, आक्सीमीटर, हैंडवॉस एवं क्यू मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी।

थर्मल स्क्रिनिंग में बुखार पाए जाने पर अथवा कोरोना से संबधित कोई भी व्यक्ति सामान्य या विशेष लक्षण पाए जाने पर पंडाल मे प्रवेश नहीं देने की जिम्मेदारी समिति की होगी। व्यक्ति अथवा समिति द्वारा फिजिकल डिस्टेंसिंग आगमन एवं प्रस्थान की पृथक से व्यवस्था बांस बल्ली से बेरिकेटिंग कराकर कराया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति जो मूर्ति स्थापना स्थल पर जाने के कारण संक्रमित हो जाता है तो इलाज का संपूर्ण खर्च मूर्ति स्थापना करने वाला व्यक्ति अथवा समिति द्वारा किया जाएगा।

मूर्ति विसर्जन के लिए एक से अधिक वाहन की अनुमति नहीं होगी

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार कंटेमेंट जोन में मूर्ति स्थापना की अनुमति नहीं होगी। यदि पूजा की अवधि के दौरान भी उपरोक्त क्षेत्र कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित हो जाता है तो तत्काल पूजा समाप्त करनी होगी। मूर्ति स्थापना के दौरान, विसर्जन के समय अथवा विसर्जन के पश्चात् किसी भी प्रकार के भोज, भंडारा, जगराता अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं होगी। मूर्ति स्थापना के समय स्थापना के दौरान, विसर्जन के समय अथवा विसर्जन के पश्चात् किसी भी प्रकार के वाद्य यंत्र, ध्वनि विस्तारक यंत्र, डीजे बजाने की अनुमति नहीं होगी। मूर्ति स्थापना एवं विसर्जन के दौरान प्रसाद, चरणामृत या कोई भी खाद्य एवं पेय पदार्थ वितरण की अनुमति नहीं होगी। मूर्ति विसर्जन के लिए एक से अधिक वाहन की अनुमति नहीं होगी। मूर्ति विसर्जन के लिए पिकअप, टाटा-एस (छोटा हाथी) से बड़े वाहन का उपयोग प्रतिबंधित होगा।

जंगल के भीतर चिरान काटते आरोपियों को दबोचा

मनोरा के जंगल में वन विभाग की बड़ी कार्यवाही

मनोरा। रेंज बिट तलोरा आरएफ 335 जंगल मे मुखबिर के द्वारा सूचना मिलने पर वन अमला मौके पर पहुँचे और 06 व्यक्ति के प्रति अपराध प्रकरण दर्ज किया। दरअसल 06 व्यक्ति आरएफ. 335 जंगल के अंदर लकड़ी का चिरान बना रहे थे। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग द्वारा उपयोग होने वाले 03 नग आरा 03 कुल्हाड़ी मौके पर जप्त किया गया। और 06 अपराधी के विरोध वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। कार्यवाही के दौरान आरए पटिया आरए आस्ता वनरक्षक मनोरा, तलोरा गजमा अलोरी, उपस्थित थे।

जुएं की लड़ाई में गई एक और जान, 3 दिन में दूसरी हत्या, 8 माह में तीसरी, तीनों की हत्या का पैटर्न एक जैसा

शहर की पुलिस व्यवस्था पर सवालिया निशान, वर्चस्व की लड़ाई में गोल्डी के गुर्गों ने ही वारदात को दिया अंजाम

ब्यूरो रिपोर्ट/पायनियर ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

संस्कारधानी कहे जाने वाले शहर राजनाँदगाँव बुधवार की रात फिर एक युवक की कुछ युवकों ने मिलकर हत्या कर दी। गौरतल है कि तीन दिन पहले ही शहर के कंचनबाग क्षेत्र में भी छह युवकों ने मिलकर स्टेशन पारा निवासी परवेज नामक युवक की हत्या को अंजाम दिया था अब ऐसे में तीन दिन के भीतर ही स्थानीय मंडी परिसर में फिर से एक युवक की हत्या सात लोगों ने मिलकर कर दी इस मामले के बाद अब शहर की पुलिस व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं ।

साल की शुरुआत में जनवरी माह में भी लखोली क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर राजू नयन की हत्या कर दी गई थी।और उसके बाद हाल ही में घाटे ये दोनों वारदात भी उसी पैटर्न में अंजाम दिए गए हैं जिसमे मृतक दोनों युवक हिस्ट्रीशीटर थे और उनके आसपास के ही गुर्गों ने उन्हें नशे की हालत में मार दिया । मिली जानकारी के अनुसार बुधवार रात्रि लगभग 11:30 बजे के आसपास गोल्डी मरकाम अपने दोस्तों प्रतीक ताम्रकार , मुकेश गेंड्रे व् एक अन्य के साथ गंज मंडी बसंतपुर परिसर में शराब पी रहा था । तभी वहां आरोपी राजा निकोसे, पंकज यादव, विष्णु यादव, विकास वैष्णव, खेमू यादव, छीन यादव पहुंचे। मृतक और आरोपियों के बीच पुरानी बात को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि राजा निकोसे और उसके साथियों ने गोल्डी मरकाम और प्रतीक ताम्रकार के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया। वहीं गोल्डी के दो दोस्त मुकेश गेंडरे और एक अन्य साथी अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकले। गोल्डी मरकाम को अस्पताल लाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई । वहीं एक युवक प्रतीक ताम्रकार बुरी तरह से घायल हो गया है।

आक्रोशित भीड़ ने आरोपी की कार को किया आग के हवाले

जैसे ही यह सूचना मिली कि गोल्डी मरकाम के ऊपर जानलेवा हमला हुआ है और उसकी अस्पताल में मौत हो गई है । यह सुनकर आक्रोशित भीड़ ने आरोपी की कार को आग के हवाले कर दिया। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और माहौल को शांत कराया । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिस वार्ड में मृतक रहता है उसी वार्ड में आरोपी का भी निवास है। वार्ड में तनाव का माहौल देखने को मिल रहा है पुलिस वार्ड में शांति बनाए रखने के लिए रात से ही बल को तैनात कर रखा है और वार्डवासियों को समझाइश दे रही है कि वह घर पर ही रहे अनावश्यक भीड़ ना लगावे।

जुएं का फड़ बना हत्या की असल वजह

दरअसल गोल्डी मरकाम की हत्या के पीछे से जो कहानी निकलकर सामने आई है उसकी वजह जुएं का धंधा बताया जा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार आरोपी राजा निकोसे हमेशा से गोल्डी मरकाम का गुर्गा रहा है और गोल्डी ने ही राजा को जुआन खिलाने का धंधा शुरू कराया था लेकिन कुछ समय बाद गोल्डी मरकाम ने अपने भतीजों को भी जुएं के धंधे में उतार दिया और उसी क्षेत्र में वो लोग भी काम करने लगे । लेकिन जब दोनों टीम के बीच खिलाड़ियों के बाँटने की बात शुरू हुई तो इनके बीच आपस में माला गरमाने लगा । हांलाकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोल्डी ने दोनों के बीच समझौता भी करवाया था लेकिन कहीं ना कहीं वर्चस्व की लड़ाई में राजा निकोसे ने गोल्डी को अंततः मौत के घाट उतार दिया ।

जुएं का फड़ बना हत्या की असल वजह

दरअसल गोल्डी मरकाम की हत्या के पीछे से जो कहानी निकलकर सामने आई है उसकी वजह जुएं का धंधा बताया जा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार आरोपी राजा निकोसे हमेशा से गोल्डी मरकाम का गुर्गा रहा है और गोल्डी ने ही राजा को जुआन खिलाने का धंधा शुरू कराया था लेकिन कुछ समय बाद गोल्डी मरकाम ने अपने भतीजों को भी जुएं के धंधे में उतार दिया और उसी क्षेत्र में वो लोग भी काम करने लगे । लेकिन जब दोनों टीम के बीच खिलाड़ियों के बाँटने की बात शुरू हुई तो इनके बीच आपस में माला गरमाने लगा । हांलाकि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोल्डी ने दोनों के बीच समझौता भी करवाया था लेकिन कहीं ना कहीं वर्चस्व की लड़ाई में राजा निकोसे ने गोल्डी को अंततः मौत के घाट उतार दिया ।

अपराधियों पर शिकंजा कसने और नशे के व्यापार को रोकने में पुलिस अक्षम : मोनू

शहर में लगातार बढ़ रहे अपराधों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष मोनू बहादुर सिंह ने पुलिस प्रशासन व कांनून व्यवस्था पर बड़े आरोप लगाए हैं । मोनू बहादुर ने प्रेस से चर्चा के दौरान कहा कि शहर के लगभग वार्डों में जमकर शराब का , नशीली गोलियों का , गांजा का अवैध व्यापार किया जा रहा है । युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में जाता जा रहा है और नशे की वजह से ही इस तरह के बड़े हत्याकांड लगातार शहर में हो रहे हैं । 3 दिनों के भीतर दो हत्याओं से साबित होता है कि शहर में लॉ एंड ऑर्डर नाम की कोई चीज नहीं है और पुलिसिंग ध्वस्त हो चुकी है । सभी थाना क्षेत्रों में गस्ती नाम मात्र की रह गई है । अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और ये अब एक नई परंपरा बन रही है नशा करके एकराय होकर हत्या करने की । मोनू ने प्रदेश सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जबसे कांग्रेस की सरकार आई है प्रदेश में तब से लगातार अपराध में बढ़ोतरी हुई है जिसे रोक पाने में सरकार अक्षम साबित हो रही है।

शहर की पुलिसिंग ध्वस्त, घटना के बाद जाएगी पुलिस ने लगभग 50 गुंडा बदमाशों को उठाया

लगातार बढ़ रही घटनाओं को रोकने में शहर की पुलिस नाकाम साबित हो रही है । जगह जगह शरभ और गांजे सहित नशीली दवाइयों का कारोबार बढ़ गया है जिसके वजह से अपराध बढ़ रहे हैं लेकिन शहर की पुलिस हाँथ पर हाँथ धरे बैठी है । पिछले तीन दिन में हुए दूसरे जघन्य हत्याकांड ने यह साफ़ कर दिया है की शहर में अपराधियों के मन से पुलिसिया खौफ ख़तम होने लगा है । शहर के सभी थाना क्षेत्रों में गस्ती का ना होना भी एक बड़ा कारण है लेकिन इन विफलताओं को सुलझाने के क्षेत्र में पुलिस कोई मजबूत कदम नहीं उठा रही है । बुधवार की रात एक युवक की हत्या के बाद कल अचानक से पुलिस विभाग नींद से जाएगी और शहर के लगभग पचास गुंडा व् निगरानीशुदा बदमाशों को उठाया गया । अगर यही काम पुलिस पहले कर लेती तो शायद लगातार इस तरह के वारदात ना होते ।

चार आरोपी गिरफ्तार तीन की तलाश जारी

गोल्डी मरकाम हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों ने बुधवार की रात ही थाने में आत्मसर्पण कर दिया था और दो आरोपियों को पुलिस ने रात में ही गिरफ्तार कर लिया था जबकि अन्य तीन आरोपी खबर लिखे जाने तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे . गिरफ्तार चार आरोपियों में राजा निकोसे , पंकज यादव ,चोटी उर्फ़ विष्णु सिंह यादव ,खेमू उर्फ़ खेमचंद देवांगन हैं जबकि छीन उर्फ़ पिंटू उर्फ़ प्रथम यादव , नानू उर्फ़ कामेश्वर यादव एवं विकास दास वैष्णव उर्फ़ चिन्ना खबर लिखे जाने तक फरार बताये जा रहे हैं।

किसान कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा लाए गए कृषक राहत बिल को जिला कांग्रेस कमेटी व जिला किसान कांग्रेस ने किसान विरोधी बताते हुए इसका विरोध किया है। इस संबध में महापौर, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र यादव, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के महामंत्री पंकज बांधव ने राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। अध्यादेश के विरोध में जो बाते प्रमुखता से ज्ञापन मे दी गई है वह इस प्रकार से है-

ज्ञापन सौंपने के समय महेन्द्र साहू महामंत्री जिला किसान कांग्रेस, संतोष पिल्ले, प्रवीण मेश्राम, होमदत्त वर्मा, मोरध्वज वर्मा, चन्द्रकुमार नेताम, बसंत साहू, महेन्द्र नागपुरे, राधेष्याम वर्मा, मानिक साहू, गणेष वर्मा, जयचंद ठाकुर, विश्राम वर्मा, नरेन्द्र वर्मा, जनक वर्मा, शुभम, नरेश वर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में किसान कांग्रेस के पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

सोशल मीडिया में गतिविधि भेजेंगे भाजपाई, नेता व कार्यकर्त्ता अपने घरों में मनाएंगे जयंती

■ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर होंगे आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

आगामी 25 सितंबर दिन शुक्रवार को जनसंघ के अध्यक्ष, एकात्म मानववाद के प्रणेता, मजबूत और सशक्त भारत के स्वप्न दृष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती है । कोविड 19 के चलते सभी कार्यकर्ताओं से पंडित दीनदयाल जी जयंती को अपने अपने घरों में रह कर परिवार के साथ मनाने अपील की गई है।

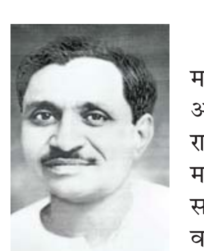

भाजपा मण्डल अध्यक्षा रामकुमार गुप्ता, महामन्त्री संतोष यादव व बालकृष्ण सिन्हा ने बताया कि प्रदेश भाजपा से दिशनिदेर्शों के मुताबिक पूज्यनीय दीनदयाल जी के विचारों को व उनके जीवन संघर्षों के बारे में अपने परिवार के बच्चों और सदस्यों को जानकारी देने ताकीद दी है। भाजपा का उद्देश्य सभी परिवार के सदस्यों को भी महापुरुष के योगदान की जानकारी हो। इसी तारतम्य में मंडल, भाजयुमो, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, अनुसुचित जाति, जनजाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित सभी कार्यकताओं से 25 सितम्बर को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक पंडित दीनदयाल जी की जयंती मनाकर फेसबुक व वाट्सअप के माध्यम से पोस्ट करने अपील की गई है। पार्टी की ओर से कार्यकताओं से उनका नाम और गांव मोबाइल नंबर +919826180110, 7354452005 पर भेजने कहा गया है।

आधी रात दी दस्तक, नक्सलियों ने फूंके वाहन

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नक्सल शहीद सप्ताह के बीच नक्सलियों ने मोहला क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य में लगे पांच वाहनों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया। 21 से 27 सितंबर तक पार्टी विलय सप्ताह मना रहे नक्सलियों द्वारा अंजाम दी गई इस वारदात से इलाके में दहशत है। पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार मोहला थाना के परवीडीह और पारडी के बीच बन रहे पुल निर्माण में लगे वाहनों को बीती रात अज्ञात नक्सलियों ने आग लगा दी। बताया जा रहा है कि घटना को करीब डेढ़ दर्जन हथियार बंद नक्सलियों ने अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि पुलिया निर्माण के लिए लगी वाहनों में टिप्पर, मिक्सर मशीन, पोकलेन, हाईवा को भी आग लगा दी। लंबे समय बाद नक्सलियों की

इस इलाके में उपस्थिति सामने आई है।

इस संबंध में नक्सल सेल देख रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश बढ़ई ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। नक्सलियों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि जगदलपुर की चावला कंट्रक्शन कंपनी द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा था। नए पुल निर्माण से लोगों की आवाजाही बढने के डर से नक्सलियों ने आगजनी की।

11 गांवों के किसानों को नहीं मिल पाया फसल बीमा का लाभ

नहीं सुधर रहे किसानों के हालात, नहीं मिल रही सही उपज

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

विगत वर्षों से लगातार मानसून की अनियमितता के फसलों के चौपट होने से परेशान किसानों को फसल बीमा से आस रहता है परन्तु कई बार बीमा के लाभ से वंचित हो जाने के बाद अकाल और सूखा के बोझ तले दबे किसानों की हालत में सुधार नहीं हो पा रहा है। विगत वर्ष भी मानसून की बेरुखी की आशंका के धान (खरीफ) के लिए क्षेत्र के किसानों ने फसल बीमा करवाया था और समयानुसार बारिश नहीं होने के चलते किसानों को सही उपज नहीं मिल पाई।

बीमा कंपनी ने सर्वे किया परन्तु रिपोर्ट के बाद घुमका सोसायटी के अंतर्गत क्षेत्र के 11 गांवो के किसानों को धान फसल के बीमा योजना का लाभ नहीं मिल पाया। इसको लेकर ज्यादातर किसानों ने सहकारी समिति घुमका से सम्पर्क किया परन्तु सहकारी समिति के जिम्मेदार अमले ने बीमा कम्पनी का मामला और फसल आनावारी (उपज का औसत मूल्यांकन) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया। जबकि वास्तविकता यह है कि इलाके में पर्याप्त सिंचाई साधनों के अभाव और अपर्याप्त बारिश के कारण क्षेत्र में धान का उत्पादन काफी कम रहा है। आखिर किस तरह के मापदंडों से आनावारी रिपोर्ट तैयार किया गया। इसके चलते क्षेत्र

के 11 गांव के तमाम किसान बीमा योजना के लाभ से वंचित हो गए हैं और इसकी शिकायत कलेक्टर को भी कर चुके हैं परन्तु अभी तक सुनवाई नहीं हो पाई है।

वहीं रबी फसल के फसल बीमा योजना को लेकर भी कमोबेश इसी तरह की शिकायतें मिल रही हैं। चूंकि बीते रबी फसल के मौसम में असमय लगातार बारिश के कारण चना गेंहू - मसूर आदि की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गया था। इसका आनावारी रिपोर्ट तो तैयार किया गया। परन्तु काफी समय बीत जाने के बाद माहभर पहले आधे अधूरे किसानों को ही बीमा क्षतिपूर्ति की राशि नहीं मिल पायी है। सूत्रों के अनुसार घुमका, उपरवाह पदुमतरा के तकरीबन 1000 किसानों को बीमा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। इस सम्बन्ध में तकनीकी त्रुटियों का कारण बताया जा रहा है।

राज्य सरकार की ओर से प्राकृतिक आपदा से रबी फसलों के नुकसान पर राजस्व परिपत्र की धारा 6--4 के तहत क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान है के तहत राजनांदगांव जिले को भी 64 करोड़27 लाख रुपये की राशि का आबंटन राज्य सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन ने 16 सितम्बर को जारी पत्र के अनुसार किया है। अभी तक क्षेत्र में उक्त क्षतिपूर्ति की राशि किसानों को वितरित नहीं किया गया है। देखा जाए तो बीते साल के खरीफ सीजन से लेकर रबी सीजन निकलने के बाद भी किसानों धान और चना फसल का बीमा नहीं मिलने के साथ ही चना फसल की क्षतिपूर्ति नहीं मिलने से किसानों को मुश्किल दौर से गुजरना पड़ रहा है।

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, भाई ही निकला हत्यारा

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

घुमका क्षेत्र के खैरझिटी में अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई का कत्ल इसलिए कर दिया क्यूंकि उसे फसल बीमा के लिए मिली राशि का हिस्सा नहीं मिल रहा था। 22 सितंबर की सुबह हत्या के बाद लाश को जलाने की घटना के चलते इलाके में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस ने अनुसार खैरझिटी गांव के दिनेश सिन्हा 42 वर्ष बीते 22 सितंबर को घर से खेत जाने निकला था। इसी बीच आरोपी घनश्याम सिन्हा भी खेत में पहुंच गया। पुलिस का कहना है कि मृतक और आरोपी समेत अन्य भाईयों की संपत्ति का बंटवारा नहीं हुआ था। बताया गया कि आपसी सहमति से भाई

अलग-अलग खेतों में खेती कर रहे थे, लेकिन मृतक के नाम पूरी संपत्ति होने के कारण फसल बीमा और बोनस की राशि व्यक्ति गत रूप से उसके खाते में जमा हो रही थी। इसी मसले को लेकर दोनों भाईयों के बीच आपसी विवाद चल रहा था। इस मुद्दे को लेकर नाराज होकर मृतक के छोटे भाई ने लोहे के दांतनुमा फावड़ा से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में आरोपी ने मृतक को मिट्टी तेल डालकर जलाने की कोशिश की। घुमका पुलिस ने पारिवारिक तनाव के आधार पर जांच शुरू की।

क्विक न्यूज

करंट लगने से किसान की मौत

बिलासपुर। बुधवार को बिल्हा विकासखंड के ग्राम बहतराई में खेत में काम कर रहे एक किसान के ऊपर बिजली का तार गिरने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यहां मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर के बहतराई गांव में रहने वाले कृषक श्री घुरऊप्रसाद साहू अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बिजली तार टूट कर उसके ऊपर आ गिरा।जिससे करंट लगने से किसान घुरऊ प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई।भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष धीरेंद्र दुबे ने बिजली का तार गिरने से किसान घुरऊ प्रसाद की असामयिक मौत पर दुख जताया है। और इस घटना के लिए विद्युत विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए शासन से मांग की है कि मृत किसान के परिवार को अभिलंब यथोचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

खुर्दा रोड सूरत- खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के दिशा निर्देशानुसार 27 सितम्बर, से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर जाने वाली खुर्दा रोड सूरत-खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है । 02827/02828 खुर्दा रोड सूरत - खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सुविधा दिनांक 27 सितम्बर से 20 अक्टूबर तक इस ट्रेन का परिचालन रहेगा । 02827 खुर्दा रोड - सूरत साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 27 सितम्बर से 18 अक्टूबर, 2020 तक प्रत्येक रविवार को खुर्दा रोड से रवाना होगी । इसी प्रकार विपरीत 02828 सूरत - खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 29 सितम्बर से 20 अक्टूबर, 2020 तक प्रत्येक मंगलवार को इस गाड़ी का परिचालन अहमदाबाद से होगा।

शासन नियमतिकरण का फैसला जल्द लें, नहीं तो 29 सितंबर को होगा महाआंदोलन

- **सत्ता में आते सरकार दिखा रही अपना असली चेहरा , 10 दिनों में निमित करने की बात कही थी मुख्यमंत्री ने , 3 वर्ष पहले किये वादे को भुला दिया**

पायनियर संवाददाता ∢ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

शासन नियमितीकरण का जल्द फैसला नही लिया तो समस्त शासकीय विभागों में कार्यरत संविदा नियुक्त 29 सितंबर को करेंगे महा आंदोलन, जिसकी रणनीति संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा बनाई गई है । अगर राज्य शासन के खिलाफ महा आंदोलन हुआ तो इस कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग के कार्य तथा उपचार व्यवस्था में काफी प्रभाव पड़ेगा जिसका सीधा असर होम आइसुलेट और कोरोना मरीजों पर पड़ेगा ।

नियमितीकरण की मांग को लेकर एनएचएम विभाग के संविदा कर्मचारी मैदान में। डटे हुए है। शासन द्वारा कार्रवाई करने एवं नोकरी से निकले जाने की चेतवानी के बाद भी अपने मांगों को मनवाने अड़े हैं । कितुं शासन इनकी जायज मांगों को पूरी करने अब तक किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं दी है ।

संघ के पदाधिकारियों का कहना है सरकार वादा खिलाफी कर रही है , सत्ता के लालच में हमें दस दिनों में नियमितिकरण का आश्वासन देकर अब स्वास्थ्य मंत्री नजरें फेर रहे है । आखिर क्यों नियमितिकरण किये बगैर ही एनएचएम की भर्ती ली जा रही है। भूपेश सरकार फंड का रोना रो रही है । जब इतनी ही विषम परिस्थितियों में सरकार चल रही है तो शिक्षा विभाग में टीचरों की सीधी भर्ती क्यों किया जा रहा है।

एनएचएम विभाग में 20 वर्षों से अधिक हो गया है कई कर्मचारियों को काम करते मगर मेडिकल उपचार तक कि सुविधाओं से संविदा कर्मचारियों को वंचित रखा जा रहा है । अगर शासन जल्द ही संविदा कर्मचारियों की नियमितीकरण का फैसल नही लेगी तो अंजाम भुगतना पड़ेगा । 29 सितंबर को पूरे प्रदेश के समस्त शासकीय विभाग में कार्यरत संविदा कर्मचारी महा आंदोलन करेंगे । इस आंदोलन को शासन द्वारा अहम निर्णय लेने के बाद ही खत्म किया जाएगा। इस बार संघ नियमितीकरण के अलावा किसी किस्म का आश्वासन नहीं लेगा ।

महाआंदोलन से होगा अंजाम बुरा

संविदा कर्मियों के हड़ताल में चले जाने से एनएचएम विभाग के दफ्तरों में ताला लगा हुआ है , स्वास्थ्य विभाग कार्यलय के काम पूरी तरह प्रभावित हैं । विभाग में कागजी कार्य पूरी तरह बाधित है।
प्रदेश में बढ़ते कोरोना मरीजों की सँख्या को देखते शासन ने निजी अस्पतालों में इलाज शुरू करने के साथ कोरोना के कम लक्षण वाले मरीजों को होम क्वारंटीन में रखकर इलाज करने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है यानी जो मरीज होम क्वारंटीन उसके उपचार का दायित्व स्वास्थग विभाग की है परन्तु इन दिनों संविदा कर्मचारियों के हड़ताल में होने से कितने कोरोना संक्रमित होम आइसुलेट हैं इसका डेटा नहीं मिल पा रहा है । वही विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इसकी जानकारी देने से परहेज कर रहे हैं जो उन्ही मरीजों की जानकारी एकत्रित कर पा रहे है जो हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

डॉ तृप्ति नागरिया को बनाया गया सिम्स का प्रभारी डीन

पायनियर संवाददाता ∢ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

डॉ तृप्ति नागरिया बिलासपुर सिम्स आयुर्विज्ञान संस्थान की प्रभारी डीन होंगी। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिया है। डॉ. रमणेश मूर्ति को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ तृप्ति नागरिया अभी रायपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालेज में पदस्थ थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिम्स के डीन और जिला अस्पताल के सिविल सर्जन को तत्काल हटाने का आदेश जारी किया था । जिसके बाद सिम्स के डीन पीके पात्रा को रायपुर वापस भेज दिया गया है। जो रायपुर के मेडिकल कालेज में संचालक सह प्राध्यापक के तौर पर काम करेंगे।

बता दें कि 21 सितंबर को ही मुख्यमंत्री ने सिम्स की अव्यवस्थाओं पर कड़ा एक्शन लेते हुए तत्काल प्रभाव से सिम्स के डीन डॉ पीके पात्रा को हटाने का आदेश दिया था, वहीं बिलासपुर जिला अस्पताल से सिविल सर्जन को भी हटाने का निर्देश दिया गया था।

वहीं अंबिकापुर मेडिकल कालेज में पदस्थ डॉ रमणेश मूर्ति को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज का प्रभारी डीन बनाया गया है। सिम्स की लगातार आ रही शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने हेल्थ विभाग की ज्वाइंट सिकरेट्री डा0 प्रियंका शुक्ला के नेतृत्व में पांच सदस्यीय जांच कमेटी बनाई थी। प्रियंका कमेटी ने तीन पन्ने की जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है।

कमेटी ने जांच रिपोर्ट में कोरोना के समय सिम्स के ओपीडी से लेकर आईसीयू, लेब की व्यापक अव्यवस्थाओं को उजागर किया है। कमेटी ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट में हैरानी जताई है कि कोविड लेब में 32 टेकनीशियन हैं, पांच की और भरती होने वाली है। इसके बाद भी मात्र टेस्टिंग की एक शिफ्थ चलाई जा रही है। अस्पताल में व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।

बिलासपुर समेत सभी लॉकडाउन वाले क्षेत्रों में रोज सुबह 3 घंटे खाद

पायनियर संवाददाता ∢ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

दिनी लॉकडाउन के दौरान किसानों के लिए राहत भरी खबर यह आई है कि प्रदेश के कृषि मंत्री ने लॉकडाउन वाले जिलों में खाद और कीटनाशक दवा की दुकानों को हर दिन 3 घंटे खुले रहने की छूट प्रदान कर दी है। कृषि मंत्री के निर्देश पर बिलासपुर के जिला कलेक्टर डॉक्टर सारांश मित्तर ने आदेश जारी कर बिलासपुर जिले की सभी खाद एवं कीटनाशक दवा की दुकानों को सुबह 8 बजे से दोपहर 11 बजे तक खोलने की छूट दे दी है। जिससे किसान खाद एवं धान की फसल को कीट प्रकोप से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं की खरीदी कर सकें। इस बाबत जारी आदेश में कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि खाद एवं कीटनाशक दवाओं के विक्रेता निर्धारित समय पर ही अपनी दुकान खोलेंगे और बंद करेंगे। वही इन दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश दिय गये हैं।इस बाबत जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि खाद और कीटनाशक दवा खरीदने के लिए दुकान तक जाने वाले किसानों को अपने साथ ऋण पुस्तिका अनिवार्य रूप से रखनी होगी। यहां यह बताना लाजिमी है कि भारतीय किसान संघ के बिलासपुर जिला अध्यक्ष धीरेंद्र दुबे के द्वारा कृषि मंत्री रविंद्र चौबे से फोन पर बात कर उन्हें बिलासपुर में खाद एवं कीटनाशक दवा की दुकानें बंद होने से किसानों को हो रही परेशानी की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया था।

कोरोना से लड़ने अग्रवाल संगठन की नेक पहल होम आइसोलेशन में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

पायनियर संवाददाता ∢ सक्ति
www.dailypioneer.com

वैश्विंक महामारी के इस दौर में अग्रवाल समाज फिर एक बार आगे आकर मानवता का परिचायक बनने जा रहा है। 24 सितंबर गुरूवार की संध्या 5 ~ 30 बजे प्रदेश के स्वास्थ्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे, जिनके साथ कोरबा विधायक एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल एवं भाजपा के पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक बृजमोहन अग्रवाल, अग्रसेन मोहल्ला क्लिनिक के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा संचालित सेवा कोविड से पीडित मरीज़ों को होम आइसोलेशन के दौरान निःशुल्क चिकित्सा परामर्श के ब्रोशर का विधिवत वर्चुअल विमोचन करेंगे ।इस वर्चुअल विमोचन के अवसर पर ऑनलाइन दिल्ली से अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल , रायपुर से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम अग्रवाल , रायगढ़ से प्रांतीय अध्यक्ष रामदास अग्रवाल, दुर्ग से प्रमुख सलाहकार जयदेव सिंघल विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे, पूरे प्रदेश के अग्रवाल समाज के प्रमुख पदाधिकारी गण भी इस अवसर के साक्षी बनेंगे,उत्काशय के संबंध के संस्था के महामंत्री अशोक अग्रवाल रायपुर ने विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि बहुत दिनों से वे एवं साथी चिकित्सकगणों के मध्य यह योजना चल रही थी, जिसे छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से अब कार्य रूप में परिणित किया जाएगा ,उन्होंने बताया कि कोआर्डिनेटर के रूप में डॉक्टर जितेंद्र सर्राफ़,डॉक्टर विवेक लॉठ ,डॉक्टर चन्दन अग्रवाल लगातार साथी डॉक्टरों के साथ कोआर्डिनेट करते रहेंगे।उनके इस कार्य में शासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। डॉक्टर जितेन्द्र सर्राफ़ व डॉक्टर चंदन अग्रवाल ने बताया कि,इस सेवा की खास बात यह होगी कि, इसमें अपने अपने क्षेत्र में जटिल केसेस में महारथ हासिल करने वाले अग्रवाल समाज के 20 डॉक्टर्स की टीमें तैनात होंगी।

जो इस महामारी से लड़ने में अपना योगदान देंगी। यह तमाम डॉक्टर्स मोहल्ला क्लिनिक के जरिए निः शुल्क पारिवारिक परामर्श तो पिछले कई महीनों से लगातार प्रदान कर ही रहे थे।

लॉकडाउन के दूसरे दिन कोरोना के मामले में बिलासपुर के लिए राहत

पायनियर संवाददाता ∢ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश के साथ ही बिलासपुर जिले में बिलासपुर नगर निगम समेत सभी नगरीय निकायों के क्षेत्र में लागू लॉक डाउन के दूसरे दिन बुधवार को बिलासपुर के लिए आई एक अच्छी राहत भरी खबर। अब तक संक्रमित मरीजों के रिकवरी रेट के मामले में 40 प्रतिशत से भी नीचे जा रहे बिलासपुर का रिकवरी रेट बुधवार को बढ़कर 75 प्रतिशत तक जा पहुंचा। इसका सीधा मतलब है कि पहले बिलासपुर जिले में कोविड-19 के संक्रमित हर 100 मरीजों में से रोज मात्र 35 से 40 मरीज ठीक हो रहे थे। लेकिन अब यह दर बुधवार को बढ़कर 75 मरीजों के ठीक होने तक जा पहुंची। यह एक ऐसी राहत भरी खबर है? जिसने कोविड 19 को लेकर निराशा भरे माहौल में जबरदस्त आशा और उत्साह का संचार किया है। निसंदेह लॉक डाउन की शुरुआत के एक-दो दिन पहले से कोरोनावायरस कोविड -19 के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ने में जिस तरह अपनी पूरी ऊर्जा झोंक दी है। रिकवरी रेट के मामले में मिली सफलता संभवत उसका ही नतीजा है। प्रदेश में अब रिकवरी रेट के मामले में काफी पीछे रहा बिलासपुर टॉप पर पहुंच कर दूसरे नंबर पर आ गया है। बिलासपुर से कुछ ही प्रतिशत अच्छा रिकवरी रेट प्रदेश के बेमेतरा जिले का है। वहां बुधवार को 76 प्रतिशत रिकवरी रेट अंकित किया गया। वहीं हर दिन मिलने वाले संक्रमित मरीजों की संख्या के मामले में पूरे प्रदेश में टॉप पर चल रहे, रायपुर का रिकवरी रेट बुधवार को 64 प्रतिशत, वही रायगढ़ का रिकवरी रेट 63 प्रतिशत अंकित किया गया।

मेडिकल कालेज में ऑक्सीजन सुविधायुक्त अतिरिक्त 150 बेड तैयार करें : कलेक्टर

- **कलेक्टर ने कोरोना संक्रमित मरीजों को दिए जाने वाले भोजन का लिया जायजा**

पायनियर संवाददाता ∢ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कलेक्टर भीम सिंह ने बुधवार को मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचकर द्वितीय और तृतीय तल के वार्डों का निरीक्षण किया और वहां चल रहे वातानुकूलित सिस्टम का कार्य तीन दिवस में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने द्वितीय तल पर 4-5 वार्डों में ऑक्सीजन सप्लाई के लिए पाइप लाइन का कार्य शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मेडिकल कालेज अस्पताल के आईसीयू प्रभारी डॉ.एएम लकड़ा और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को अतिरिक्त मैन पावर लगाकर निर्माण संबंधी कार्यों को पूरा कराने और ऑक्सीजन पाइप लाइन का कार्य करने के लिए आवश्यक सामग्री और तकनीशियन लाने के लिये निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों तथा जिलों में कंटेनमेंट जोन घोषित होने के कारण राज्य के बाहर से आवश्यक सामग्री और तकनीशियन बुलाने पर प्रशासन द्वारा ई-पास इत्यादि की व्यवस्था की जाएगी, लेकिन कार्य में रूकावट नहीं आनी चाहिए।

कलेक्टर भीम सिंह ने बताया कि जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में वृद्धि और मरीजों की गंभीर स्थिति को देखते हुये ऑक्सीजन सुविधायुक्त बेड बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। शहर के अलग-अलग निजी अस्पतालों द्वारा ऑक्सीजन सुविधायुक्त 50 बेड उपलब्ध कराये गये है और मेडिकल कालेज कोविड अस्पताल में 100 बेड में सिलेण्डर के माध्यम से आक्सीजन गैस की आपूर्ति की जाएगी। इसके अतिरिक्त मेडिकल कालेज अस्पताल भवन में द्वितीय तल पर चार-पांच वार्डों में पाइप लाइन के माध्यम से 150 बेड तक ऑक्सीजन की सप्लाई की जायेगी।

भोजन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के निर्देश - कलेक्टर भीम सिंह ने कोविड अस्पताल केआईटी परिसर गढ़उमरिया पहुंचकर कोरोना संक्रमित मरीजों के लिये तैयार किए गए फूड पैकेट्स का अवलोकन किया।

सूचना का अधिकार नगर में तोड़ रहा दम, बड़े घोटालों का लग रहा आरोप

पायनियर संवाददाता ∢ मुंगेली (पथरिया)
www.dailypioneer.com

नगर में जनसूचना अधिकार अधिनियम दम तोड़ रही है। सरकार भले ही पारदर्शी प्रशासन की दावे कर रही हो पर पथरिया नगर पंचायत में स्थित उलट ही है । यहाँ आमजनों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक को निर्माण और अन्य कार्यो के भुगतान की जानकारी लेने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम का सहारा लेना पड़ रहा है इसके बावजूद नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी जानकारी नही दे रहे है ।

अधिकारियों द्वारा जनसूचना अधिकार अधिनियम का मखौल उड़ाया जा रहा है साथ ही एक दूसरे पर जवाबदारी डालकर पल्ला झाड़ा जा रहा है । वही जानकारी मांगने वालों को दो माह बाद भी जानकारी नही मिल रही यहां तक कि पार्षदों को भी जानकारी के लिए आरटीआई का सहारा लेना पड़ रहा है लेकिन इसके बावजूद नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी जानकारी देने से बिदक रहे है।

खाद्यान वितरण में हेराफेरी का आरोप- लॉकडाउन के दौरान नगर में जरूरतमंद नागरिकों को सुखा खाद्यान्न सामाग्री वितरित करने के लिए पार्षदों के निधी से लगभग साढ़े सात लाख रुपये के सामाग्रियों की खरीदी की गई। इस खाद्यान्न वितरण में अनेकों वार्डो के जरूरतमंद लोगो तक राशन सामाग्री के नही पहुँच पाने की शिकायत जोरों से आई थी । जिसकी जानकारी लेने के लिए कुछ पार्षदों ने कार्यालय से पूरे वितरण प्रणाली अर्थात पार्षद निधि के राशि से क्रय एवं वितरित खाद्यान के विरुद्ध हुए भुगतान और कोटेसन समेत लाभान्वित हितग्राहियो की जानकारी लेनी चाही , लेकिन नगर पंचायत द्वारा गोल मोल जवाब दिया गया। अंत मे नगर के एक पार्षद ने सूचना के अधिकार का उपयोग करते हुए उक्त जानकारी मांगी । जिसे भी नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी नही दे सके । ऐसे में नागरिको में यह चर्चा का विषय है कि आखिर इस वितरण प्रणाली में ऐसा क्या राज है जो नगर पंचायत के अधिकारी छिपाना चाह रहे है, साथ ही इसमें एक बड़ा घोटाला होने की बात भी लोग दबी जुबान से बोलते नजर आ रहे है।

निर्माण कार्यो में भी घोटाले की आशंका- नगर पंचायत पथरिया में कुछ ही समय पहले वार्ड क्रमांक 01 और वार्ड क्रमांक 06 में सीसी रोड का निर्माण कार्य कराया गया। निर्माण के दौरान स्थानीय वार्ड के लोगो और पूर्व जनप्रतिनिधियो द्वारा इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल भी उठाये गए। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इससे सम्बंधित जानकारी के लिए कार्यालय में सूचना का अधिकार अंतर्गत आवेदन दिया गया।

नगर पंचायत में जनसूचना अधिकारी उपअभियंता है । इसके बारे में वो ही बता पाएंगी।
-रमेश पांडेय (सीएमओ,नगर पंचायत पथरिया) -

मेरे द्वारा संबंधित शाखा को जानकारी देने के लिए कहा गया है ।
-किरण तिर्की (जनसूचना अधिकारी , नगर पंचायत पथरिया) -

जानकारी नही मिलने पर आगे अपील का प्रावधान है। जिसके बाद सम्बंधित अधिकारियो को अर्थदंड किया जाता है। जल्द ही लोक सेवा से ऑनलाइन आरटीआई के लिए बात की जाएगी ।
-पीएस एल्मा (कलेक्टर, मुंगेली)

समस्त नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र कंटेनमेंट जोन घोषित, अतिआवश्यक सेवाएं निरंतर रहेगी जारी

नगरीय निकाय क्षेत्रों में होगी 30 सितम्बर तक पूर्णतः तालाबंदी

पायनियर संवाददाता ∢ मुंगेली
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम तथा स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रित रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पी. एस. एल्मा ने जिले के समस्त नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर समस्त नगरीय क्षेत्रों में 25 सितम्बर से 30 सितम्बर की मध्य रात्रि 12 बजे तक पूर्णतः तालाबंदी (लॉकडाउन) की है। उन्होने महामारी रोग अधिनियम 1897 के संदर्भ में शासन द्वारा जारी पत्र के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समस्त नगरीय क्षेत्रों में 25 सितम्बर से 30 सितम्बर की मध्य रात्रि 12 बजे तक पूर्णतः तालाबंदी (लॉकडाउन) की है। घोषित लॉकडाउन के दौरान जिले के समस्त नगरीय क्षेत्रों के कार्यालयों, अर्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद रहेंगे। सभी पदाधिकारी तथा कर्मी अपने घर से सरकारी कार्यों का निष्पादन करेंगे। परंतु वे मुख्यालय का परित्याग नहीं करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख उन्हें कार्यालय में बुला सकेंगे। जिले के समस्त नगरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं जिनमें निजी बसे, टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा इत्यादि शामिल है, के परिचालन को तत्कॉल प्रभाव से बंद किया गया है। केवल इमरजेंसी मेडिकल वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा वाहन की अनुमति रहेगी। ऐसी निजी वाहन को इस आदेश के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओं, सेवाओ के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हो उन्हें भी अपवादिक स्थिति में तत्कालिक आवश्यकताओं को देखते हुए परिवहन की छूट रहेगी। जिले के समस्त नगरीय क्षेत्रों में सभी दुकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय, फैक्ट्री, गोदाम, साप्ताहिक हाट बाजार आदि अपनी संपूर्ण गतिविधियां बंद रहेगी। परंतु नगरी क्षेत्रों के अंतर्गत स्थित औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थानों को सशर्त छूट रहेगी।

घोषित लॉकडाउन के दौरान ऐसी औद्योगिक इकाईयां जो दवाइयों के उत्पादन एवं निर्माण से संबंधित है, उनको प्रतिबंध से छूट रखा गया है। ऐसी इकाईयां जो आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य एवं खाद्य संबंधित पदार्थो, उत्पादन इकाई इत्यादि से संबंधित है, उन्हें इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। ऐसी इकाईयां जिन्हे उक्त प्रतिबंध से छूट प्रदान की जा रही है। उनके लिए आवश्यक होगा कि वे न्यूनतम आवश्यकता तक ही कर्मचारी एवं अधिकारी का उपयोग करेंगी, एवं संक्रमण विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार, राज्य शासन तथा समय-समय पर अन्य संस्थाओं के द्वारा महामारी से सुरक्षा हेतु दिये जा रहे निर्देशों का अक्षरशः पालन अनिवार्य रूप से करेगी। इन इकाइयों के प्रबंधन द्वारा कर्मचारी के सामूहिक आवागमन हेतु वाहन व्यवस्था किसी भी स्थिति उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। किसी भी स्थिति में उपलब्ध नही कराया जाएगा। समस्त नगरी क्षेत्र में धार्मिक संस्कृति एवं पर्यटन स्थल आम जनता के लिए पूर्णता बंद रहेगी। सभी नगरी क्षेत्रों में समस्त नागरिक अपने घर में ही रहेंगे। बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के क्रम में बाहर जाने पर सामाजिक दूरी के दिशा निर्देशों का अनुपालन करेंगे। किसी भी स्थिति में 2 से अधिक व्यक्तियों (इसमें ड्राइवर भी शामिल है) को घर से बाहर जाने से प्रतिबंधित किया गया है। घर से बाहर जाने की स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्यतः अपना वैध पहचान पत्र साथ में रखना होगा। बिना मास्क के बाहर निकलने पर 100 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया जाएगा । तथा दूसरी बार उल्लंघन होने पर दंड विधि संहिता की धारा 151 के तहत कार्यवाही की जाएगी। पर्याप्त सोशल/ फिजिकल डिस्टेंस एवं स्वास्थ्य विभाग के दिशा निर्देशों को पालन अनिवार्यतः किया जाएगा। समस्त नगरी क्षेत्रों में शासन से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक मितानिन का क्रीमी मुक्त दवाएं घर-घर वितरण के पूर्व एटीसी टेस्ट कराये जाना अनिवार्य होगा। समस्त नगरी क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र लॉकडाउन उपरांत संचालित होंगे। आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के पूर्व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/ सहायिका अपना एटीसी टेस्ट अनिवार्य रूप से कराएंगे। तथा संबंधित तहसीलदार, विकास खंड चिकित्सा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका का टेस्ट कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। जारी निर्देश में कहा गया है कि कार्यालय कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय एवं उनके अधीनस्थ समस्त कार्यालय, अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसील, थाना एवं चौकी ये सभी कार्यालय आम जनता के लिए बंद रहेंगे।

शहर से गांव तक दिखा पूर्ण लॉकडाउन का असर

देखते बनी जिला व पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी

पायनियर संवाददाता ᐸ भिलाई
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के बढ़ते रफ्तार पर अंकुश लगाने घोषित पूर्ण लॉकडाउन के चलते आज दुर्ग जिले में शहर से लेकर गांव तक सन्नाटा पसरा रहा. जनसमुदाय में लॉकडाउन का पालन कराने जिला व पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी देखते बनी. जिले की सभी सीमाएं सील रही और बेवजह बाहर निकले लोगों के खिलाफ धारा 188 के तहत कार्यवाही की गई।

आज सुबह 5 बजे से दुर्ग जिले में पूर्ण लॉकडाउन लागू हो गया है. धारा 144 के साथ लागू इस लॉकडाउन का प्रभाव 30 सितम्बर को रात 12 बजे तक बना रहेगा. जिले में खासकर भिलाई और दुर्ग सहित अन्य शहरी क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के लगातार तेजी के साथ सामने आ रहे मामलों को देखते हुए 24 से 30 सितम्बर तक एक सप्ताह के लिए पूर्ण लॉकडाउन घोषित किया गया है. इससे पहले घोषित लॉकडाउन में दुर्ग, भिलाई, रिसाली और भिलाई - चरोदा नगर निगम सहित जामुल व कुम्हारी नगर पालिका क्षेत्र के ही व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बंद रखे जाने का फरमान था. ग्रामीण क्षेत्र में लॉकडाउन घोषित नहीं किए जाने से कोरोना संक्रमण की रफ़्तार पर अंकुश लगाने के इरादे सफल नहीं हो पा रहे थे. लिहाजा इस बार लॉकडाउन को शहरी क्षेत्रों तक सीमित रखने के बजाय संपूर्ण दुर्ग जिले में प्रभावी किया गया है। पूर्ण लॉकडाउन को सफल बनाने जिला, पुलिस और स्थानीय निकाय के साथ ही ग्राम पंचायतों के अधिकारी - कर्मचारी सुबह से ही अपने - अपने सीमा और जिम्मेदारी वाले इलाके में डटे रहे. सुबह मॉर्निंग वॉक में निकले लोगों को समझाइश देकर लॉकडाउन का पालन करने की हिदायत दी गई. जिले की सभी सीमाएं

सील कर पुलिस बल तैनात रखा गया. फोरलेन सहित जिले के अन्य प्रमुख आवाजाही वाली सड़कों में चौक - चौराहों पर पुलिस आने - जाने वालों को रोककर पूछताछ करती रही. इस दौरान बिना किसी आवश्यक सेवा में संलग्न लोगों के खिलाफ बेवजह बाहर निकलने पर नियमानुसार कार्यवाही किया गया. फोरलेन सड़क पर कुम्हारी टोलप्लाजा, भिलाई - 3 के सिरसा चौक, डबरा पारा व खुर्सीपार गेट तिराहा, पावरहाउस चौक, चन्द्रा - मौर्या चौक, सुपेला चौक और नेहरू नगर चौक पर पुलिस बल तैनात रही. थानों की पेट्रोलिंग टीम अपने - अपने इलाके में लोगों को कोरोना को हराने के लिए लॉकडाउन का पालन करने लगातार अपील करती रही। जिले के चारों नगर निगम क्षेत्र में अलग - अलग टीम का गठन कर लॉकडाउन को सफल बनाने की कवायद सुबह से चलती रही. इस बार के लॉकडाउन में जरुरी सेवा को छोड़ सभी व्यवसाय पर प्रतिबंध लगाना गया है. नगर निगम और पालिका की टीम इस प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने अपने - अपने क्षेत्र में सक्रिय रही। गांवों में भी प्रशासनिक अमला लॉकडाउन को सफल बनाने लोगों को जागरूक करने में लगा रहा. इस दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग और फेसकवर अपनाने की दिशा में प्रेरित किया जाता रहा. पूर्ण लॉकडाउन के पहले दिन आज शहर और गांव की सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रखे गए. मेडिकल स्टोर्स खुले रहे पर बिना चिकित्सकीय पर्ची में दवा किसी को भी नहीं दी गई।

प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन

जिला प्रशासन ने सप्ताह भर के लिए लगाए गए पूर्ण लॉकडाउन के दौरान आम जनता को किसी तरह की दिक्क त नहीं हो, इसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है. इन नंबरों को सोशलमीडिया में वायरल करते हुए विकट परिस्थितियों में मदद लेने की अपील जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है. आपातकालीन स्थिति में लोग डायल 112 की मदद ले सकते हैं. इसी तरह कोविड कॉल सेंटर और होम आइसोलेशन के लिए भी अलग - अलग हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

कलेक्टर - एसपी ने किया भ्रमण

जिले के कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे और एसपी प्रशांत ठाकुर ने आज पूर्ण लॉकडाउन के पहले दिन विभिन्न इलाके में दल - बल के साथ भ्रमण किया. इस दौरान लोगों को बेवजह घर से बाहर नहीं निकलने की हिदायत दी जाती रही. शहरी क्षेत्रों में एएसपी शहर रोहित झा की अगुवाई में सीएसपी दुर्ग विवेक शुक्ला, सीएसपी भिलाई नगर अजीत यादव और सीएसपी छावनी विश्वास चन्द्राकर अपनी - अपनी पुलिस टीम के साथ लॉकडाउन को सफल बनाने सक्रिय रहे।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के एन.एस.एस. के दो श्रेष्ठ स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार समारोह में राज्यपाल वर्चुअल रूप से हुई शामिल

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

नई दिल्ली में आज राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2018-19 समारोह का वर्चुअली आयोजन हुआ, इसका आयोजन खेल एवं युवा मंत्रालय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। राज्यपाल अनुसुईया उइके वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस समारोह में सम्मानित छत्तीसगढ़ के बीसीएस शासकीय महाविद्यालय धमतरी के छात्र सत्येन्द्र साहू एवं शंकराचार्य इंजीनियरिंग महाविद्यालय भिलाई के छात्र राकेश कुमार को भी शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि यह गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना के दो स्वयंसेवक राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हुए हैं।

एन.एस.एस. युवाओं में राष्ट्रप्रेम तथा नेतृत्व की भावना का विकास करता है। उनके कार्यो से पूरे समाज को प्रेरणा मिलती है। उल्लेखनीय है कि सत्येन्द्र शर्मा तथा राकेश कुमार को श्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्रीय पुरस्कार (स्वयंसेवक श्रेणी के अंतर्गत) प्राप्त हुआ है, जिसके अंतर्गत प्रशस्ति पत्र, चांदी का मेडल और रू. 1,00,000/- राशि व वर्चुअली प्रदान किया गया।

जोगी शासनकाल जैसे मरवाही को कोरबा के साथ-साथ मनेंद्रगढ़ विद्युत फ़ीडर से सीधे जोड़े: अमित जोगी

रायपुर। जिले की बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर जेसीसीजे अध्यक्ष अमित अजीतजोगी ने जिला मुख्यालय गौरेला स्थित 'जोगी निवास' में 'रघुपति राघव राजा राम' भजन से अपने अनशन की शुरूवात करी। अमित जोगी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री रोजाना 2 घंटे में बिलासपुर से मरवाही आसकते है तो बिजली के लिए नया ट्रांसफार्मर 10 दिनों में मरवाही के कोटमी विद्युत केंद्र क्यों नही पहुँच सका? अमित जोगी ने बतायाकि स्वर्गीय श्री अजीत जोगी जी के अथक प्रयासों से मरवाही की बिजली समस्या को दुरुस्त करने के लिए दुबटिया, आमाडांड, बस्तीऔर अंधियारखोह में नए विधुत सब-स्टेशनों की साल भर पहले स्वीकृति मिल चुकी थी लेकिन आज तक धरातल पर इसकाक्रियान्वयन नही हो सका है। अमित जोगी ने कहा कि चुनाव के पहले मरवाही में घोषणावीर मंत्री केवल घोषणाओं को लेकर आ रहे है और कोरोना को छोड़करजा रहे है जबकि धरातल पर यहाँ के लोग बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी मूलभूत समस्याओं से रोज़ जूझ रहे है। अमित जोगी में कहा कि जब तक नया ट्रांसफॉर्मर कोटमी नहीं आएगा और स्वर्गीय अजीत जोगी जी जैसे मरवाही को कोरबा केसाथ-साथ मनेंद्रगढ़ विद्युत फ़ीडर से सीधे नहीं जोड़ा जाएगा।

प्रदेश भर में 832 केंद्रों में रैपिड एंटीजन किट से कोरोना जांच

539 ग्रामीण एवं 36 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच की सुविधा

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पहचान के लिए ज्यादा से ज्यादा सैंपलों की जांच की जा रही है। राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 832 केंद्रों में रैपिड एंटीजन किट से कोरोना की जांच की जा रही है। लोगों की सुविधा के लिए अलग से स्थापित जांच केंद्रों के साथ ही शासकीय मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, मातृ-शिशु अस्पतालों, सिविल अस्पतालों, शहरी और ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी व ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा मोबाइल टीमों के द्वारा भी कोरोना की जांच की जा रही है।

कोरोना संक्रमण की पुष्टि के लिए प्रदेश में अब तक कुल नौ लाख 82 हजार 825 सैंपलों की जांच की जा चुकी है। इनमें से पांच लाख आठ हजार 290 सैंपल आरटीपीसीआर से, चार लाख 26 हजार 323 रैपिड एंटीजन किट से और 48 हजार 212 सैंपल ट्रू-नाट मशीनों से जांचे गए हैं। प्रदेश भर के 832 केंद्रों में रैपिड एंटीजन किट से कोरोना संक्रमण की पहचान की जा रही है। रायपुर और कोरबा जिले में 59-59 केंद्रों में, जांजगीर-चांपा में 56, राजनांदगांव में 44, जशपुर में 42, दुर्ग में 40, रायगढ़ में 39, सरगुजा में 35, बलरामपुर-रामानुजगंज में 34, बिलासपुर, मुंगेली, कोरिया और कबीरधाम में 31-31 तथा सूरजपुर व कांकेर में 30-30 केंद्रों में रैपिड एंटीजन किट से जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण के संदिग्ध मरीजों की जांच के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा और बालोद जिले में 29-29, धमतरी और महासमुंद में 28-28, बेमेतरा में 23, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 21, बस्तर में 19, गरियाबंद में 17, दंतेवाड़ा व बीजापुर में 12-12, कोंडागांव में नौ, नारायणपुर में सात तथा सुकमा में छह केंद्र रैपिड एंटीजन किट से जांच के लिए स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के सात मेडिकल कॉलेजों, 23 जिला अस्पतालों, 175 मातृ-शिशु अस्पतालों, सिविल अस्पतालों एवं शहरी व ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 36 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 539 ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा 52 अन्य केंद्रों और मोबाइल टीमों द्वारा कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

मोदी सरकार ने कार्पोरेट सेक्टर के कर्मियों की कानूनी सुरक्षा को छीना: कांग्रेस

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

मोदी सरकार ने किसानों के बाद निजी क्षेत्र में काम करने वाले लोगो के लिए भी काला कानून बना रही है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सभा मे श्रम सुधारो सम्बंधित तीन बिल विपक्षी दलों के विरोध के बीच पारित करवाया।आद्योगिक सबन्ध संहिता बिल 2020 के पारित हो जाने के बाद निजी क्षेत्र की कोई भी कम्पनी जिसकी कुल कर्मियों की क्षमता 300 कर्मचारियों से अधिक होगी वह कम्पनी विना सरकार और श्रम विभाग की अनुमति के अपने कर्मचारियों की छंटनी कर सकेगी ।इस विधेयक को पारित करवा कर मोदी सरकार ने निजी और कार्पोरेट क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अभी तक मिलने वाली संविधान प्रदत्त कानूनी सुरक्षा को एक प्रकार से वापस ले लिया। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता ने कहा कि सरकारी सेवा के बाद निजी क्षेत्र की बड़ी कम्पनियां जिसमे कर्मचारियों की संख्या बड़े स्तर पर होती है लोगो की जीविका के स्थायी आधार साबित होते है।आम आदमी निजी क्षेत्र की बड़ी कम्पनियों में नौकरी प्राप्त करने के बाद अपने जीवन को सुरक्षित और स्थायित्व महसूस करता था।

बेवजह घूमने वालो की पुलिस ने ली खबर

कोरोना संक्रमण के चलते किए गए लॉकडाउन के पहले दिन दिखा व्यापक असर

पायनियर संवाददाता ᐸ सरायपाली
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के पहले दिन नगर के सड़कों पर दिन भर सन्नाटा पसरा रहा प्रमुख चौक चौराहे पर सुबह से लेकर देर रात तक पुलिसकर्मियों के साथ अधिकारी भी पहरेदारी करते हुए नजर रखे हुए थे इस दौरान चिकित्सकीय कार्य के लिए घर से निकले लोगों को छोड़ कर बेवजह घर से निकले कुछ लोगों की जमकर खबर भी ली गई लॉकडाउन के मद्देनजर नगर की सीमाओं को सील कर दिया गया है। नगर की सीमा क्षेत्र की सड़कों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई इस तरह लॉकडाउन नियमों के प्रति प्रशासन द्वारा कड़ाई बरतने से सड़कों पर दिनभर सन्नाटा छाया रहा। पूर्ण लॉकडाउन का व्यापक असर सरायपाली

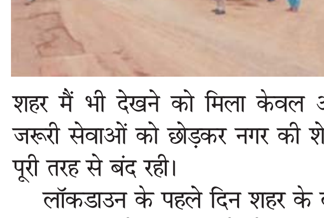

शहर मैं भी देखने को मिला केवल आवश्यक जरूरी सेवाओं को छोड़कर नगर की शेष दुकानें पूरी तरह से बंद रही।

लॉकडाउन के पहले दिन शहर के दोनों छोर की सभी दुकाने वह गली मोहल्ले भी पूरी तरह से विरान नजर आ रहे थे लॉकडाउन कड़े नियमों के भय के चलते और सरायपाली पुलिस की गस्ती से लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकले। नगर के चारों ओर नाकेबंदी कर जबरदस्ती घूमने वाले लोगों को रोककर पूछताछ करते रहे। इधर स्थानीय पुलिस प्रशासन का अमला लॉकडाउन को सफल बनाने में लगातार जुटे रहे वहीं जरूरी सेवाओं के नाम पर केवल दूध दवाई पेट्रोल पंप गैस एजेंसी वह अस्पताल खुले थे पेट्रोल पंप में भी कड़ाई से नियमों का पालन किया जा रहा था।

गांव में फिर स्वरफूर्त लॉक डाउन

कोरोना को हराने के लिए क्षेत्र के ग्रामीण छूईपाली ,सिघोडा, सागरपाली, लम्बर बलौदा, तोषगांव, में भी अब लॉक डाउन होने लगे हैं ग्राम वासियों ने एकजुट होकर लॉकडाउन करने का निर्णय लिया गया है गांव के प्रवेश मार्गो को बांस बल्ली लगाकर बंद कर दिया गया है।

आईएएस आर प्रसन्ना को चिकित्सा शिक्षा सचिव का प्रभार

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर
www.dailypioneer.com

आईएएस आर प्रसन्ना चिकित्सा शिक्षा विभाग के नये सचिव बनाये गये हैं। आर प्रसन्ना के स्वास्थ्य विभाग में लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें राज्य सरकार ने सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी है। 2004 बैच के IAS आर प्रसन्ना को हेल्थ एजुकेशन का एडिश्नल चार्ज दिया गया है।

प्रसन्ना के पास पहले से ही सहकारिता विभाग के साथ-साथ समाज कल्याण, विज्ञान एवं प्रद्योगिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कौशल विकास विभाग और आयुक्त निशक्तजन की जिम्मेदारी थी, अब उन्हें हेल्थ एजुकेशन की भी जिम्मेदारी दी गयी है।

परिवहन करते वाहन को ग्रामीणों ने पकड़ा, 50-100 साल पुराने पेड़ काट दिए गए

शासकीय मोहगांव कृषि फार्म में पेड़ों की अवैध कटाई

पायनियर संवाददाता ᐸ रायपुर/साजा
www.dailypioneer.com

कृषि मंत्री रविंद्र चौबे के निवास ग्राम मौहाभाठा से मात्र छह सौ मीटर की दूरी पर स्थित शासकीय मोहगांव कृषि फार्म में फलदार व बरगद-नीम जैसे पेड़ों की कटाई कर दी गई। कृषि फार्म के ही कुछ हिस्से में उद्यानिकी विभाग का दफ्तर व कर्मचारी/अधिकारी का निवास है। इससे लगा हुआ करीब एक एकड़ हिस्से में उद्यानिकी विभाग के फलदार पौधे की नर्सरी है, जहां वृक्षारोपण के लिए पौधे तैयार किए जाते हैं। साथ ही फलदार व अन्य प्रजाति के पेड़ भी लगाए गए हैं। इनमें से बरगद करीब 50 साल पुराना था। जिसकी विगत दिनों उद्यानिकी विभाग के स्थानीय अधिकारी तेजराम चंद्रवंशी ने कटाई करा दी। यही नहीं उन्होंने नगर पंचायत देवकर के लकड़ी कारोबारी से प्रति वाहन आठ हजार रुपए में सौदा कर कथित रूप से विक्रय भी कर दिया। इसके तहत तीन वाहन माल की ढुलाई की जा चुकी है। चौथी ढुलाई 23 सितंबर की रात्रि करीब आठ बजे की जा रही थी। संदिग्ध रूप से वाहन क्रमांक सीजी 04 एचयू 9915 में गीली लकड़ी की लदान किया जा रहा था। नर्सरी से करीब सौ मीटर की दूरी पर कुछ लोग मौजूद थे, उन्हें कुछ गड़बड़ी का शक हुआ। मौके पर जाकर देखा तो टाटा माजदा में गीली लकड़ियों का लदान किया जा चुका था। शक के आधार पर ग्रामीणों ने उद्यानिकी प्रक्षेत्र के स्थानीय अधिकारी/कर्मचारी चंद्रवंशी से पूछताछ की तो उन्होंने गोलमोल जवाब दिया। इसके उपरांत ग्रामीणों ने वाहन पर चढ़ कर लकड़ी की जांच की व वाहन

आंवला-जाम सहित फलदार पेड़ भी शामिल

चालक पर दबाव बनाया तो उन्होंने बताया वे लकड़ी खरीद कर ले जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रति वाहन लकड़ी का सौदा आठ हजार रुपए में हुआ है। गीली लकड़ी देख कर हरे भरे पेड़ काटे जाने के शक पर रात्रि में ही ग्रामीणों ने मौका मुआयना किया गया। करीब 17 पेड़ कटे पाए गए। इसके अगले दिन 24 सितंबर को पुनः अवलोकन किया गया तो पता चला कि करीब 50 साल पुराने बरगद के पेड़ को भी काट दिया गया है। जिसकी दो शाखाएं अभी भी लटक रही है। इसके अलावा आंवला, जाम (बिही), नीलगिरी, नीम आदि के पेड़ों की कटाई कर दी गई है। ग्रामीणों ने बताया मोहगांव कृषि फार्म से लगा हुआ करीब पांच एकड़ का तालाब है। इसके किनारे करीब 90-100 साल पुराने नीम के पेड़ को भी काट दिया गया है। इससे प्रतीत होता है पेड़ों की कटाई विक्रय कर आर्थिक उगाही के मकसद से कराई गई। मौके पर वाहन पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने उद्यानिकी प्रक्षेत्र के स्थानीय अधिकारी चंद्रवंशी से पूछा कि क्या पेड़ों की कटाई की अनुमित कलेक्टर अथवा सक्षम अधिकारियों से ली गई, तो उन्होंने हां में जवाब दिया लेकिन आदेश की कॉपी मांगने पर हीं दे पाए। उनके संदिग्ध व्यवहार को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल कलेक्टर शिव अंनत तायल को मय वीडियो वॉट्सएप कर पूरी जानकारी की। इसके कुछ ही देर बाद तहसीलदार तार सिंह खरे व थानेदार पांडे मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने वाहन व लकड़ी जब्त कर एसडीएम साजा के समक्ष ले गए। समाचार लिखे जाने तक जब्त वाहन एसडीएम आशुतोष चतुर्वेदी के शासकीय निवास के समक्ष खड़ी हुई है। इस संबंध में एसडीएम ने बताया कि लकड़ी कटाई मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद ही बताया जा सकता है कि मामला अवैध लकड़ी परिवहन का है या फिर पेड़ों की कटाई का। ग्रमीणों के मौका मुआयना के अनुसार मामला अवैध पेड़ कटाई का है। ज्ञात हो इसी परिसर में शासकीय मोहगांव कृषि फार्म के मैनेजर व अन्य अधिकारियों का निवास व शासकीय कृषि महाविद्यालय स्थित है। जहां बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी/कर्मचारी निवासरत व ड्यूटीरत होते हैं। इसके बाद भी पेड़ों की बेधड़क कटाई कटाई कर बेच दी गई। मामला गंभीर है जो बहरहाल जांच के घेरे में है।

ट्रक पलटा, ड्राइवर की मौत

रायपुर। रायपुर जिले के धरसींवा ब्लॉक में आज सुबह एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गई। हादसे में ट्रक के चालक की मौत हो गई। घटना के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उरला रायपुर से लोहे के रॉड लेकर ट्रक हरिद्वार जाने के लिए निकली थी, तभी सांकरा चौक के पास ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में चला गया और पलट गया। ट्रक पलटने से ट्रक के सामने का हिस्सा पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसमें दब कर चालक नाथीराम की मौत हो गई। इस घटना के बाद पुलिस ने शव को ट्रक से बाहर निकालने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-मोहन राव* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-ए.एन. द्विवेदी, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2018-20, दूरभाष नंबर 0771, 2972403